@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 13 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 304 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीपी राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

शपथ ग्रहण करने के बाद सीपी राधाकृष्ण ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण किया। साथ ही एक्स पर सीपी राधाकृष्णन के पदभार ग्रहण करते हुए तस्वीरें भी शेयर की गई हैं। इससे पहले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की तथा राष्ट्रपिता और उनके सत्य एवं अहिंसा के शाश्वत आदर्शों का सम्मान किया। उन्होंने सदैव अटल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राधाकृष्णन ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय के स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने किसान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। साथ ही उन्होंने संसद भवन स्थित प्रेरणा स्थल पर महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने संसद भवन परिसर में एक पौधा भी लगाया और देश की समृद्ध विरासत एवं एक सतत भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति

के रूप में सीपी राधाकृष्णन ने जगदीप धनखड़ की जगह ली है। धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर कार्यरत थे। सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे।

सनातन का यही सार, जिसने किया उपकार, उसके प्रति आभार - सीएम योगी

मारे सैनिकों के प्रति श्रद्धा का भाव ही सच्चे सनातनी की पहचान है।

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या धाम में पूज्य स्वामी हर्याचार्य जी महाराज की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें अयोध्या की पावन धरा को नमन करने का सौभाग्य मिल रहा है। अभी हाल ही में मॉरिशस के प्रधानमंत्री अयोध्या आए थे और उन्होंने पूछा कि कितने वर्ष बाद राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। मैंने उन्हें बताया कि 500 वर्ष बाद। 500 वर्षों तक संतों और भक्तों ने संघर्ष किया और आज वह सपना साकार हुआ। उन्होंने अयोध्या आंदोलन में संतों के योगदान को याद करते हुए कहा कि जिन्होंने अपने जीवन, स्वास्थ्य और सुख की परवाह किए बिना सिर्फ एक ध्येय बनाया, 'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे', उन्हीं संतों की साधना और तप का परिणाम है कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि पूज्य स्वामी हर्याचार्य जी महाराज का सानिध्य उन्हें कई अवसरों पर मिला। उनमें श्रीराम जन्मभूमि के लिए एक

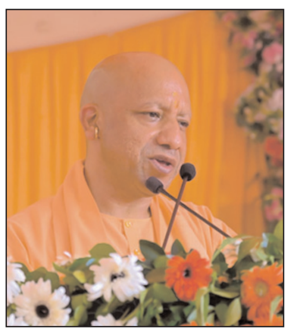

अदम्य जज्बा था और सनातन धर्म की एकता के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने परमहंस रामचंद्र दास जी महाराज और अन्य संतों की उन इच्छाओं का भी स्मरण किया, जिनकी एकमात्र कामना यही थी कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो। उन्होंने बताया कि उनके पूज्य गुरुदेव भी अपने अंतिम समय में इसी विषय पर चिंतित रहते थे और यही कहते थे कि अयोध्या में रामलला विराजमान हों। अयोध्या, काशी, मथुरा या वो सभी धर्मस्थल जिन्हें गुलामी के कालखंड में बर्बर विदेशी आक्रांताओं ने अपवित्र किया था, अब उनका ससम्मान पुनर्प्रतिष्ठा होनी चाहिए। राष्ट्रीय जीवन में जिस प्रकार राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्व है, उसी प्रकार धार्मिक जीवन में आस्था के प्रतीकों का महत्व है। अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे धर्मस्थलों की पुनर्प्रतिष्ठा सनातन धर्म का संकल्प है। सीएम योगी ने कहा कि हर सनातनी का यह प्रण होना चाहिए कि यदि हम अपने धार्मिक प्रतीकों का सम्मान कर रहे हैं तो हमें तिरंगे और संविधान जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का भी सम्मान करना होगा। हमारे सैनिकों के प्रति श्रद्धा का भाव ही सच्चे सनातनी की पहचान है। सनातन धर्म का सार यही है कि जिसने उपकार किया उसके प्रति आभार प्रकट करना। गंगा, गौ, राम, कृष्ण, विश्वनाथ, गंगा-यमुना-सरयू हमारे प्रतीक हैं। सनातन धर्मावलंबियों ने जीवन के रहस्यों को गहराई से समझा है। हमने स्वर्ग को तुच्छ माना और मोक्ष को सर्वोच्च लक्ष्य माना। यही सन्यासियों और योगियों की पहचान है कि वे अपने व्यक्तिगत मोक्ष के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य करते हैं।

सेवा पर्व : यूपी में 15 लाख पौधरोपण कराएगी योगी सरकार

सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान देश में 1.25 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। इसमें से योगी सरकार प्रदेश में 15 लाख पौधरोपण कराएगी। 17 सितंबर को पर्व के शुभारंभ पर प्रदेश के 34 नगर वन में कम से कम 100-100 पौधरोपण कराया जाना अनिवार्य है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान, वर्षा जल संचयन समेत अनेक अभियान भी चलाए जाएंगे। हर जनपद में प्रभागीय वनाधिकारी इसके नोडल अफसर होंगे। प्रमुख सचिव (वन-पर्यावरण) अनिल कुमार ने बताया कि यूपी के लिए 15 लाख पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। राव ने कहा कि कांग्रेस के सहयोगी दलों ने ही संबंधित राज्यों में उसका सफाया कर दिया है। क्या कांग्रेस इन सहयोगी दलों को 'वोट चोर' कहने की हिम्मत करेंगे? भाजपा के वरिष्ठ नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के संदर्भ में 1984 से 2014 तक के चुनावी रुझानों और नतीजों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 1984 में अपने सर्वोच्च प्रदर्शन 404 सीटों से गिरकर 2014 में केवल 44 सीटों पर आ गई। वर्ष 2014 में कांग्रेस के वोट 49.1 प्रतिशत से घटकर 19.5 प्रतिशत हो गए। इस घटते वोट प्रतिशत की जिम्मेदार खुद कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के नेता हैं।

पीएम मोदी की मां के AI वीडियो से भाजपा नाराज, रवि शंकर ने पूछा-या यही स्तर है कांग्रेस का?

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक बयानबाजी और विवादों का दौर तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय मां को लेकर बनाए गए एक एआई वीडियो पर भाजपा भड़क उठी है। यह वीडियो बिहार कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम ने पोस्ट किया है। भाजपा ने इसे मां, महिलाओं और गरीबों का अपमान बताया है। भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह का वीडियो बनाकर कांग्रेस ने न केवल प्रधानमंत्री, बल्कि उनकी मां का भी अनादर किया है। जिस मां ने कठिन परिस्थितियों में अपने बेटे को पाला-पोसा और प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा में अहम भूमिका निभाई, उनका इस प्रकार मजाक उड़ाना शर्मनाक है। रवि शंकर प्रसाद ने पूछा- 'क्या यही स्तर है कांग्रेस पार्टी का? आप प्रधानमंत्री की स्वर्गीय मां का मीम बनाते हैं, वो भी इतने घटिया स्तर का। यह न केवल राजनीति का पतन है, बल्कि पूरे देश का अपमान है उन्होंने सवाल किया कि आखिर कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री की मां को राजनीति में क्यों घसीट रही है? प्रसाद ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी से इस पर जवाब मांगा और चेतावनी दी कि भाजपा इस मुद्दे को पूरे देश में ले जाएगी।

तेजस्वी यादव ने बिहार में हो रहे अपराधों पर घेरा, बोले-सरकार कोमा में है

● बिहार सरकार पूरी तरह से विफल हो गई है : तेजस्वी

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की नीतीश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में क्राइम ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। बिहार की सड़कों को लाल रंग से रंग दिया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा,'बिहार सरकार पूरी तरह से विफल हो गई है। सड़कें खून से लाल हो गई हैं और सरकार कोमा में है। मुझे जानकारी मिली है कि खरौली विधायक के ड्राइवर की हत्या कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सुनियोजित तरीके से हत्याएं की जा रही हैं।

उन्होंने कहा, यह कितनी घिनौनी मानसिकता है। एक हत्या हुई है और उपमुख्यमंत्री ऐसा बयान दे रहे हैं, यह शर्मनाक है। जरा सोचिए, सत्ता ऐसे लोगों के हाथों में कैसे आ गई है? वे यह कहकर हत्या को जायज ठहरा रहे हैं कि हमें चुप रहना चाहिए, क्योंकि इससे हमें फायदा है।' तेजस्वी ने कहा कि इस तरह का बयान शर्मनाक करने वाला है, ऐसे लोग उपमुख्यमंत्री बन गए हैं जो लायक भी नहीं। जो भी अपराधी है उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों को जल्दी न्याय मिलना चाहिए। राजद नेता ने कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां प एआई-जनरेटेड वीडियो पोस्ट करने पर भी प्रतिक्रिया दी।

हिमाचल में मानसून की मार

● 583 लिंक रोड और 3 राष्ट्रीय राजमार्ग अब भी बाधित, 215 लोगों की मौत

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर जारी है। राज्य के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने शुक्रवार को बताया कि भले ही कई सड़कों की बहाली पूरी कर ली गई है, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में मार्ग क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 583 लिंक रोड और 3 राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद पड़े हैं। इसके साथ ही 806 डीटीआर मार्ग और 364 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। मंत्री नेगी ने बताया कि इस बार मानसून सीजन के दौरान 215 लोगों की जान गई है, जिनमें से 165 मौतें सड़क दुर्घटनाओं के

कारण हुई हैं। राज्य सरकार ने प्रभावित इलाकों में तेजी से बहाली और राहत कार्य करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट में बम की अफवाह झूठी निकली

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय को शुक्रवार बम से उड़ाने की धमकी मिली। जांच-पड़ताल के बाद बम की धमकी झूठी निकली। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार अरुण भारद्वाज के ई-मेल

पर बम की धमकी वाला मैसेज आया था। बम की धमकी सुबह 8.39 मिनट पर ई-मेल से मिली। ई-मेल में कहा गया था कि आज दिल्ली उच्च न्यायालय में जजों के कमरे में तीन बम प्लांट किए गए हैं। ई-मेल में दो बजे तक कोर्ट परिसर खाली करने को कहा गया। बम की धमकी मिलने के बाद पूरे कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जज अपने अपने कोर्ट को छोड़कर चले गये। कोर्ट में बम निरोधक दस्ते और अग्निशमन दल को बुलाया गया। सुरक्षाकर्मियों ने सभी को कोर्ट परिसर खाली करने को कहा। बाद में पूरे कोर्ट परिसर की जांच की गई, लेकिन बम की धमकी झूठी निकली।

पीएम मोदी जाएंगे मणिपुर, 8500 करोड़ की देंगे सौगात

कांडला। पीएम नरेंद्र मोदी मणिपुर दौरे पर जाएंगे। वे यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वहीं पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचंदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

श्रीरामलला के दरबार में प्रधानमंत्री रामगुलाम ने टेका मत्था

एजेंसी

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या शुक्रवार को एक विशेष अवसर की साक्षी बनी, जब मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और करीब 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने सबसे पहले भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में पत्नी के साथ विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर लोककल्याण की कामना की। वह भूटान के प्रधानमंत्री के बाद दूसरे राष्ट्राध्यक्ष बने, जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए।

स्पाइसजेट फ्लाइट का टायर टेकऑफ के दौरान रनवे पर गिरा

कांडला। गुजरात के कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को कांडला एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान बॉम्बार्डियर Q400 प्लेन का एक टायर रनवे पर गिर गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए उड़ान जारी रखी।

मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। हालांकि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और खुद टर्मिनल तक पहुंचा। सभी 75 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बीरभूम में खदान धंसने से छह मजदूरों की मौत, पांच गंभीर

पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

एजेंसी

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में शुक्रवार को पत्थर के खदान में अचानक धंसान होने से कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। इस दुर्घटना में अब तक पांच मजदूरों की मौत हो चुकी है जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत रामपुरहाट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। उसे बाद में बर्दवान मेडिकल कॉलेज स्थानांतरित किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय 10 से 12 मजदूर खदान में पत्थर निकालने का काम कर रहे थे, तभी अचानक खदान का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। मजदूरों को बचने का कोई मौका नहीं मिला और वे पत्थरों के नीचे दब गए। घटना की सूचना पाकर आसपास की खदानों के मजदूर और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। पांच मजदूरों के शव बाहर निकाले गए और घायल मजदूरों को अस्पताल भेजा गया। जिले के पुलिस अधीक्षक अमनदीप ने बताया कि पूरी घटना की जांच की जा रही है और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दुर्घटना कैसे हुई। एसपी के अनुसार, अभी तक पांच लोगों की मौत की आधिकारिक जानकारी सामने आई है। हालांकि, मौके पर

मौजूद वाहन चालकों का दावा है कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई है। हादसे की भयावहता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में मारे गये तीन करोड़ चार लाख के इनामी 10 नक्सलियों की हुई शिनाख्त

सीसी सदस्य और वांछित नक्सली मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण समेत 10 बड़े नक्सली मारे गए हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। गरियाबंद/रायपुर, 12 सितंबर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को भालू डिग्गी जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए इनामी सभी 10 नक्सलियों की शिनाख्त शुक्रवार को हो गई। छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश सरकार ने इन सभी 10 नक्सलियों पर तीन करोड़ चार लाख का इनाम घोषित किया हुआ था।

गरियाबंद जिले में गुरुवार सुबह थाना मैनपुर क्षेत्र के भालू डिग्गी जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में डेढ़ करोड़ रुपये के इनामी केंद्रीय समिति (सीसी) के सदस्य और वांछित नक्सली मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया गया था। मारे गये इन सभी 10 नक्सलियों के शव आज हेलीकॉप्टर से गरियाबंद जिला पुलिस मुख्यालय लाए गए और इन सभी नक्सलियों की शिनाख्तगी की कार्रवाई पूरी कर ली गई। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मारे गए नक्सलियों में छह पुरुष और चार

महिला नक्सली शामिल हैं, जिसकी शिनाख्तगी की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इनमें मनोज उर्फ मोडेम बालाकृष्णन उर्फ भास्कर उर्फ बालन्ना (सीसीएम) पर छत्तीसगढ़ सरकार ने एक करोड़ ने इनाम रखा था जबकि ओडिशा और आंध्र प्रदेश सरकार ने 25-25 रुपये का इनाम रखा हुआ था। इस तरह से सीसीएम नक्सली मनोज पर कुल डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम था। प्रमोद उर्फ पांडु (एसओडसी/ईस्टर्न ब्यूरो) पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 25 लाख रुपये और ओडिशा व आंध्र प्रदेश सरकार ने 20-20 रुपये का इनाम रखा हुआ था। जबकि विमल उर्फ मंगन्ना उर्फ सुरेश उर्फ जैदी वेंकटी (डीवीसीएम/टेक्निकल टीम) पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 08 लाख रुपये और ओडिशा व आंध्र प्रदेश सरकार ने 05-05 रुपये का इनाम हुआ था। इनके अलावा इन इनामी नक्सलियों में विक्रम (सिनापाली एसीएम), समीर (मनोज सिक्योरिटी टीम), उमेश (एसीएम/एसडीके) डिप्टी कमांडर, अंजलि (एसीएम/एसडीके), सिंधु (एसीएम/ तकनीकी टीम), रजिता (एसीएम/ तकनीकी टीम) और आरती (तकनीकी टीम) शामिल हैं। उपरोक्त सभी पर छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश सरकार ने 3 करोड़ 4 लाख का इनाम घोषित किया हुआ था।

राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद

जूनागढ़ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर हैं। आज राहुल गांधी जूनागढ़ के भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने पहुंचे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा, भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत अन्य नेताओं और बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया। हालाँकि, इस दौरान एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद पैदा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जूनागढ़ में भव्य स्वागत किया गया। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के अलावा भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। राहुल गांधी जब भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने जा रहे थे, तो उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर मौजूद थे। हालाँकि, इस दौरान डीजे पर एक पाकिस्तानी गाना बज रहा था। राहुल गांधी के स्वागत में डीजे द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों के लिए बनाया गया गाना जीत की लगन बजाने पर अब विवाद बढ़ गया है। कुछ लोग यह भी चर्चा कर रहे हैं कि क्या जूनागढ़ में राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तान के लिए प्रेम था। इस घटना से भाजपा नेताओं को राहुल गांधी पर हमला करने का एक और मौका मिल गया है। हांलाकि जूनागढ़ में जब राहुल गांधी का काफिला आगे बढ़ रहा था, तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी आप आगे बढ़ो के नारे भी लगाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए हैं, जिससे इस एक हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। नए नियमों के तहत, सुप्रीम कोर्ट परिसर में कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। हाई सिक्योरिटी ज़ोन में मोबाइल फोन का उपयोग करके तस्वीरें खींचने या वीडियो बनाने पर पूरी तरह से रोक है। इसके अलावा, आधिकारिक उपयोग को छोड़कर, कैमरा, ट्राइपॉड और सेल्फी स्टिक जैसे उपकरणों का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं परिसर के अंदर रील्स या इसी तरह के वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध है। यदि कोई पत्रकार इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, तब उस पत्रकार को एक महीने के लिए हाई सिक्योरिटी ज़ोन में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। अगर इनमें से कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है, तब संबंधित बार एसोसिएशन या राज्य बार काउंसिल अपने नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकती है। अन्य कर्मचारियों या व्यक्तियों द्वारा नियमों के उल्लंघन पर उनके विभागाध्यक्ष द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों को यह अधिकार दिया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी या वकील को हाई सिक्योरिटी ज़ोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोक सकते हैं।

बहराइच में फिर भेड़िए का आतंक : मां के साथ सो रही 3 माह की मासूम को उठा ले गया

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक बार फिर भेड़िए का आतंक शुरु हो गया है। यहां एक हफ्ते में दो घटनाएं डराने वाली हुई हैं। बीती रात एक जंगली जानवर मां के साथ सो रही तीन महीने की मासूम बच्ची को उठा ले गया। सुबह ग्रामीणों को गन्ने के खेत में बच्ची के शव के अवशेष मिले। यह घटना जिले के महसी तहसील के बहोरवा गांव की है। बता दें कि यह घटना उस इलाके में हुई, जहां दो दिन पहले एक सात साल की बच्ची भी भेड़िए का शिकार बन चुकी है। लगातार हो रहे इन हमलों से क्षेत्र में भय का माहौल है।

शिकायत करने से नाराज डीएमके नेता ने व्यक्ति को कार से कुचला, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके के एक नेता को एक व्यक्ति को अपनी कार से कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम विनयगम पलानीस्वामी बताया जा रहा है। वह तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में पंचायत अध्यक्ष हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम भी पलानीस्वामी ही है। जब वह अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी विनयगम ने उसे अपनी एसयूवी कार से कुचल दिया। शुरुआत में इसे हिट एंड रन का मामला माना जा रहा था, क्योंकि डीएमके नेता उस समय नशे में थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित परिवार को इसमें गड़बड़ी की आशंका जताई। बताया गया कि मृतक के पंचायत प्रमुख के साथ मतभेद थे। इसके बाद मामले को हत्या की जांच में बदला गया और पुलिस ने आरोपी पर शिकंजा कसा। पुलिस के मुताबिक मृतक ने एक निजी सड़क पंचायत को न सौंपे जाने की शिकायत की थी। इससे ही आरोपी भड़क गया था। मृतक पलानीस्वामी ने आरोपी विनयगम सामने कई और मुद्दे भी उठाए थे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बीते कुछ वक्त से तमिलनाडु में विपक्ष डीएमके की सरकार पर अपराध बढ़ने और कानून-व्यवस्था में गिरावट का आरोप लगा रहा है। हालांकि डीएमके ने राज्य में सबसे कम अपराध का दावा किया है।

350 साल पुराने मंदिर से चांदी के खड़ाऊं चोरी कर ले गई महिला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 350 साल पुराने दादी महाराज मंदिर में महिला ने चांदी के खड़ाऊं चोरी किए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक महिला बेहद शातिर अंदाज में मंदिर में घुसकर खड़ाऊं लेकर फरार हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना फुलेरा गांव की है। यहां सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तब उन्होंने देखा कि भगवान के चरणों में रखीं चांदी की खड़ाऊं गायब हैं। पहले सभी को लगा कि खड़ाऊं किसी ने पूजा के लिए हटाई होंगी, लेकिन जब खोजबीन के बाद भी नहीं मिलीं।

लोकतंत्र में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस जनता का विश्वास मजबूत करते हैं: लोकसभा अध्यक्ष

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के विधान सौध की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ/ कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन भारत क्षेत्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास तभी मज़बूत होगा जब संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस की परंपरा को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की संस्कृति हजारों वर्षों से हमारी परंपरा का हिस्सा रही है, जिसे हमारे संविधान ने और अधिक मज़बूती प्रदान की। उन्होंने संविधान सभा की बहसों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हर शब्द और अनुच्छेद पर गहन चर्चा हुई थी, उसी कारण हमारा संविधान समावेशी और दूरदर्शी बन सका। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत और सबसे जीवंत संविधान; ÷भारत का संविधान÷ है। हमारे संविधान निर्माताओं के प्रयासों से भारत अनेक विविधताओं के बावजूद एकजुट है।

लोक सभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सदन में अपने आचरण से गरिमा और मर्यादा बनाए रखें। हंगामे, गतिरोध और बार-बार स्थगन से लोकतंत्र को केवल आघात पहुँचता है और जनता का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि बहस और संवाद से ही समाधान निकलता है। विधानमंडलों में सत्रों की घटती संख्या, चर्चा का सीमित समय और लगातार व्यवधान पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपनी बहस की संस्कृति को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की जनता हमसे शोर नहीं, समाधान चाहती है। यदि हमारी बहस रचनात्मक होगी तो हमारे कानून बेहतर होंगे, हमारे कानून बेहतर होंगे तो शासन सशक्त होगा, और यदि शासन सशक्त होगा तो जनता का विश्वास अटूट रहेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) लगभग 180 राष्ट्रमंडल सांसदों/विधान मंडलों का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सीपीए भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। भारत सीपीए का 9वां क्षेत्र है, तथा देश के सभी 31 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखाएं भारत क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं। कर्नाटक, बेंगलुरू में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का मुख्य विषय ÷विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा - जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम÷ रखा गया है।

इस अवसर पर कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैय्या, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, तथा सीपीए इंडिया रीजन की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया। कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और सीपीए कर्नाटक शाखा के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

स्पाइसजेट विमान का पहिया उड़ान भरते ही गिरा, मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। स्पाइसजेट की कांडला-मुंबई उड़ान ने शुक्रवार को यात्रियों की सांसें रोक देने वाली स्थिति पैदा कर दी। दरअसल उड़ान भरते ही विमान का आगे का एक बाहरी पहिया रनवे पर गिर गया, जिसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर आपातकालीन अलर्ट घोषित किया गया। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से विमान सुरक्षित उतरा और सभी यात्री सकुशल विमान से उतार लिए गए। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 12 सितंबर को कांडला से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला स्पाइसजेट का क्यू400 विमान पूरी तरह सुरक्षित मुंबई में उतरा। विमान ने अपनी यात्रा जारी रखी और सुचारू रूप से लैंडिंग की। सभी यात्री सामान्य रूप से उतर गए। जानकारी के अनुसार, कांडला एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने उड़ान भरने के तुरंत बाद रनवे पर विमान से कुछ गिरते देखा। संदेह होने पर एटीसी ने तुरंत पायलट को सूचित किया और रनवे पर गिरी वस्तु को लाने के लिए टीम भेजी। बाद में रनवे से विमान का पहिया और धातु का एक हिस्सा बरामद किया गया। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले दमकल और बचाव दल को हाई अलर्ट पर रखा गया था। विमान शाम करीब 4 बजे सुरक्षित उतरा। मुंबई एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया, गंभीर खतरे की स्थिति के बावजूद विमान अपने तय कार्यक्रम के तहत टर्मिनल तक पहुंचा और सभी यात्री सुरक्षित बाहर आ गए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक पूर्व अधिकारी ने इस घटना को गंभीर करार देते हुए कहा, कि विमान के पहिए का उड़ान भरते समय उखड़ना बड़ा खतरा है। सौभाग्य से, पहिए का एक हिस्सा जुड़ा रहा, अन्यथा स्थिति भयावह हो सकती थी। इस घटना के बाद डीजीसीए ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए। अधिकारियों का कहना है कि स्पाइसजेट को अपनी विमानन सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांच को और कड़ा करना होगा।

देश में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल तरीके से होगी, लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में होने जा रही देश की जनगणना बेहद खास अंदाज में होने वाली है। ये जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और भवन तथा इमारतों की जियोटैगिंग भी की जाएगी। यह प्रक्रिया कई मायनों में खास रहने वाली है। लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। 1931 के बाद पहली बार अलग-अलग जातियों की गिनती भी होगी। साथ ही, पूरे देश में इमारतों का जियोटैग किया जाएगा जो पहले कभी जनगणना में नहीं हुआ। चलिए जानते हैं कि जियोटैगिंग क्या है और कैसे कराई जाती है।

जियोटैगिंग का काम जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशंस (एचएलओ) के दौरान होता है। अप्रैल-सितंबर 2026 में यह शुरू हो जाएगा। गणना करने वाले कर्मचारी अपने तय किए गए हाउसलिस्टिंग ब्लॉक में जाएंगे और हर इमारत को डिजिटल लेआउट मैपिंग के जरिए जियोटैग करेंगे। वे अपने स्मार्टफोन पर लोकेशन ऑन करके मोबाइल ऐप के जरिए इमारत की जानकारी दर्ज करेंगे। इस दौरान हर इमारत में मौजूद घरों और परिवारों की संख्या की जानकारी ली जाएगी। इमारतों को रहने वाली, गैर-रिहाइश, आंशिक

रूप से रहने वाली या लैंडमार्क जैसी श्रेणियों में बांटा जाएगा। जनगणना में परिवार का मतलब है वो लोग जो आमतौर पर एक साथ रहते हैं। वे एक ही रसोई से खाना खाते हैं, भले ही काम की वजह से कोई बाहर रहे। जियोटैगिंग के जरिए किसी इमारत की लोकेशन को अक्षांश और देशांतर के जरिए डिजिटल नक्शे (जीआईएस) पर मार्क करना होता है। जीआईएस यानी जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम ऐसा कंप्यूटर सिस्टम है जो धरती की सतह पर किसी जगह की जानकारी को कैप्चर करता है, उसकी जांच करता है और दिखाता है। जियोटैगिंग से हर इमारत को एक यूनिक लोकेशनल आइडेंटिटी मिलती है, जिसे आसानी से पिनपॉइंट किया जा सकता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 33.08 करोड़ इमारतें थीं जिनमें 30.61 करोड़ में लोग रहते थे और 2.46 करोड़ खाली थीं। इनमें से 22.07 करोड़ ग्रामीण इलाकों में और 11.01 करोड़ शहरी इलाकों में थीं।

क्या हाई-प्रोफाइल भगोड़ों की होने जा रही घर वापसी? भारत क्यों दे रहा जेलों में सुविधाओं का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और फरार कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश तेज हो गई है। इस कड़ी में केंद्र सरकार ने बेल्जियम प्रशासन को पत्र लिखकर आश्वासन दिया है कि प्रत्यर्पण के बाद चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा, जहां उसे साफ बिस्तर, संतुलित भोजन, व्यायाम और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी।

दरअसल, बेल्जियम और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन आरोपी के मानवाधिकारों की गारंटी देना अनिवार्य शर्त है। इसी वजह से भारत को बार-बार जेलों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत रिपोर्ट देनी पड़ रही है। इससे पहले विजय माल्या और हथियार व्यापारी संजय भंडारी जैसे मामलों में भी भारत सरकार ने ब्रिटेन को भरोसा दिलाया था कि आरोपियों को सुरक्षित और मानवीय माहौल मिलेगा। गौरतलब है कि कई भगोड़े कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेशी अदालतों में यही दलील देते हैं कि भारत की जेलें असुरक्षित हैं, वहां हिंसा और मानवाधिकार हनन का खतरा है। यूरोपीय देशों और ब्रिटेन की अदालतें इस तर्क को गंभीरता से लेती हैं। यूरोपियन कन्वेंशन ऑन ह्यूमन राइट्स साफ कहता है कि किसी आरोपी को ऐसे देश में नहीं भेजा जा सकता जहां उसे अमानवीय व्यवहार या जान का खतरा हो। यही कारण है कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अक्सर लंबी और जटिल हो जाती है।

एक जांच रिपोर्ट के अनुसार, 2002 से अब तक भारत 66 भगोड़ों को अलग-अलग देशों से वापस लाने में सफल रहा है। इनमें सबसे अधिक प्रत्यर्पण यूएई और अमेरिका से हुए हैं, जबकि यूके से केवल एक आरोपी ही लौटाया जा सका है। यही वजह है कि ब्रिटेन और यूरोपीय देशों की अदालतों को संतुष्ट करने के लिए भारत बार-बार सुरक्षा और जेल सुधारों का हवाला देता है। जुलाई में ब्रिटिश क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस की एक टीम ने दिल्ली की तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया था। टीम ने हाई सिक्योरिटी वार्ड और निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। माना जा रहा है कि यह दौरा विजय माल्या, नीरव मोदी और संजय भंडारी जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर हुआ था।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रत्यर्पण संधि होने के बावजूद हर देश अपने यहां रहने वाले व्यक्ति की सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोपरि मानता है। आरोपी को लौटाने से इनकार भी किया जा सकता है, अगर यह साबित हो जाए कि उसके साथ दुर्व्यवहार या राजनीतिक

प्रतिशोध की आशंका है। भारत सरकार के लिए अब चुनौती है कि वह विदेशी अदालतों को यह भरोसा दिला सके कि यहां की जेलों में मानवीय गरिमा, सुरक्षा और निष्पक्ष सुनवाई की पूरी गारंटी है। तभी चोकसी समेत अन्य भगोड़े आर्थिक अपराधियों की घर वापसी संभव हो पाएगी।

जब सुप्रीम कोर्ट में होने लग गई पड़ोसी देशों के हालात की चर्चा... नेपाल में क्या हो रहा है, बांग्लादेश में क्या हुआ..

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक चुनावी याचिका पर सुनवाई के दौरान पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश का ज़िक्र हुआ। मामला एक ऐसे उम्मीदवार से जुड़ा था, जिसके पास भारत के साथ-साथ नेपाल की नागरिकता होने का दावा किया गया। इसी संदर्भ में अदालत ने नागरिकता और संवैधानिक स्थिरता के महत्व पर टिप्पणी की।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कि आजकल नेपाल भी नहीं जा सकते। यह टिप्पणी नेपाल में चल रहे राजनीतिक संकट और हालिया अशांति की ओर इशारा थी। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मौजूदा हालातों को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान कहा था कि भारत को अपने संविधान पर गर्व है। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश नेपाल में क्या हो रहा है, सबको पता है। वहीं जस्टिस विक्रम नाथ ने भी इस क्रम में बांग्लादेश का उदाहरण दिया और कहा, बांग्लादेश में क्या हुआ, यह भी सब जानते हैं।

इन टिप्पणियों से स्पष्ट है कि अदालत केवल कानूनी पहलुओं पर ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों के हालात खासतौर पर राजनीतिक अस्थिरता और उनके लोकतांत्रिक ढांचे पर भी नजर बनाए हुए है। न्यायाधीशों ने अप्रत्यक्ष रूप से यह रेखांकित किया कि भारत का लोकतंत्र और संविधान अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल है।

स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए... सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक नहीं

-सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या बन गई है, जो केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई अन्य शहरों को भी प्रभावित करती है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर सुनवाई करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रदूषण नियंत्रण नीति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तब यह अधिकार देश के अन्य शहरों के नागरिकों को भी मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह पूरे देश के हर नागरिक का अधिकार है।

उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देकर कहा कि अमृतसर में भी प्रदूषण दिल्ली से बदतर था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तब यह पूरे देश में लागू होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, भंडारण और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को बदलने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत, कई शहरों ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण में इंदौर, अमरावती और देवास शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, इंदौर पहले स्थान पर रहा, जिसके बाद जबलपुर और संयुक्त रूप से आगरा और सूरत तीसरे स्थान पर रहे।

मोदी सरकार अगले साल से शहरों के वार्डों का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन करेगी, जिसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। यह दिखाता है कि वायु प्रदूषण की समस्या को हल करने के लिए सरकार और न्यायपालिका दोनों ही पूरे देश में सामूहिक प्रयास पर जोर दे रहे हैं।

कंगना के वकील को फटकारते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा... हमारा मुंह मत खुलवाइये

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को झटका देकर उनकी उस याचिका पर विचार करने से इंकार किया, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन में भाग लेने वाली महिला के बारे में उनके विवादास्पद ट्वीट के कारण उनके खिलाफ दर्ज मानहानि के मामले को रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कंगना के वकील पर तल्ख टिप्पणी कर कहा कि आपका ट्वीट कोई साधारण रिट्वीट नहीं था बल्कि आपने उसमें मसाला डाला था।

पीठ ने वकील से पूछा, अपनी टिप्पणियों के बारे में आप क्या कहते हैं? आपने इसमें मसाला डाल दिया। यह कोई साधारण रीट्वीट नहीं था। इस पर वकील ने पीठ से कहा, शिकायत दर्ज कराने से पहले ही उनका स्पष्टीकरण आ चुका था और वह मौजूद है लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया।

कंगना के वकील के तर्क पर पीठ के

जज उखड़ गए। उन्होंने कहा, आपने ट्वीट में मसाला डाला, अब आप अपने ट्वीट पर टिप्पणी करने के लिए हमें नहीं उकसाइए। इस पर हमारा मुंह मत खुलवाइए। आप इस वापस लें। क्या आप वापस लेना चाहते हैं? सबूतों की अस्वीकार्यता के कारण आपकी शिकायत खारिज की जा सकती है। इसके बाद भाजपा सांसद कंगना के वकील ने याचिका वापस ले ली।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कंगना के वकील ने दलील दी कि उन्होंने कौर के बारे में नहीं, बल्कि शाहीन बाग के एक प्रदर्शनकारी के बारे में बात की थी। वकील ने कहा, यह मामला रीट्वीट से जुड़ा है। मूल ट्वीट को ही अन्य लोगों ने कई बार रीट्वीट किया था। उन्होंने बिलकिस बानो या शाहीन बाग वाली दादी के बारे में बात की थी, न कि प्रतिवादी के बारे में। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया था, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया लेकिन पीठ इससे सहमत नहीं हुई और पीठ ने रनौत के याचिका मंजूर करने से इंकार कर दिया।

सफ्रान-डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन डील को मिल सकती है हरी झंडी

-दो सालों से चल रही है चर्चा, अब सरकार इसको लेकर हुई सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट में फ्रांस के साथ जो बात चल रही है, उसमें प्रगति होने की खबर सामने आई है। फ्रांस की जेट इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान एसए और डीआरडीओ के गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट के ज्वाइंट प्रोजेक्ट को मंजूरी के इंतजार के बीच यह जानकारी सामने आई है कि यह इंजन पूरी तरह से भारत में ही बनने वाला है। मतलब, अमेरिकी कंपनी जीई से जो काम नहीं हो पाया, उसके लिए फ्रांस की कंपनी पूरी तरह से तैयार हो गई है।

बता दें 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले से स्वदेशी जेट इंजन के विकास का आह्वान किया था। उसके बाद फ्रांस से जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, उससे यही अनुमान लगाया जा रहा है कि वह भारत से दोस्ती निभाने के लिए बड़ा कदम उठाने को तैयार है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी स्वदेशी फाइटर जेट के लिए अपने ही देश में इंजन बनाने की बात पर जोर दे चुके हैं। एचटी ने अब एक रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक सफ्रान-जीटीआरई 12 साल में फाइटर जेट इंजन के 9 प्रोटोटाइप विकसित करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शुरू में सफ्रान और जीटीआरई मिलकर 120 केएन पावर क्षमता के जेट इंजन बनाएंगे और शुरुआत से 12 साल के अंदर इसकी क्षमता बढ़ाकर 140 केएन पावर तक ले जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक यह इंजन भारत में ही बनेंगे और इसके लिए सफ्रान, डीआरडीओ को 100 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेगी। इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी भी शामिल होगी। वैसे डीआरडीओ के पास क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी है, लेकिन पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। खास बात यह है कि इस तरह से भारत में जो फाइटर जेट का इंजन बनेंगे उसका बौद्धिक संपदा अधिकार भारत के पास ही रहेगा।

सफ्रान और डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन को लेकर इस तरह की डील की चर्चा पिछले दो सालों से चल रही है, लेकिन अब सरकार इसको लेकर सक्रिय हो गई है और जल्द ही इसे हरी झंडी मिल सकती है। एएमसीए एक मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट होगा, जिसमें दो इंजन होंगे, जिसके लिए 120-140 केएन इंजन बनाए जाने हैं। एएमसीए का विकास और निर्माण निजी क्षेत्र की कंपनियां करेंगी, जिसमें योगदान देने के लिए टाटा ग्रुप, लार्सन एंड टूब्रो और अडानी डिफेंस तैयार हैं।

बता दें आज की तारीख में चीन के पास भी अपने अत्याधुनिक फाइटर जेट के लिए अपना इंजन नहीं है। वह रूसी या रिवर्स इंजीनियर्ड इंजनों के भरोसे काम

कर रहा है। सिर्फ अमेरिका, रूस, यूके और फ्रांस ने ही यह क्षमता हासिल की है। ऐसे में भारत में इस तरह का इंजन निर्माण चीन को चिढ़ा सकता है। हालांकि भारत अपनी कावेरी इंजन पर कई दशक पहले काम शुरू कर चुका है, लेकिन अभी तक इसे पूरी कामयाबी नहीं मिल सकी है।

यमुना शांत... लेकिन टेंट में रात-दिन गुजारना मुश्किल

दिल्ली। यमुना का जलस्तर सामान्य हो गया है, फिर भी लोग चिल्ला, यमुना खादर, विकास मार्ग, पुराना उस्मानपुर और गढ़ी मांडू समेत अन्य जगहों पर सड़क पर टेंट लगाकर रहे हैं। लोगों ने बताया कि अब उनके पास पर्याप्त राशन भी नहीं बचा है जो कुछ भी था वह बाढ़ में बर्बाद हो गया है। इन लोगों ने आरोप लगाया कि बाढ़ के एक-दो दिन तक सरकार की ओर से मदद की गई, लेकिन पानी कम होने के बाद प्रशासन की ओर से न के बराबर मदद की जा रही है। लोगों ने बताया कि पहले गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से यहां पर हर घंटे कुछ न कुछ मदद मिल जाती थी, लेकिन अब वह भी कम हो चुकी है। बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि यमुना का पानी कम होते ही वह अपने घरों तक गए लेकिन खाने-पीने का सारा सामान खराब हो चुका था। जो बची हुई चीजें थीं वह साथ लेकर आ गए। कोई संस्था खाने-पीने की चीजें लेकर मदद के लिए पहुंचती है, तो लंबी कतार की वजह से हर जरूरतमंद तक सामान नहीं पहुंच पाता है। लोगों ने बताया कि यहां पर कुछ लोग ऐसे भी आते हैं, जो दान करते वक्त हर एक व्यक्ति की फोटो क्लिक करते रहते हैं। वह थोड़ा सा भी कुछ देते हैं, तो वह पहले उसकी फोटो लेते हैं और वीडियो बनाते हैं। फिर उसके बाद वह लोगों की मदद करते हैं। ऐसे में लोग मदद लेते वक्त खुद को शर्मिंदा महसूस करते हैं। टेंट में रात-दिन गुजारना बहुत मुश्किल हो रहा है। किसी तरह हम लोग यहां पर रहे हैं। शुरू-शुरू में यहां कई लोग मदद के लिए आते थे, लेकिन पानी कम होने के बाद अब यहां पर लोगों ने आना कम कर दिया है। यमुना का पानी कम होते ही अपने घर गया। जाकर देखा, तो सारा सामान खराब हो चुका था। जो बचा हुआ सामान था उसे हम लोग यहां टेंट में ले आए। जब सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा, तो फिर से घर में लौट जाएंगे।

भतीजे को पाने के लिए मार डाला पति
दो साल से सगी चाची से थे संबंध

कौमी पत्रिका

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में युवक की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। यहां के बीबीनगर थाना क्षेत्र के गांव परतापुर में एक पत्नी ने ही अपने सगे भतीजे के साथ मिलकर पति की हत्या कर डाली। आठ सितंबर की रात को हुई ओमपाल की मौत के तब नया मोड़ ले लिया, जब उनकी भतीजी ने दो दिन बाद बुधवार को परिजनों से कहा कि चाचा की हत्या चाची और ताऊ के बेटे ने मिलकर की है। जिसके बाद मृतक ओमपाल के भाई ने थाने पर मृतक की पत्नी व बड़े भाई के पुत्र के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने दोनों नामजद को जब हिरासत में लिया तो उन्होंने हत्या करने की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उनके बीच दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसलिए वह दोनों अब साथ रहना चाहते थे। लेकिन, ओमपाल इसका विरोध करता था। इसी के चलते आठ सितंबर की रात को ओमपाल के सोते ही उन्होंने वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त चुन्नी को बरामद किया है। साथ ही पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गांव परतापुर निवासी करन सिंह ने बताया कि उनका भाई 40 वर्षीय ओमपाल पिक मजदूरी कर अपना व परिवार का पालन पोषण करता था। उनका भाई उनके पड़ोस में ही पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। गत आठ सितंबर को ओमपाल अपने घर पर खाना खाकर सोया था, सुबह उनके न उठने पर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इसे स्वाभाविक व दिल का दौरा पड़ने से मौत होना समझकर अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस को भी सूचना नहीं दी गई और शव का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया। लेकिन, चाचा की मौत के बाद से करन सिंह की 12 वर्षीय पुत्री गुमसुम रहने लगी। बुधवार को जब परिजनों ने उससे गुमसुम रहने का कारण पूछा तो उसने कहा कि ओमपाल चाचा की हत्या की गई है। बच्ची ने बताया कि घटना वाली रात वह भी ओमपाल चाचा के घर पर ही सोने के लिए गई थी। देर रात में जब उसकी आंख खुली तो देखा कि उसकी चाची प्रीति ने चाचा ओमपाल के हाथ पकड़े हुए थे और ताऊ के बेटे अभय (जो खुद ओमपाल का ही सगा भतीजा है) ने चाचा का चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। दोनों को लगा था कि बच्ची सो रही है, लेकिन वह सब देख रही थी। यह मामला सामने आते ही करन सिंह व परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल थाना पुलिस को मामले की सूचना दी। जिस पर थाना पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

हत्यारोपी जेठानी गिरफ्तार: पति और देवर संग मिलकर देवरानी की जान ली

नई दिल्ली। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी (50) के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नाम की महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्या फरार हो गई। लोकल पुलिस के अलावा अपराध शाखा की टीम को उसकी तलाश में लगाया गया। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। इंस्पेक्टर उमेश राणा व अन्यों की टीम ने उसकी लोकेशन का पता किया। बाद में कौशल्या को गांधी नगर से दबोच लिया। वह एक सिलाई की फैक्टरी में मजूदरी कर रही थी। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

बरेली में उद्योग जगत का महाकुंभ, एमएसएमई के विकास और चुनौतियों पर होगा मंथन

बरेली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। रोजगार सृजन, उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने में इनकी अहम भूमिका है। देश में नवाचार से औद्योगिक विकास और संभावित चुनौतियों पर मंथन के लिए शुक्रवार को बरेली के अर्बन हाट ऑडिटोरियम में अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव के शुभारंभ से पहले वीडियो के जरिए अखबार का महत्व बताया गया। उन लोगों की कहानी दिखाई गई, जिन्होंने विपरीत हालात में संघर्ष कर सफलता का मुकाम पाया। जिसमें अखबार का अहम रोल रहा। एमएसएमई सेक्टर में बरेली का विशेष योगदान है। यहां जारी-जरदोजी कढ़ाई, कैन फर्नीचर और बांस वर्क्स का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। यह क्षेत्र अपनी पारंपरिक हस्तशिल्प कला के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। सरकारी सहयोग के अंतर्गत ओडीओपी (जारी-जरदोजी) और हस्तशिल्प क्लस्टर के माध्यम से स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विशेष ध्यान 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना पर रहेगा, जिसके तहत हर जिले के खास उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का लक्ष्य है। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश का बरेली जिला विशेष महत्व रखता है। कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे उपाय तलाशना है, जिससे बरेली जैसे जिलों के एमएसएमई अपने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मंच पर मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित कर सकें। इस कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ भविष्य की फंडिंग व्यवस्था, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की नई रणनीतियों, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती तकनीकों और नवाचारी वित्तीय विकल्पों पर गहराई से चर्चा करेंगे। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और भारतीय एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के उपाय भी एजेंडे का हिस्सा होंगे। तीसरे सत्र में स्थानीय चुनौतियों और अवसर पर विमर्श होगा। इसमें राजेश गुप्ता (प्रेसिडेंट, चेंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्री समिति), राजीव सिंघल (प्रेसिडेंट, चेंबर ऑफ कॉमर्स वेलफेयर एसोसिएशन), आशुतोष शर्मा (प्रेसिडेंट, लघु भारतीय उद्योग) और मयूर धीरवानी (प्रेसिडेंट, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) शामिल होंगे। इस सत्र में स्वस्थ्य सेक्टर की समस्याओं जैसे वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी उन्नयन, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के अवसर, तथा नीतिगत सुधारों पर गहन चर्चा की जाएगी।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार की मौत

नई दिल्ली। यूपी के हापुड़ स्थित बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सरावनी में स्कॉर्पियों कार की टक्कर से ई-रिक्शा चालक इस्लामुद्दीन (55 वर्ष) पुत्र शराफत अली की मौत हो गई। गुस्साई भीड़ ने शव को सड़क पर रख जाम लगा दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर, शांत कराया। इसी बीच उपद्रवियों ने कार को आग लगा दी। तभी तीन थानों की पुलिस ने पहुंचकर, किसी तरह मामले को शांत कराया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार गांव सरावनी निवासी इस्लामुद्दीन ई-रिक्शा चलाता है। रविवार को वह अपनी ई-रिक्शा लेकर जैसे ही गांव के पास पहुंचा तो एक कार की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई और ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस्लामुद्दीन की मौत की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने हापुड़ किठौर मार्ग पर शव को रखकर जाम लगा गया। जाम लगते ही वाहनों की कतार लग गई। ग्रामीणों का कहना था कि गांव के ठेके पर शराब पीने वालों की भीड़ लगी रहती है और वह गलत तरीके से वाहन चलाकर यहां से गुजरते है और हादसे होते है। आरोप है कि कार सवार ने भी शराब का सेवन किया था। जाम की सूचना मिलने पर बाबूगढ़ थाना प्रभारी महेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने शराब का ठेका हटवाने और कार चालक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी बीच उपद्रवियों ने आरोपी की कार में आग लगा दी। कुछ ही देर में कार धूं धूं कर जलने लगी। इससे मौके पर मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। इस मामले की सूचना मिलते ही तहसीलदार स्वाति गुप्ता, सीओ वरुण मिश्रा, सिंभावली थाना प्रभारी सुमित तोमर, हापुड़ देहात थाना प्रभारी विजय गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया। दमकल विभाग की टीम ने कार में लगी आग पर काबू पाया। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि ग्रामीणों को समझाकर मामला शांत करा दिया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर, पूछताछ की जा रही है। गांव का माहौल शांत है।

रामलीला शोभा यात्रा के मार्ग की सड़कों की बदहाली पर चिंता जताई

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक मुगलकालीन रामलीला की शोभा यात्रा के मार्ग की जर्जर सड़क को लेकर चांदनी चौक नागरिक मंच के महासचिव एवं भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने चिंता जताई है। आरोप लगाया है कि स्थानीय आप विधायकों और पार्षदों की लापरवाही जर्जर सड़कों पर झांकियों का निकलना मुश्किल हो जाएगा। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि मटिया महल के विधायक इमरान हुसैन और बल्लीमारन के विधायक आले मोहम्मद इकबाल समेत उनके पार्षद लगातार कुछ खास इलाकों की उपेक्षा कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पिछले पांच साल से नई सड़क, खारी बावली, चावड़ी बाजार और हौज काजी जैसी जगहों की सड़कों का कोई रखरखाव नहीं किया गया। मानसून की बारिश के बाद हालात और भी खराब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि साइकिल मार्केट स्थित श्रीराम मंदिर से निकलकर दरीबा, चांदनी चौक, नई सड़क, चावड़ी बाजार, हौज काजी और अजमेरी गेट होते हुए रामलीला मैदान तक जाने वाले इस परम्परागत मार्ग पर गड्ढों और टूटे हिस्सों के कारण शोभा यात्रा निकालने पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। कपूर ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, महापौर राजा इकबाल सिंह और सांसद प्रवीन खंडेलवाल से अपील की है कि 21 सितम्बर तक शोभा यात्रा के पूरे मार्ग की सड़कों की मरम्मत करवाई जाए।

जिला कारागार से सजायाफ्ता मुजरिम का वीडियो वायरल, स्याना हिंसा मामले में सात साल की हुई थी सजा

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जिला जेल परिसर में सजायाफ्ता मुजरिम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें युवक की जीन्स की पॉकेट में मोबाइल भी रखा हुआ नजर आ रहा है। वीडियो में दिख रहा युवक स्याना हिंसा का दोषी सतेंद्र बताया जा रहा है। वीडियो में युवक चश्मा, सोने की रिंग, जीन्स और सफेद शर्ट पहने हुए दिख रहा है। 1 अगस्त को स्याना हिंसा मामले में कोर्ट ने 38 लोगों पर सजा का एलान किया था। मामले में दोषी ठहराए गए सतेंद्र प्रधान लौंगा को भी 7 साल की सजा सुनाई गई थी। 3 दिसंबर 2018 को स्याना हिंसा के दौरान इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की हत्या कर दी गई थी। हिंसा में पुलिस चौकी आग के हवाले कर दी गई थी और कई वाहन फूंक दिए गए थे।

कार रोकने पर चालक ने ट्रैफिक सिपाही को मारा पत्थर, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र स्थित अहिंसाखंड दो लाल बत्ती के पास ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक कर्मी शशिकांत शर्मा को एक कार चालक ने पत्थर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद गाड़ी लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैफिक सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी कर कार चालक को ट्रेस किया। कार चालक इंदिरापुरम निवासी गौरव चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 11 सितंबर की शाम का है, जब ट्रैफिक सिपाही ने गलत दिशा से आ रही कार को रोकने का प्रयास किया था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

साइबर ठगों को उपलब्ध करा रहे थे म्यूल अकाउंट, यूपी एसटीएफ ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। बीती रात थाना विजयनगर क्षेत्र में साइबर फ्रॉड के लिए म्यूल अकाउंट कमीशन पर उपलब्ध कराने वाले एक बड़े गैंग का खुलासा यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट द्वारा किया गया है। इनके पास से सौ से अधिक अकाउंट्स की डिटेल्स मिली है जिनपर बहुत सारी साइबर फ्रॉड की शिकायत हो चुकी है। इन म्यूल अकाउंट्स को उपलब्ध करने में बिहार के बंधन बैंक और एचडीएफसी बैंक के कुछ कर्मचारियों की भी मिली भगत प्रकाश में आई है। इसके अलावा ये गैंग बड़े नोट्स के बदले ज्यादा अमाउंट में छोटे नोट्स देने का लालच देकर उनको रद्दी देकर ठगी का एक बड़ा गैंग चला रहे थे, जिसके शिकार पूरे भारत के लोग हो रहे थे। इनके पास से 25.6 लाख कैश, नोट गिनने की मशीन, कूट रचित आधार और अन्य दस्तावेज बरामद हुए है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री ईश्वर दत्त पुत्र स्व0 श्री रिसाल सिंह एवं श्रीमती बीरमती, पत्नी श्री ईश्वर दत्त निवासी मकान न0 आर.जेड.-112ए, यमनोत्री एन्क्लेव, गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 ने अपने पुत्र राहुल एवं पुत्रवधु प्रियंका पत्नी राहुल को उनके अभद्र व्यवहार से घर का माहौल बिगाड़ने व अनियंत्रित होने के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उन लोगों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में यदि उनसे कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा एवं उनके किये गये किसी भी कार्य के लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नही है और ना ही भविष्य में होगें।

प्रदीप कुमार जांगड़ा अधिवक्ता
Ch. No. 211, CIVIL COURTS
BAHADURGARH HARYANA

NAME CHANGE

I, NAVNEET MAHESHWARI S/O MANU MAHESHWARI R/O 1/7744, ST NO. 2, EAST GORAKH PARK, SHAHDARA, DELHI - 110032, I HAVE CHANGED MY NAME FROM NAVNEET TO NAVNEET MAHESHWARI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, No. 14882507H Rank-SEP/MT Name-SUNIL PATIL Presently residing at VILL-CHANDGAD, PO-KHANGAON, TEH+DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-590016, have changed my father's name from ASHOK to ASHOK CHOUDAPPA PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14882507H Rank-SEP/MT Name-SUNIL PATIL Presently residing at VILL-CHANDGAD, PO-KHANGAON, TEH+DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-590016, have changed my mother's name from KALPANA to KALPANA A PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRAMILA Wife of No. 14830478K Rank-HAV/MT Name-PRADEEP KUMAR Presently residing at VPO-NIMEJ, TEH-DUMRAOM, DIST-BUXAR, BIHAR-802130, have changed my name from PRAMILA to PRAMILA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NEERAJ AASHTA S/O RAVINDER AASHTA residing at H NO-B-16, KOTLA FEROZ SHAH, VIKRAM NAGAR, DARYA GANJ, DELHI-110002, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as NEERAJ ASTHA and MONIKA ASTHA in my minor Daughter KASHISH AASHTA, aged 15 years in her School Record. The actual name of mine and my wife are NEERAJ AASHTA and MONIKA AASHTA, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

It is for general information that I, NEERAJ AASHTA S/O RAVINDER AASHTA residing at H NO-B-16, KOTLA FEROZ SHAH, VIKRAM NAGAR, DARYA GANJ, DELHI-110002, declare that name of mine and my wife and my minor son have been wrongly written as NEERAJ ASTHA and MONIKA ASTHA and KSHITIJ ASTHA in my minor son KSHITIJ AASHTA, aged 13 years in his School Record. The actual name of mine and my wife and my minor son are NEERAJ AASHTA and MONIKA AASHTA and KSHITIJ AASHTA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I, Pranjali Singh D/o Prateek Singh R/o Civitech Sampriti ho-603, Sector-77, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as Shakti Singh.

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल गिरीश कुमार और रविता शर्मा पत्नी गिरीश कुमार निवासी मकान न0-8, ए. गली न0-3, सी, खसरा न0 24/12/12, गोयला विहार, गोयला खुर्द, नई दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र दिवयांश उम्र 32 साल पुत्र गिरीश कुमार को उनके अवज्ञाकारी एंव उद्दण्ड स्वभाव होने के कारण तथा मेरे मुवक्किल से लड़ाई झगडा, बदत्तमीजी, मार-पिटाई और गाली-गलौज के कारण मेरे मुवक्किल उनसे संबंध-विच्छेद कर, अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरी मुवक्किल गिरीश कुमार और रविता शर्मा पत्नी गिरीश कुमार किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार उत्तरदायी नहीं होंगे। अगर पुत्र दिवयांश उम्र 32 साल पुत्र गिरीश कुमार किसी से कर्ज लेते है या गैर कानूनी कार्यों में लिप्त होते है तो उसका जिम्मेदार उत्तरदायित्व वह स्वयं होंगे ।

PRAMOD KUMAR ADVOCATE
RZF-902/1, RAJ NAGAR PART-1,
PALAM COLONY NEW DELHI

NAME CHANGE

I, VIDHIKA BATRA MALIK W/O MOHIT LUTHRA, RESIDING AT H NO-6, GROUND FLOOR, ANAND LOK, SADIQ NAGAR, ANDREWSGANJ, DELHI- 110049.HAVE CHANGED MY NAME TO VIDHIKA LUTHRA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं गौतम सिंह राणा पुत्र श्री धर्मवीर सिंह, निवासी, 307, कंदौला, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 245301, एक आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 135 वर्ग गज, खसरा संख्या 529, स्थित ग्राम खेड़ा देहात, परगना डासना, तहसील धौलाना, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश, का मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 15.06.2022, क्रमांक 6900, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 5314, पेज 61/76, सब रजिस्ट्रार, धौलाना, द्वारा मालिक व काबिज हूं। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित प्रॉपर्टी का पूर्व का दस्तावेज आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 19.01.2021, क्रमांक 708, जिल्द संख्या 4457, पेज 195/220 और ओरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 19.01.2021, क्रमांक 709, जिल्द संख्या 4457, पेज 221/246, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट ऑनलाइन थाना क्राइम ब्रांच दिल्ली , एल ए आर नंबर 3186582/2025, दिनांक 07.09.2025, को दर्ज है।

गौतम सिंह राणा
कंदौला, गाजियाबाद।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PRADHYUMN SINGH MEENA S/O RAMHET MEENA* R/O RZB-250/6, ?? ??-79/17-18, NIHAL VIHAR, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi -110041, declare that name of mine has been wrongly written as PRADYUMN SINGH in my minor son namely MOHINDER SINGH aged 15 years in his school record the actual name of mine is PRADHYUMN SINGH MEENA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pravin Kumar Makkar S/O Jetha Nand Makkar, R/O OPP. VENKTESWAR COLLAGE, HOUSE NO. 41, FIRST FLOOR, SATYA NIKETAN MOTI BAGH II, South West Delhi, Delhi-110021,declare that name of mine has been wrongly written as Parveen Makkar in my minor son namely Gatik Makkar aged 14 years in his school record. The actual name of mine is Pravin Kumar Makkar,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Dataram alias DAYA RAM SINGH S/O Kishan Lal, R/O Tikuriya, Abhaypura, Kasganj, Uttar Pradesh - 207241, have changed my name and shall hereafter be known as DAYA RAM SINGH

NAME CHANGE

I hitherto known as Ravinandan Singh S/O, Narayan Singh, R/O 1572, 53-d, Molarband, Molarband Extr., MOLAR BAND, South Delhi, Delhi - 110044, have changed my name and shall hereafter be known as Anil Kumar Singh.

NAME CHANGE

I, Kumari Priyanka W/o Anil Kumar, R/o RZF-1068 Flat no-302 Guru Nanak Marg Near Sumit dairy Raj Nagar Part-2 Palam Colony Delhi 110077, declare that Manas Chaudhary (DOB 19.03.2011) is my Son, in his birth certificate & hospital records, my name (Child's Mother Name) is erroneously mentioned as Priyanka whereas my correct name is Kumari Priyanka.Kumari Priyanka and Priyanka is one and same person.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) that Smt. Jabibon Khatoon is claiming to be the owner of Property bearing No. 1-16/271, area measuring 50 sq. yds. situated at Pyare Lal Road Bapa Nagar, Karol Bagh New Delhi, vide Regd. GPA, ATS and will dated 25.10.2011 executed by Mr. Surjit Singh. All persons are hereby informed that above owner wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

For Kumar & Associates Advocates & Consultants)
200, Second Floors, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com, 011-41112527-28

NAME CHANGE

I, KAVITA PRIYAL BISHT, W/O PRIYAL BISHT, R/O FLAT-1B, TOWER-B, CENTRAL PARK RESORT, SUBHASH CHOWK, SECTOR-48, GURGOAN, HARYANA-122018, HAVE CHANGED MY NAME TO KAVITA BISHT FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, RAJMUNI Wife of No. 14845276A Rank-NK/MT Name-RAJ KUMAR Presently residing at VPO-AMIYAWAR, TEH-BIKRAM GANJ, DIST-ROHTASH, BIHAR-821310, have changed my name from RAJMUNI to RAJ MUNI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14882491H Rank-SEP/MT Name-ASHOK LALAGE Presently residing at VPO-UCHAGAON, TEH+DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591128, have changed my mother's name from LATA to LATA ASHOK LALAGE for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-678709M Rank-NB SUB/MT Name-ANUJ KUMAR CHATURVEDEE S/o RAM NARESH CHATURVEDI Presently residing at VILL-BIRHULI, PO-BADKHAR, TEH-RAGHURAJ NAGAR, DIST-SATNA, MADHYA PRADESH-485001, have changed my name from ANUJ KUMAR CHATURVEDEE to ANUJ KUMAR CHATURVEDI for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Lorik Yadav S/o Late Shri Sakhi Chand Yadav is the owner of Freehold Residential Built-Up Property Bearing No. TA-59, Land area measuring 50 sq. yard., & Property Bearing No. TA-49, Land area measuring 100 sq. yard., & Property Bearing No. TA-58, Land area measuring 43 sq. yard., part of (GSDL Khasra No. 485, 488 & 489) Situated in the area of Village Tuglakabad Extn., New Delhi. by virtue of Relinquishment Deeds dated 17.03.2011 duly registered in the office of V New Delhi/ Delhi, as Doc no. 4632, Book no. 1, Vol no. 11022, Pages 95-98, dated 17.03.2011., in the Chain Document below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Sakhi Chand Yadav., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mohd. Yaseen and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010. Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I NISHA D/O BHAGWAN DASS W/O AMIT KUMAR R/O House No-9d P Extension-1 Mohangarden Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as NISHA KUMARI in my all educational documents and service record. The actual name of mine is NISHA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, K KUPPAMMA Mother of No-2612198A Rank-CHM Name- K DEVARAJ Presently residing at VILL-PAIPALYAM, PO-VASANADU, TEHSIL-KUPPAM, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517425, have changed my name from K KUPPAMMA to KUPPAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-2612198A Rank-CHM Name- K DEVARAJ Presently residing at VILL-PAIPALYAM, PO-VASANADU, TEHSIL-KUPPAM, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517425, have changed my minor daughter's name from D PURNIKA to D POORNIKA for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, TERASA YADAV Mother of No-17040081M Rank-SEP Name-UPENDRA YADAV Residing at MARWATIYA WARD NO-3, VPO-BANSGAON, TEHSIL-BANSGAON, DISTT-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273403, have changed my name from TERASA YADAV to TERSA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री वेगराज पुत्र श्री राम शरण, निवासी मिलक दुहाई, एचएलएम कॉलेज, पोस्ट सेंटली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय प्लाट संख्या 48ए, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 29, स्थित सूर्या गार्डन फेस 3, ग्राम दुहाई, परगना जलालाबाद, तहसील जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1425-1430 के द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुविकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती प्रियंका पत्नी श्री मोनू को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद अनवर पुत्र स्वर्गीय श्री अब्दुल हाजीज, मोहल्ला कस्सावान, डासना गेट, गाजियाबाद, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित मकान संख्या 123 और पुराने नंबर 122 के क्षेत्रफल 68.97 वर्ग मीटर के मालिक हैं। उपहार विलेख दिनांक 10/11/2022 के अनुसार (1) मोहम्मद शकील पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज, (2) श्री जमील पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज और (3) मोहम्मद चांद पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज द्वारा मोहम्मद अनवर पुत्र स्वर्गीय श्री अब्दुल हाजीज के पक्ष में 1/3 मकान संबंध में शेयर निष्पादित किया गया। छ्रश्ष. ह्रश. 12246, खंड संख्या 19454, एसआर- I Ghaziabad, श्री जगदीश लाल, श्री श्याम सुंदर, श्री चुन्नी लाल, श्री सोहन लाल, श्री चंद्र प्रकाश और श्री भूषण लाल द्वारा श्री अजीज के पक्ष में दिनांक 01/02/1988 को बिक्री विलेख निष्पादित किया गया। दस्तावेज़ संख्या 1497/1498. जिनकी मृत्यु उनके कानूनी उत्तराधिकारियों (1) मोहम्मद शकील पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज, (2) श्री जमील पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज, (3) मोहम्मद चांद पुत्र स्वर्गीय श्री हाजी अजीज और (4) मोहम्मद अनवर को छोड़कर हुई। बाद में दिनांक 10/11/2022 को उपहार विलेख हमारे उपर्युक्त ग्राहक के पक्ष में निष्पादित किया जाता है, जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को गिरवी रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या किसी का उक्त संपत्ति पर दावा, अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 12/9/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पंकज तलवार पुत्र** जगदीश तलवार **निवासी**: म.नं. 1538, सैक्टर-5, वसुंधरा, गाज़ियाबाद, (यू.पी.) एवं दूसरा निवासः जिगर कॉलोनी, दमदमी, मुरादाबाद, (यू.पी.) ने **FIR No. 109/21 दिनांक 25.03.2021 U/s 420/120B IPC थानाः मोती नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **पंकज तलवार** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पंकज तलवार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 109/21 दिनांक 25.03.2021 U/s 420/120B IPC थानाः मोती नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पंकज तलवार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंशुल सिंघल
जेएमएफसी-04
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10695/WD/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, ASAD son of HAJI YUNUS residing at H NO- 122, DILDAR NAGAR, HAZRAT NIZAMUDDIN, DELHI-110013 have changed my name to ASAD YUNUS for all future purpose.

NAME CHANGE

I, BAPU is legally father of JC No.462948N Rank-NB/SUB Name-SURESH HEDDURE, R/O Near Ganesh Temple, Yadur, Yadur, Belagavi, Karnataka, Pin -591213, have changed my name from BAPU to BAPU HEDDURE for future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 07/11/1955 instead of 01/01/1948.Vide affidavit dated 12/09/2025 before , Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री मनोज कुमार पुत्र स्व0 श्री बुधराम निवासी मकान न0 112C गांव खेड़ा डाबर पश्चिमी दिल्ली 110073 ने अपने पुत्र रोहित कुमार पुत्र श्री मनोज कुमार को उनके अभद्र व्यवहार से घर का माहौल बिगाड़ने व अनियंत्रित होने के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उन लोगों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में यदि उनसे कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा एवं उनके किये गये किसी भी कार्य के लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नही है और ना ही भविष्य में होगें।

आशीष अधिवक्ता
Ch. No. 847, Dwarka court complex
lawyers block Dwarka sec 10
New Delhi 110075

NAME CHANGE

I, MARY KUTTY mother of No-15419979M, Rank-NK, Name-BINOY KV residing at KAITHAMATTATHIL, THALIPPARA, UDAYAGIRI-P.O, ALAKODE, DISTT-KANNUR, KERALA-670571, have changed my name from MARY KUTTY to MARYKUTTY VARGHESE for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15671120M Rank-HAV Name-SHASHI KUMAR residing at VILL-RAMPURA, PO-KANTI, TEHSIL-NARNAUL, DIST-MAHENDRAGARH, HARYANA-123021, have changed my minor son's name from VISHAL SHARMA to VISHAL for all future purposes vide affidavit dated 12/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJASWARI Mother of JC-671496F Rank-SUB Name-MISHRA SANTOSH KUMAR BRIJNATH Presently residing at HOUSE NO-218, VILL-PURE JORAI MISHRA, PO-ICHHOI, TEHSIL-MILKIPUR, DISTT-AYODHYA, UTTAR PRADESH-224121, have changed my name from RAJASWARI to SHIV KALA MISHRA for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 08/11/1953 vide Affidavit No. IN-DL53664026730917X dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SAROJ MISHRA Wife of JC-671496F Rank-SUB Name-MISHRA SANTOSH KUMAR BRIJNATH Presently residing at VILL-PURE VINDHYA PANDEY, PO-ISAULI BHARI, TEHSIL-MILKIPUR, DISTT-AYODHYA, UTTAR PRADESH-234229, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/07/1978 instead of my correct date of birth as 07/04/1978 vide Affidavit No. IN-DL53677603805051X dated 12/09/2025 before Notary Public, Delhi

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बहादुरगढ़ के एसडीएम ने खेतों में जलभराव का किया निरीक्षण

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ के एसडीएम नसीब कुमार ने बहादुरगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर खेतों में हुए जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों और सरपंचों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लडरावण, कुलासी, आसौदा, दहकोरा, रोहद में जलभराव का जायजा लेते हुए मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि खेतों से पानी की निकासी के लिए तुरंत पंपिंग सेट और अन्य संसाधन लगाए जाएं, ताकि किसानों की फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। एसडीएम ने कहा कि हरियाणा सरकार जलभराव से प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार के स्तर पर किसानों को राहत प्रदान करने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसान क्षतिपूर्ति पोर्टल पर फसल खराबे का ब्यौरा दर्ज कराए ताकि उन्होंने उचित मुआवजा दिया जा सके। एसडीएम नसीब कुमार ने यह भी कहा कि जिन इलाकों में जल निकासी की समस्या बार-बार होती है, वहां स्थायी समाधान की दिशा में योजनाएं बनाई जाएंगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि किसी भी परेशानी की सूचना तुरंत प्रशासन तक पहुंचाएं, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

हरियाणा के पूर्व डीजीपी बने हिपा के महानिदेशक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मनोज यादव को हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (हिपा), गुरुग्राम का महानिदेशक नियुक्त किया है। बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए। मनोज यादव 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और वे मौजूदा डीजीपी शत्रुजीत कपूर से पहले राज्य के पुलिस प्रमुख रहे। डीजीपी पद से हटने के बाद वे केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। अब सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें हरियाणा सरकार ने एक अहम जिम्मेदारी सौंपी है। डीजीपी रहते समय मनोज यादव और तत्कालीन गृह मंत्री अनिल विज के बीच कई मुद्दों पर मतभेद सार्वजनिक हुए थे। पुलिस कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था को लेकर उस दौर में सरकार के भीतर खींचतान की स्थिति बनी थी। हालांकि, बाद में मनोज यादव ने केंद्र में सेवाएं दीं और अब उन्हें राज्य के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान हिपा का नेतृत्व सौंपा है।हिपा में आईएएस, एचसीएस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस संस्था का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। माना जा रहा है कि मनोज यादव के अनुभव से हिपा की कार्यप्रणाली और मजबूत होगी।

सुबह की सैर के लिए निकले युवक की हाइवा की टक्कर से मौत

झज्जर। गांव कानोंदा में हाईवा ट्रक की टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आगामी कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया गया है। मृतक की पहचान गांव कानौंदा निवासी विक्की के तौर पर हुई है। गांव कानोंदा का विक्की अपने भाई बादल के साथ रोजाना की तरह सैर के लिए निकला था। दोनों गांव की फिरनी पर पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक हाईवा ने विक्की को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि विक्की सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका भाई बादल तुरंत उसे उठाकर अस्पताल ले गयाए लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई बादल की शिकायत पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। मृतक विक्की पेशे से प्लंबर था और अपने परिवार का पालन.पोषण करता था। उसके घर में पत्नी और दो छोटे.छोटे बच्चे हैं। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

जींद। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा ने मांगों को लेकर सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली को ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान विकास कुमार, जिला मंत्री संदीप, सोनू बूरा, राममेहर, फूल कुमार, रामकली, कविता ने कहा कि उनकी भिवानी की डेपुटेशन रद्द की जाए। जिन कर्मचारियों की डेपुटेशन भिवानी की गई है, उन्हें न तो टीए और न ही डीए दिया जाता है। इस कारण कर्मचारियों का आधे से ज्यादा वेतन आने-जाने में खर्च हो जाता है। इससे परिवार का पालन पोषण करने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सभी कर्मचारियों की डेपुटेशन रद्द की जाए। उन्होंने यह मांग भी की कि एसओपी जारी कर स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी एचकेआरएन कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 के अंतर्गत लाया जाए। पांच वर्ष से कम अनुभव वाले कर्मचारियों को भी अधिनियम में शामिल किया जाए। आईटीआई व डिप्लोमाधारी तकनीकी कर्मचारियों को लेवल 1-2 से लेवल तीन में शामिल किया जाए।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने जलभराव से प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को किया रवाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने वीरवार को हरियाणा राजभवन से भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा द्वारा राहत सामग्री से भरे 5 ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री हरियाणा के सिरसा, कैथल, अंबाला व फतेहाबाद जिलों के लिए भेजी गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह राहत सामग्री उन क्षेत्रों के लिए भेजी गई है, जहां भारी वर्षा और जलभराव के कारण लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है। यह पहल प्रभावित लोगों को त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, ताकि उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और उनके जीवन को सामान्य करने में मदद मिले। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में जलभराव से प्रभावित लोगों और

किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया गया है, जहां नागरिक अपने नुकसान का विवरण दर्ज कर मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस पोर्टल का उपयोग करें और अपनी समस्याओं को दर्ज करें।उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की इस मानवीय पहल की सराहना की और सभी स्वयंसेवकों व दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस राहत कार्य में योगदान दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डी.के. बेहरा, एडीसी मोहन कृष्णा, वरिष्ठ निजी सचिव जगन नाथ बैंस, निजी सहायक राहुल डागर, शंखा चटर्जी व राजभवन के अन्य अधिकारियों के साथ रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी, महासचिव महेश जोशी, संयुक्त सचिव अनिल जोशी व संस्था के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट ने खारिज की पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर की गिरफ्तारी को अवैध बताने वाली याचिका

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर द्वारा गिरफ्तारी के विरूद्ध दायर याचिका को खारिज कर दिया है। माहिरा ग्रुप से जुड़े कथित मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार छौक्कर ने दलील दी कि ईडी ने उन्हें गैर-कानूनी तरीके से दिल्ली के एक होटल से पकड़ा और मारपीट की। अदालत ने इन दलीलों को अस्वीकार कर दिया। जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने कहा कि छौक्कर की गिरफ्तारी नियमानुसार विधिवत रूप से की गई है। कोर्ट ने माना कि गिरफ्तारी से पहले ईडी अधिकारियों ने 'ग्राउंड्स आफ अरेस्ट' और 'रीजन्स टू बिलीव' लिखित रूप में दर्ज किए और आवश्यक दस्तावेज आरोपित को सौंपे। गिरफ्तारी के आदेश और संबंधित मेमो को विशेष न्यायाधीश को भी अग्रेषित किया गया। ईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि माहिरा इन्फ्राटेक और अन्य कंपनियों के माध्यम से छौक्कर व उनके परिवार ने लगभग 363 करोड़ रुपये घर के खरीददारों से वसूले, जिन्हें प्रोजेक्ट निर्माण में लगाने की बजाय व्यक्तिगत खर्चों, संपत्तियों की खरीद और अन्य कार्यों में मोड़ दिया गया। जब घर खरीदारों को समय पर फ्लैट नहीं मिले तो कई एफआईआर दर्ज हुईं। इन्हीं को आधार बनाकर ईडी ने वर्ष 2021 में जांच शुरू की। छौक्कर को चार मई 2025 की रात दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और कथित मनी लांड्रिंग की जांच के लिए आरोपित से कस्टोडियल इंटरोगेशन (हिरासत में पूछताछ) आवश्यक है।

हर केस व शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित किया जाए : शशांक सावन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अनुसंधान अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक केस और शिकायत का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन सदर थाना के निरीक्षण के बाद निर्देश दे रहे थे। उन्होंने थाना परिसर, रिकॉर्ड में दर्ज अभियोगों व शिकायतों, मालखाना तथा साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया और थाने में तैनात अनुसंधान अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों व शिकायतों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय नागरिकों से भी भेंट की और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना। इस पर स्थानीय निवासियों ने थाना क्षेत्र में नशे पर लगाम लगाने, सुरक्षा के लिए विशेष गश्त निगरानी और छोटे मोटे विवादों के तुरंत निपटान करने के बारे कहा। इस पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें विश्वास दिलाया कि पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा व सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही कानून-व्यवस्था मजबूत होगी। पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालो पर और अधिक

प्रभावशाली कार्रवाई की जाएगी, अगर उन्हें नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालो या नशा करने वाले के बारे जानकारी हो तो पुलिस को सूचित करें।पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि थाना स्तर पर आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता के साथ सौहार्दपूर्ण और संवेदनशील व्यवहार किया जाए। साथ ही थाना परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस की छवि जनता की नजरों में उनके व्यवहार और कार्यशैली से बनती है। इसलिए हर कर्मचारी को ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि जनता को सुरक्षा और न्याय का वास्तविक अहसास हो।

मातृशक्ति ही घर, समाज और देश की असली नींवः डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश विस्तारित कार्य समिति की बैठक करनाल स्थित मंगल ऑडोटोरियम के सभागार में हुई। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली व हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद् की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों से महिला मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ वंदे मातरम के गीत से हुआ। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी मातृशक्ति ही समाज, घर और देश की असली नींव है। हमारी मातृशक्ति ही सनातन समाज को जोड़े रखती है और घर से लेकर देश की अर्थव्यवस्था और राजनीति भी उन्हीं पर टिकी है। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई जैसी वीरांगनाओं और अंतरिक्ष वैज्ञानिक कल्पना चावला का भी स्मरण किया, जिन्होंने अपने-

अपने क्षेत्रों में देश का नाम रोशन किया। डा. पूनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की असुरक्षा और समस्याओं को दूर करने के लिए मोदी सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर भारत के अभियान में सहयोग देने का आग्रह किया। डा. पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी ने छोटी-छोटी चीजों में भी विदेशी सामान की बजाय स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने का संकल्प दिलाया ताकि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके।

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मेगा स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया, नंबर वन रैंकिंग का लक्ष्य

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में मेगा स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सोहना चौक व सेक्टर 52 क्षेत्र में स्वयं सफाई करते हुए आमजन को स्वच्छता बनाये रखने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था प्रबन्धन व जन भागीदारी के साथ गुरुग्राम को स्वच्छता रैंकिंग में नम्बर वन बनाना है। उन्होंने आह्वान किया कि गुरुग्रामवासी स्वच्छ गुरुग्राम थीम के साथ स्वच्छ, शुद्ध व स्वस्थ गुरुग्राम बनाने में योगदान दें। मुख्यमंत्री ने मेगा स्वच्छता अभियान में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का आधार है। ऐसे में सभी को मिलकर स्वच्छता को निरन्तर जीवन शैली में अपनाकर सुखद माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि मेरा गुरुग्राम-स्वच्छ गुरुग्राम बनाने में हरियाणा सरकार हर सम्भव सहयोग देगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि अब बरसात के बाद गुरुग्राम जिला के लोगों की सुविधा के लिए विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में शहर स्वच्छता अभियान

के तहत बड़ा सकारात्मक परिवर्तन नजर आएगा और इन 11 सप्ताह के विशेष अभियान में हर शहरी क्षेत्र के सौंदर्यीकरण व सुधारीकरण पर फोकस किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र की स्वच्छता रैंकिंग भी निर्धारित होगी जिसमें गुरुग्राम का उल्लेखनीय स्थान रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 से स्वच्छ भारत मिशन अभियान शुरू किया गया था। पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश में स्वच्छता अभियान जन आंदोलन बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि यह सभी प्रदेशवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से हरियाणा में सेवा पखवाड़ा मनाने जा रहे हैं। इसमें स्वच्छता, पौधरोपण, स्वास्थ्य शिविर, खेलकूद जागरूकता गतिविधियों के साथ जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक बदलाव में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रदेश में सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने मेरा गुरुग्राम-स्वच्छ गुरुग्राम अभियान में सहयोगी बनने के लिए सामाजिक धार्मिक संगठनों, डेरा सच्चा सौदा, संत निरंकारी मिशन, राधा स्वामी सत्संग सहित आरडब्लूए, व्यापारिक संगठनों का विशेष तौर पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को विधायक मुकेश शर्मा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाने की यह मुहिम किसी एक दिन या सप्ताह तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे एक निरंतर जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

हरियाणा के राइस मिलर्स ने मंत्री से की मुलाकात, कस्टम मिल्ड राइस के चार्ज और बोनस की मांग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के चावल मिल मालिकों ने राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री राजेश नागर से मुलाकात कर चावल मिल मालिकों की समस्याओं के समाधान की मांग की। हरियाणा प्रदेश राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य मंत्री को बताया कि इस वर्ष अब तक कस्टम मिल्ड राइस का 95 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। इसलिए पिछले साल की भांति महीनेवार चावल लगवाने का कोटा निर्धारित किया जाए। इस कोटे के बनने से ही राइस मिलर अपने राइस मिलिंग चार्ज प्राप्त कर सकेंगे और उस पर पीनल इंट्रेस्ट नहीं लगेगा।

खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को चावल मिल मालिकों की समस्याओं के तुरंत समाधान के निर्देश दिए। एसोसिएशन के प्रधान अमरजीत छाबड़ा और महासचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि चावल मिल मालिक सरकार की ओर से दिए गए धान का चावल बनाने की जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह कर रहे हैं। लेकिन मिल मालिकों को अपने चार्ज प्राप्त करने में परेशानी आ रही है। उन्होंने बताया कि कस्टम मिल्ड राइस पर बोनस राशि की लिस्ट अभी तक नहीं बनी है। उन्होंने धान संभालने के लिए तिरपाल और कैरेट के किराये की भी मांग भी मंत्री के सामने रखी, जिस पर राज्य मंत्री ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का जल्दी समाधान कराया जाएगा। राज्य मंत्री ने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान मुख्यमंत्री के स्तर पर किया जाना है, उनके लिए जल्दी ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर फैसला लिया जाएगा।

हरियाणा ने 2.1 गीगावाट सोलर क्षमता हासिल की, रूफटॉप इंस्टॉलेशन तेज़ी से बढ़ाया- अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लासगो में सीओपी-26 पर घोषित पंचामृत लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प लिया है। इनमें 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करना, ऊर्जा की 50 प्रतिशत जरूरतें नवीकरणीय स्रोतों से पूरी करना, 1 बिलियन टन कार्बन उत्सर्जन घटाना, 2005 के स्तर से कार्बन तीव्रता 45 प्रतिशत तक कम करना और 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन प्राप्त करना शामिल है।

विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प रखा है। इस दिशा में ग्रीन एनर्जी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य पहले ही 2.1 गीगावाट से अधिक सोलर क्षमता स्थापित कर चुका है और घरों, उद्योगों तथा संस्थानों में रूफटॉप सोलर को तेज़ी से बढ़ा रहा है।

पीएम-कुसुम योजना के तहत 1.65 लाख से अधिक सोलर सिंचाई पंप वितरित किए गए हैं, जिससे किसानों को लागत कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री ने यह जानकारी आज अंबाला में फिलीपींस से आए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान सांझा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सुश्री जेनी लिन ग्रानाडोस मानो, सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष, सनस्मार्ट सोलर पावर टेक्नोलॉजी इंक. तथा डॉ. कबीर केवी, सीईओ, एएनपीएम कर रहे थे। इस अवसर पर ग्रीनटेक सिस्टम्स और क्लाइमेट स्मार्ट सॉल्यूशन्स पर एक प्रेज़ेंटेशन भी दिया गया। बैठक के दौरान विज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि गुरुग्राम में मुख्यालय वाला इंटरनेशनल सोलर अलायंस अब 120 से अधिक देशों को 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' के विज़न के साथ जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 तक भारत की 119 गीगावाट स्थापित सौर क्षमता भारत दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल करती है।

विज ने बताया कि राजस्थान के 2200 मेगावाट क्षमता वाले भादला सोलर पार्क और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना व पीएम-कुसुम जैसी प्रमुख योजनाओं ने सौर ऊर्जा को सस्ता और सुलभ बनाया है। विज ने कहा कि भारत ने 2030 तक 5 एमटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भी शुरू किया है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा केवल बिजली नहीं है, यह भारत की सूर्य शक्ति है।

भरोहतक में कबाड़ व्यापारी के घर आयकर का छापा, शहर में चर्चा

रोहतक। आयकर विभाग की टीम ने पुराने बस स्टैंड पर कबाड़ का काम करने वाले एक व्यापारी के घर पर छापेमारी की। टीम की इस कारवाई से शहर में चारों तरफ चर्चा हो गई। बताया जा रहा है कि टीम टैक्स चोरी से जुड़े मामले की जांच के लिए रोहतक पहुंची है और व्यापारी इससे पहले भी जेल जा चुका है और वह जमानत पर बाहर आया हुआ है। सुबह दिल्ली से आयकर विभाग की नौ सदस्यीय टीम, जिसमें सुरक्षा बल भी साथ में मौजूद थे दो अलग अलग प्राइवेट गाडियों में सवार होकर भिवानी रोड स्थित गीतांजलि इंक्लेव स्थित कबाड का काम करने वाले व्यापारी विशाल के घर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने छापेमारी के दौरान ना तो किसी को घर के अंदर प्रवेश करने दिया और न ही घर से किसी को बाहर निकलने दिया। बताया जा रहा है कि टीम टैक्स चोरी के किसी मामले को लेकर यहां पहुंची है और कुछ कागजात भी अपने कब्जे में लिए हैं। दरअसल विशाल का पुराने बस स्टैंड के पास कबाड़ का बड़ा काम है और वह कई महीने जेल में भी रह चुका है और हाल में जमानत पर बाहर आया हुआ है।

बीआईएस की कार्रवाई से ग्राहकों में फैला भ्रम,दुकान मालिकों ने दी सफाई

ज्योति दर्पण

जींद। जींद में भारतीय मानक ब्यूरो की टीमों द्वारा ज्वैलर्स की दुकानों पर की गई जांच को लेकर हड़कंप मच गया। लोगों में उक्त दुकानों से खरीदे गए गहनों को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। जिसके बाद उक्त दुकानों मालिकों ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। पाल ज्वैलर्स के दीपक वर्मा और सतपाल की शॉप पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा जांच की गई थी।

पाल ज्वैलर्स के दीपक वर्मा और सतपाल उर्फ पाल गुरूवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राहक ऐसा बिल्कुल भी नही सोचें कि उन्हें नकली माल दिया गया है। क्योंकि यह उनका नया काम नही है बल्कि सौ साल से भी ज्यादा पुरानी दुकान है। जब एचयूआईडी था भी नही तो तब भी कोई शिकायत नही आई है, सामान को लेकर। न पहले दिक्कत आई और ना आगे आएगी। ग्राहकों को चिंता करने की कोई बात नही है। यह सामान पहले भी पास हुआ है और आगे भी होता रहेगा। बीआईएस टीम ने जो बुधवार को कार्रवाई की है, उसमें जो उनका सामान था, वो डायमेंड सीट्स का था, वो सामान नकली नही था। बीआईएस टीम द्वारा

प्रतिवर्ष छह माह या साल में ऐसी कार्रवाई की जाती है। बाकायदा ज्वैलर्स शॉप से सैंपल लिए जाते हैं और उन्हें लैबोरेटरी भेजा जाता है। यह पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा। आजतक उनकी शॉप से जितने भी सैंपल लिए गए हैं, वो सब पास हुए हैं। बाकाया सैंपल पास का प्रूफ भी उनके पास है। जो सैंपल गए हैं, कभी उस पर कोई दिक्कत नही आई है। उनकी शॉप के सभी सैंपल पास होते आए हैं और जो बुधवार को कार्रवाई के दौरान लिए गए हैं, वो भी पास होंगे। उनकी शॉप से लिएसैंपल में जितने कैरेट सोने पर लिखा होता है, उतना ही पास होकर आया भी है।

हिसार घग्गर सेमनाला ने चौपटा क्षेत्र में बरपाया कहर

एजेंसी

सिरसा। भारतीय किसान एकता (बीकेई) के प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख जिले के गांव गुडियाखेड़ा में हिसार घग्गर सेमनाला से प्रभावित ग्रामीणों से मिले। ग्रामीणों ने किसान नेता को बताया कि क्षेत्र में अब तक हजारों एकड़ बरसात व बाढ़ से प्रभावित हुई है। औलख ने बताया कि चोपटा क्षेत्र पहले ही सेम से प्रभावित है, गुडियाखेड़ा के पास मोडियाखेड़ा के रकबे में सेमनाला टूटने से बकरियांवाली, मोडियाखेड़ा और गुडियाखेड़ा के किसानों की लगभग चार हजार एकड़ तैयार फसल डूब गई है, बहुत सारे ढाणियों में बने हुए मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, सोलर पैनल भी पानी की चपेट में आकर खराब हो गए हैं। हिसार घग्गर ड्रेन में पानी अभी भी ओवरफ्लो चल रहा है। गांव जंडवाला, चाहरवाला और शक्करमंदोरी की सीमा में हिसार घग्गर ड्रेन टूट गई थी, जिसे ग्रामीणों द्वारा बांधने का काम चल रहा है। ड्रेन की वजह से सेम ज्यादा बढ़ गई है। गुडियाखेड़ा की तरफ कई ग्रामीणों के मकान भी सेम से खराब हो रहे हैं। गुडियाखेड़ा के ग्रामीणों ने कहा कि दिन-रात पूरा गांव ड्रेन पर पहरा देकर गांव को बचा रहा है। ग्रामीण अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों से अपने खर्चे पर ड्रेन के बांधों पर मिट्टी डाल रहे हैं। औलख ने कहा कि केमिकल वाला पानी सेमनाले में आ रहा है, जिसकी वजह से लोगों को चर्म रोग हो रहा है, पशु भी बीमार हो रहे हैं। हमारी जिला प्रशासन से अपील है कि सेमनाले से प्रभावित क्षेत्र में मेडिकल की टीमें भेजी जाए, जलभराव से मच्छर बढ़ रहे हैं। फॉगिंग भी कराई जाए और पशुओं के लिए वेटरनरी डॉक्टर भी नियुक्त किए जाएं, ताकि महामारी को फैलने से रोका जा सके। इस मौके पर बीकेई प्रदेश महासचिव अंग्रेज सिंह कोटली, महावीर गोदारा, प्रेमा सिंह, मनीराम, साहब राम, विनोद, सुभाष, भजनलाल, हवा सिंह, गिरधारी, विनोद, राम सिंह, सतपाल, राकेश आदि किसान मौजूद रहे।

इत्र उत्पाद बन सकते हैं वैश्विक ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र न केवल नवाचार को प्रोत्साहित करता है, बल्कि रोजगार सृजन में भी अहम योगदान दे रहा है। साथ ही स्थनीय और क्षेत्रीय विकास को मजबूती प्रदान कर रहा है। देशभर में एमएसएमई के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, फाइनेंस तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन का आधुनिकीकरण, निर्यात क्षमता, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से विचार-विमर्श के लिए अमर उजाला एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है।

कॉन्क्लेव का उद्देश्य

इस कॉन्क्लेव में चर्चा का मुख्य फोकस भविष्य की फंडिंग व्यवस्था, मार्केटिंग और ब्रांडिंग की नई रणनीतियां, उभरती तकनीकें, नवाचारी वित्तीय विकल्प, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर होगा। इसके साथ ही महिलाओं की भागीदारी, भारतीय एमएसएमई के वैश्विक विस्तार और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उपाय भी एजेंडा में शामिल रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को और मजबूत बनाना है ताकि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम हो सके। ओडीओपी योजना के जरिए हर जिले के खास उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रांड के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत की सुगंध राजधानी है कन्नौज

भारत की सुगंध राजधानी है कन्नौज

भारत में सुगंध और हस्तशिल्प के क्षेत्र में कन्नौज को विशेष स्थान प्राप्त है। यह जिला परफ्यूम, अत्तार, और एसेंशियल ऑयल्स के उत्पादन के लिए जाना जाता है। साथ ही कानपुर से सट्टे होने की वजह से लेदर प्रोडक्ट्स और फुटवियर क्षेत्र में भी कन्नौज की स्वस्थ्य इकाइयों की अहम भूमिका है। सरकार ने एमएसएमई योजना के तहत कन्नौज में सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी), परफ्यूम पार्क (यूपीएसआईडीसी), ओडीओपी, बाजार विकास सहायता योजना शुरू की गई है। इनमें सुगंधको, अजमल परफ्यूम जैसे बड़े ब्रांड निकल कर आए हैं।

कई चुनौतियों से जूझ रहा कन्नौज का उद्योग

हालांकि, कन्नौज का एमएसएमई सेक्टर पर्यावरणीय अनुपालन और निर्यात मांग में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। इन कठिनाइयों के बावजूद, क्षेत्र की स्वस्थ्य इकाइयां लगातार नए उत्पाद विकसित कर रही हैं और रोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं। कन्नौज का पारंपरिक इत्र उद्योग, जिसे कभी भारत की सुगंध राजधानी कहा जाता था, आज कई मोर्चों पर संकट का सामना कर रहा है। प्राकृतिक इत्र की जगह तेजी से बढ़ती सिंथेटिक सुगंधों ने इसकी मांग को प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में सस्ते और आसानी से उपलब्ध कृत्रिम परफ्यूम कन्नौज के कारीगरों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। इसके अलावा, इत्र निर्माण के लिए आवश्यक फूलों और प्राकृतिक तत्वों की आपूर्ति पूरी तरह मौसम और जलवायु पर निर्भर है। असमय बारिश, तापमान में बदलाव और फसलों की घटती पैदावार ने कच्चे माल की लागत और उपलब्धता दोनों पर असर डाला है।

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स का शेयर 66.7 प्रतिशत गिरा!

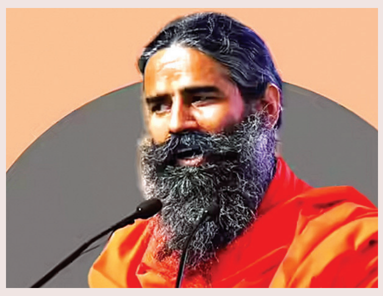

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव से जुड़ी कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर गुरुवार को 66.7 प्रतिशत गिर गए। लेकिन निवेशकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह गिरावट कंपनी द्वारा हाल ही में जारी किए गए 2:1 बोनस शेयर के कारण है। इसके कारण शेयर बाजार में यह तकनीकी बदलाव हुआ है। जिस निवेशक के पास पहले से कंपनी का एक शेयर था, उसे दो शेयर और मुफ्त में मिले हैं। कंपनी ने 11 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की थी। उसके बाद यह बदलाव हुआ। दोपहर 12.20 यह 1.02 प्रतिशत तेजी के साथ 594.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। बोनस शेयरों के बाद अब पतंजलि फूड्स के शेयरों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। इसलिए शेयर की कीमत भी उसी अनुपात में गिर गई है। इससे कंपनी के बाजार मूल्य या निवेशकों के पैसे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मान लीजिए आपके पास पहले 3,000 रुपये का एक शेयर था। बोनस शेयर मिलने के बाद अब आपके पास 1,000 रुपये के तीन शेयर हैं। आपके निवेश की कुल कीमत अभी भी 3,000 रुपये ही है। यह जो कीमत में बदलाव हुआ है, वह सिर्फ मैथमेटिकल है। इसका कंपनी के कामकाज से कोई लेना-देना नहीं है। अक्सर बोनस शेयर जारी करना इस बात का संकेत है कि कंपनी के मालिक भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद कर रहे हैं। इससे शेयर बाजार में कंपनी के आसानी से खरीदे और बेचे जा सकेंगे। साथ ही, छोटे निवेशकों के लिए भी शेयर खरीदना आसान हो जाएगा। पिछले एक साल में पतंजलि फूड्स के शेयर 6.75 प्रतिशत गिरे हैं। इस साल इसमें 0.32 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है। हालांकि पिछले छह महीनों में शेयर 3.00 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 6.84 प्रतिशत बढ़ा है। लेकिन पिछले एक महीने में इसमें 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई है

मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड को अपने बैटरी संचालित सामान वाहन मुशक ईवी के निर्माण की मंजूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड जो इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अग्रणी स्थान रखता है और व्यापक श्रेणी के ईवी का निर्माण करता है, ने घोषणा की है कि उसे मुशक ईवी (बैटरी संचालित 4-व्हीलर गुड्स कैरियर एवं के निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई है। मुशक ईवी की विशेषता इसका अनब्रेकेबल बॉडी है, जो मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह पूर्णतः 'मेक इन इंडिया' उत्पाद है और पूरी तरह भारत में निर्मित है, जिससे देश के स्थानीय उद्योगों को समर्थन मिलेगा। साथ ही, यह आगामी सरकारी सब्सिडी के लिए भी पात्र है। यह स्वीकृति कंपनी के लिए एक बड़ा कदम है, जो राजस्व और विस्तार के नए अवसर खोलेगा। उपभोक्ता आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह लॉन्च मार्केट-ड्रिवन है और व्यवसाय को गति हाल ही में कंपनी को गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और कोरिया स्मार्ट ई-मोबिलिटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की बैठक में आमंत्रित किया गया। बैठक का उद्देश्य भारत और कोरिया के बीच इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और लिथियम-आयन बैटरी के विकास हेतु तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान था।
बी ई-मोबिलिटी के चेयरमैन श्री ड्युक-उन ली, भारत में केइएमए के प्रतिनिधि प्रो. जंग-सुक रयो, इंडोनेशिया के प्रतिनिधि श्री सु चांग ओह और केइएमए के प्रबंध निदेशक डॉ. इम की सियो उपस्थित हुए।

टाटा प्ले पर देखिए अब टाटा प्ले आराधना के साथ ही टाटा प्ले भक्ति संगीत भी

मुंबई, एजेंसी। देश में मनोरंजन की दुनिया में अपनी एक विशेष पहचान के साथ टाटा प्ले ने अपनी आध्यात्मिक पेशकशों का विस्तार करते हुए टाटा प्ले भक्ति संगीत की शुरुआत की है। यह 24/7 संगीत सेवा टाटा प्ले आराधना के अंतर्गत पेश की गई है। टाटा प्ले आराधना के उपभोक्ता 9 सितंबर से टाटा प्ले भक्ति संगीत का आनंद ले सकेंगे, जो उन्हें संपूर्ण भक्ति का एक समृद्ध अनुभव प्रदान करेगा। टाटा प्ले भक्ति संगीत पर मंत्रों, जाप, भजन, कीर्तन, आरती, स्तोत्र, कथा आदि के साथ आध्यात्मिक संगीत का एक विस्तृत संग्रह उपलब्ध होगा। यह शंकर महादेवन, अनूप जलोटा, अनुराधा पौड़वाल, सुरेश वाडेकर एवं अन्य प्रतिष्ठित कलाकारों की आवाज में प्रार्थना, ध्यान और दैनिक पूजा के लिए एक अनुकूल और भक्तिमयी वातावरण प्रदान करेगा। भक्त पौराणिक महाकाव्य, जैसे रामायण, महाभारत आदि देख सकते हैं।

एसरी इंडिया और ध्रुवास्पेस ने स्पेस-पावर्ड सॉल्यूशंस के साथ

जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस में परिवर्तन लाने के लिए गठबंधन किया

हैदराबाद, एजेंसी। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर एवं सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने एडवांस्ड जीआईएस इंटीग्रेशन के जरिए भारत में सैटेलाइट इमेजरी की उपलब्धता एवं पहुंच बढ़ाने के लिए हैदराबाद स्थित ध्रुवास्पेस के साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। ध्रुवास्पेस एक फुल-स्टैक स्पेस टेक कंपनी है। इस रणनीतिक साझीदारी के जरिए ध्रुवास्पेस ऑप्टिकल, एसएआर, आरएफ व हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसर्स में फैले हुए 200 से अधिक सैटेलाइट्स के एक तारामंडल नेटवर्क से डेटा एकत्रित कर उसे एक एकीकृत पारितंत्र में डालने वाले अपने एस्ट्राव्यू कॉमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी सेवा का

विस्तार करने के लिए एसरी इंडिया के एडवांस्ड आर्कजीआईएस टेक्नोलॉजी का उपयोग करेगी। इस गठबंधन का लक्ष्य एक एकीकृत सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्रदान करना है जिससे ग्राहक एसरी की जबरदस्त जीआईएस क्षमताओं के साथ ही एस्ट्राव्यू की कार्य योग्य अंतर्दृष्टि तक सहजता से पहुंच सकें और उनका विश्लेषण कर सकें। एसरी इंडिया और ध्रुवास्पेस के बीच गठबंधन से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल में अंतरिक्ष आधारित डेटा का उपयोग करने के लिए नए द्वार खुलने की संभावना है जिससे नवप्रवर्तन को बढ़ावा मिलेगा और जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस एवं अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहे भारत को सहयोग मिलेगा। एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, ध्रुवास्पेस के साथ यह साझीदारी अति आधुनिक सैटेलाइट इमेजरी क्षमताओं को भारत में जीआईएस यूज़र्स के करीब लाएगी। यह भारत के जियोस्पैटियल पारितंत्र को मजबूती देने स्पेसटेक क्षेत्र में देशज नवप्रवर्तन में सहयोग करने की हमारी सतत प्रतिबद्धता दर्शाती है।

आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर को खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कई ऐसी कंपनियां हैं जिनके शेयर पेनी कैटेगरी में आते हैं। ऐसा ही एक पेनी शेयर-टेक्सटाइल कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज का है। कंपनी के शेयर में बुधवार को तूफानी तेजी देखी गई। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को यह शेयर 18.12 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले करीब 4 पर्सेंट बढ़कर 19.34 रुपये तक पहुंच गया। अप्रैल 2025 में यह शेयर 13.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया था।

भारत-अमेरिकी के बीच व्यापार वार्ता सफल होने की उम्मीद फिर से बंधने से बाजार में तेजी रही। इसका असर आलोक इंडस्ट्रीज पर भी पड़ा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में आई कड़वाहट दूर होने का संकेत दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के किसी सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी और वह आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत करने को उत्सुक हैं। इसके जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 'एक्स' पर लिखा कि दोनों देशों के बीच जारी बातचीत उनके बीच साझेदारी की असीम संभावनाओं को सामने लाने का रास्ता साफ करेगी। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास प्रमोटर की हिस्सेदारी 75 फीसदी है।

पेप्सिको इंडिया और एफआईसीएसआई ने मप्र में, महिला नेतृत्व वाले

मिलेट प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया

सिंगरौली, एजेंसी। समावेशी विकास और घरेलू सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत पेप्सिको इंडिया ने एफआईसीएसआई (फूड इंडस्ट्री कैपेसिटी एंड स्किल इनिशिएटिव) के सहयोग से मध्य प्रदेश में रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की. पेप्सिको इंडिया की 'पार्टनरशिप ऑफ प्रोग्रेस'

फिलॉसफी से जुड़ा यह उपक्रम राज्य के पांच जिलों सिंगरौली, सीधी, रीवा, शहडोल और सतना की 2,000 ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाने का लक्ष्य रखता है. कार्यक्रम के उद्घाटन में ग्राम प्रधान श्री दीपक कुमार पांडेय और रोजगार सहायक श्री रमेश कुमार साह उपस्थित रहे. उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र की महिलाओं के लिए सतत कृषि और आत्मनिर्भर आजीविका को और आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी. भारत सरकार के मिलेट की खेती और खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित प्रयासों के अनुरूप, यह संरचित कार्यक्रम मिलेट प्रोसेसिंग के लिए भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में योगदान देगा. इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए जाएंगे और उन्हें एफआईसीएसआई द्वारा 'मिलेट प्रोडक्ट्स प्रोसेसर' के रूप में प्रमाणपत्र मिलेगा. प्रशिक्षण में सुरक्षित खाद्य संचालन, स्वच्छता, उत्पाद विकास और उद्यमिता जैसी क्षमताओं को शामिल किया गया है, जिससे महिलाएं मिलेट प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन की प्रमुख योगदानकर्ता बन सकेंगी.

फ्लिपकार्ट ने फैशन स्पॉटलाइट को लॉन्च करने की घोषणा

मुंबई, एजेंसी।
2025 के त्योहारी सीजन से पहले भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फैशन स्पॉटलाइट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह विशेषरूप से टियर 2 क्षेत्रों के डिजिटल-फर्स्ट फैशन ब्रांड्स के विकास को गति देने के लिए फ्लिपकार्ट का फ्लैगशिप प्रोग्राम है। फैशन के मामले में डी2सी सेगमेंट में विकास के व्यापक अवसर हैं, विशेषरूप से टियर 2 क्षेत्रों के ब्रांड्स के लिए, जिनके पास अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए सही टूल्स की उपलब्धता नहीं है। फ्लिपकार्ट ने साल के अंत तक इस प्रोग्राम को 10 गुना करते हुए करीब 500 ब्रांड तक पहुंचने और धीरे-धीरे और भी ब्रांड्स तक पहुंचने की योजना बनाई है। ऐसा करते हुए फैशन स्पॉटलाइट सही मायनों में डी2सी फैशन टैलेंट के लिए लोकतांत्रिक तरीके से काम करने वाला लॉन्चपैड बन सकेगा।

इस लॉन्चिंग को लेकर फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसिडेंट कुणाल गुप्ता ने कहा पूरे भारत में फैशन सेगमेंट में डी2सी क्रांति की कमान नए उद्यमी संभाल रहे हैं, जो स्थानीय संस्कृति एवं

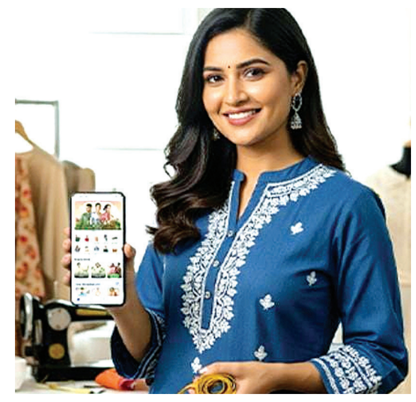

उपभोक्ताओं की जरूरतों को गहराई से समझते हैं। स्पॉटलाइट को उनके लिए ही बनाया गया है ऐसे ब्रांड्स जो हॉट क्लाइमेट, स्थानीय प्रयोग और फैब्रिक इनोवेशन कर रहे हैं, जिससे भारत के लोगों तक सही फैशन पहुंच सके। हमारा लक्ष्य उन्हें इस सफर पर आगे बढ़ने में सक्षम बनाना है। इसके लिए उन्हें तब तक सहयोग किया जाएगा, जब तक कि उनका कारोबार बढ़ नहीं जाता और उनके प्रोडक्ट को मार्केट में पहचान नहीं मिल जाती। यह बात सिर्फ डिस्ट्रीब्यूशन की नहीं है, यह ब्रांड्स की ऐसी जनरेशन तैयार करने की बात है, जो डिजिटल तरीके से बने हैं, स्थानीयता को प्राथमिकता देते हैं और फैशन सेक्टर के 20 करोड़ ग्राहकों को सर्विस देने के लिए तैयार हैं।' यह रणनीतिक शुरुआत त्योहारी सीजन के मौके पर की गई है। पारंपरिक तौर पर इस दौरान फैशन की मांग बढ़ती है। फ्लिपकार्ट फैशन पर आज की तारीख में 100 से ज्यादा डी2सी फैशन ब्रांड्स जुड़े हुए हैं। फ्लिपकार्ट देशभर में लाखों ग्राहकों के लिए क्यूरेटेड एवं ट्रेंड आधारित सेलेक्शन उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों को विस्तार दे रहा है। कई डी2सी फैशन ब्रांड्स ने फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस पर जबर्दस्त विकास दर्ज किया है। इनमें सालाना आधार पर पिछले साल 500 प्रतिशत विकास करने वाले रेयर रैबिट, 2300 प्रतिशत विकास दर्ज करने वाले मिराजियो और 200 प्रतिशत विकास दर्ज करने वाले जूक के नाम उल्लेखनीय हैं। फ्लिपकार्ट पर 3 में से 1 ग्राहक फैशन सेगमेंट में अपनी पहली खरीदारी करता है। सोशल मीडिया की तुलना में पिछले साल एप पर परचेज इंटेंट 3 गुना बढ़ा था।

भारत के बंदरगाहों पर जहाज लाने से डरते हैं भारतीय कैप्टन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुधारने के लिए एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी करवट कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत सरकार के कुछ अधिकारी कुछ इस तरह का काम कर रहे हैं कि दुनिया भर में यहां का नाम खराब हो रहा है। हम बात कर रहे हैं शिपिंग सेक्टर की। जी हां, भारत के बंदरगाहों, खास कर सरकारी बंदरगाहों पर इंटरनेशनल रूट पर चलने वाले शिप से वसूली की खबर अब सोशल मीडिया पर भी चलने लगी है।

नवभारत टाइम्स ने इस बारे में कई मास्टर मैरिनर जिसे आम भाषा में कैप्टन कहते हैं, से बात की। सबने मुक्त कंठ से इस आरोप की पुष्टि की। उनका कहना है कि भारतीय बंदरगाहों पर कस्टम विभाग के अधिकारी बिल्कुल डकैत की तरह व्यवहार करते हैं। वे जहाज पर सिर्फ विभागीय कर्मचारियों के साथ ही नहीं आएंगे बल्कि अपने साथ रेमेजिंग ग्रुप के साथ आते हैं। वे स्टोर में जाएंगे और मार्लोबोरो जैसे कीमती सिगरेट की 20-25 कार्टन उठा लेंगे। वे सस्ते सिगरेट से मानते नहीं उन्हें तो 25 डॉलर से लेकर 50 डॉलर प्रति डिब्बी वाला सिगरेट चाहिए। इसके साथ ही उन्हें महंगी विदेशी शराब भी चाहिए। किस्सा यहीं अंत नहीं होता, उनके साथ चल रहे चमचेनुमा व्यक्ति फिर नीचे प्रोविजन रूम में जाएंगे और वहां से बटर, ओलिव ऑयल, कॉफी, टीबैग का कार्टन, जैम, न्यूट्रीला जैसे प्रोडक्ट का कार्टन उठा लेंगे। यहां तक कि वे फ्रोजन चिकन और कोल्ड ड्रिंक की बोतल का कार्टन भी उठा लेते हैं। एक कैप्टन का कहना है कि ऐसा सिर्फ भारत, पाकिस्तान और बंगलादेश के बंदरगाहों पर दिखता है। दुनिया के अन्य बंदरगाहों पर ऐसा नहीं होता है। अन्य देशों में तो वे सिगरेट के कार्टन को ही गिफ्ट के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। लेकिन भारत में तो कस्टम विभाग के लोग जहाज का कस्टम क्लियरेंस जल्दी देने के लिए सीधे-सीधे डॉलर मांगते हैं।

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड और नैस्डैक सूचीबद्ध डिगीएशिया कॉर्प ने एआई-संचालित ब्रांचलेस

बैंकिंग और फाइनेंशियल इंक्लूजन नवाचार में रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी।
एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड (एनएसईः एमओएस), भारत की एक प्रमुख फिनटेक इनोवेटर कंपनी, और नैस्डैक सूचीबद्ध डिगीएशिया कॉर्प, जो इंडोनेशिया की अग्रणी फिनटेक प्लेटफ़ॉर्म है, ने अपने रणनीतिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। यह साझेदारी सिर्फ़ भुगतान सेवाओं तक सीमित न रहकर ब्रांचलेस बैंकिंग, एआई-आधारित ढांचा और फाइनेंशियल इंक्लूजन समाधान तक फैलाई जाएगी, जो 30 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अवसर को लक्ष्य बना रही है। एमओएस की टेक्नॉलॉजी डिगीएशिया के ब्रांचलेस बैंकिंग नेटवर्क में एकीकृत की जाएगी, जिससे इंडोनेशिया में एक मिलियन से अधिक व्यापारियों को वित्तीय सेवा एजेंट के रूप में जोड़कर अपूर्ण रूप से सेवित समुदायों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी। डिगीएशिया कॉर्प के सह-सीईओ प्रशांत गोकार्ण ने कहा- हमारी साझेदारी एमओएस के साथ केवल भुगतान से आगे बढ़कर एआई-संचालित ब्रांचलेस बैंकिंग ईकोसिस्टम बनाने की दिशा में है, जो एक मिलियन से अधिक इंडोनेशियाई व्यापारियों को सक्षम बनाएगा और एशिया में डिजिटल व्यापार और समावेशी वित्त की नींव रखेगा। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर श्री चिराग शाह ने कहा-एमओएस के मॉड्यूलर फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर को डिगीएशिया की डिस्ट्रीब्यूशन रीच के साथ जोड़कर हम एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बना रहे हैं, जो वित्तीय सेवाओं की डिलीवरी को बदल देगा। एजेंट-नेटवर्क एआई से लेकर क्रॉस-बॉर्डर सपोर्ट तक, यह उभरते बाज़ारों में वित्तीय समावेशन को मज़बूत करेगा।

माउंटेन ड्यू ने लॉन्च किया 400 एमएल पीईटी पैक

मुंबई, एजेंसी।
पेप्सिको इंडिया के बोल्ड एवं फियरलेस बेवरेज ब्रांड माउंटेन ड्यू ने मात्र 20 रुपये में अपना नया 400 एमएल पीईटी पैक लॉन्च करने की घोषणा की है। अनूठी लॉन्चिंग के साथ माउंटेन ड्यू ने अपने प्राइस-पैक आर्किटेक्चर को इस तरह विस्तार दिया है, जिससे डर के आगे जीत है की कंपनी की फिलॉसफी के मुताबिक बेहतर वैल्यू एवं एक्सेसिबिलिटी मिल सके। ब्रांड अपने प्रशंसकों को हर सिप के साथ साहस और रोमांच को गले लगाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस लॉन्चिंग के मौके पर माउंटेन ड्यू ने रोमांच से भर देने वाले टीवीसी कैंपेन को भी पेश किया है। इसमें सेलेब्रिटी ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता अली अब्बास जफर ने किया है।

पेप्सिको इंडिया की कैटेगरी हेड आकांक्षा दलाल ने कहा माउंटेन ड्यू में हमारी फिलॉसफी है लोगों को हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना। 20 रुपये में 400 एमएल पीईटी पैक की लॉन्चिंग ड्यू एक्सपीरियंस को ज्यादा सुगम बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही यह हमारी बोल्ड आइडेंटिटी के अनुरूप भी है। ग्राहकों की ओर से मिली इनसाइट्स के अनुरूप किए गए इस इनोवेशन से कोई समझौता किए बिना ग्राहकों को बेहतर वैल्यू मिलेगी। ऋतिक रोशन के साथ हमारा नया कैंपेन साहस और जीत की भावना

को सटीक तरीके से दर्शाता है, जो कि माउंटेन ड्यू की पहचान हैं।' इस कैंपेन को लेकर ऋतिक रोशन ने कहा डर का सामना हम सब करते हैं, लेकिन हमारी पहचान हमारे साहस से होती है। माउंटेन ड्यू का कैंपेन साहस को गले लगाने और भरोसे के साथ छलांग लगाने की इसी ताकत को दिखाता है। मुझे इस ब्रांड के साथ जुड़कर खुशी है, जो लाखों लोगों को अपनी फिलॉसफी 'डर के आगे जीत है' से प्रेरित कर रहा है। 20 रुपये में 400 एमएल के पैक के साथ माउंटेन ड्यू ने इस अनुभव को अब और भी शानदार बना दिया है।' रोमांच से भर देने वाली इस विज्ञापन फिल्म में ऋतिक रोशन एक आउटडोर एडवेंचर करते नजर आएंगे, जिसमें वह प्राकृतिक बाधाओं का सामना करेंगे। सस्पेंस के बीच वह डर को महसूस करते हैं और फिर साहस के साथ छलांग लगा देते हैं और एक बार फिर साबित करते हैं कि 'डर के आगे जीत है'।

दक्षिण का द्वार भेदने की राधाकृष्णन कोशिश

उमेश चतुर्वेदी

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है।

जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफे से खाली हुए उपराष्ट्रपति पद को नया चेहरा मिल गया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की जंग में तमिलनाडु बीजेपी का चेहरा रहे सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे। झारखंड की धरती से द्रौपदी मुर्मू की तरह उनका भी नाता रहा है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड के सर्वोच्च पद पर रही शख्सियतों के लिए सुनहरा दौर चल रहा है। झारखंड की राज्यपाल रहीं द्रौपदी मुर्मू देश के शीर्ष पर तीन साल पहले से ही काबिज हैं। देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी झारखंड के संवैधानिक प्रमुख के पद की शोभा बढ़ा चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु की तीसरी शख्सियत हैं, जो उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके पहले तमिलनाडु के सर्वपल्ली राधाकृष्णन और आर वेंकटरमण उपराष्ट्रपति रह चुके हैं।

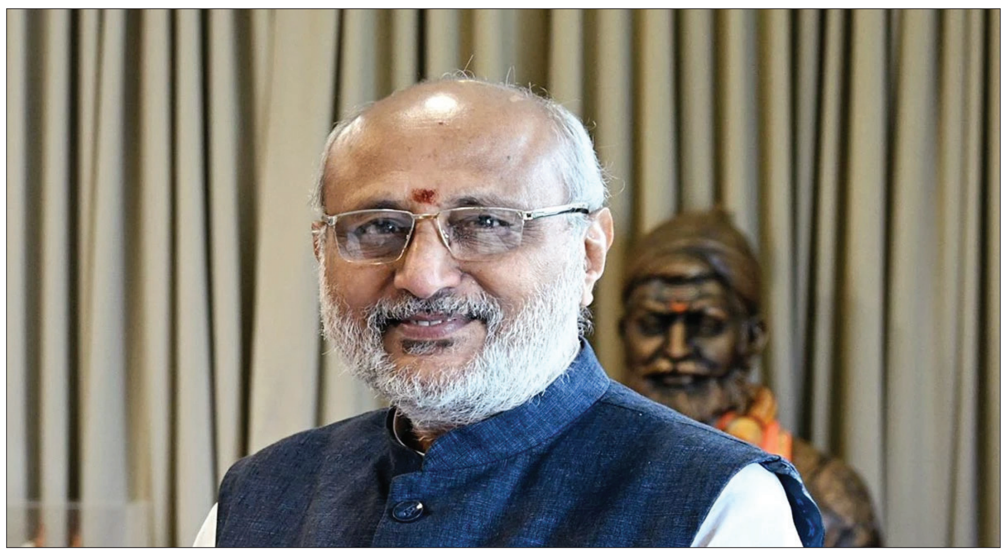

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। बीजेपी ही क्यों, राज्य में राजनीतिक और चुनावी कामयाबी हासिल करने वाले किसी भी दल के लिए इतना वोट नाकाफी है। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है।

सीपी राधाकृष्णन के सामने उपराष्ट्रपति के रूप में कुछ चुनौतियां जरूर रहेंगी। राधाकृष्णन कामचलाऊ हिंदी समझ तो लेते हैं, दो-एक लाइनें बोल भी लेते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में राधाकृष्णन की जिम्मेदारी राज्यसभा की कार्यवाही चलाना होगी। राज्यसभा में ज्यादातर सांसद हिंदीभाषी हैं और वे अपनी बात हिंदी में ही रखते हैं, हंगामा भी हिंदी में करते हैं और बहसें भी हिंदी में ही करते हैं। राधाकृष्णन को इन पर पार पाने के लिए मेहनत करनी होगी। वैसे वे कहते रहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय छवि बनाने के लिए हिंदी बोलना जरूरी है। वे तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति की तरह हिंदी के विरोधी नहीं है। वे हिंदी सीखना भी चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब उन्हें कामचलाऊ से कुछ ज्यादा हिंदी तो सीखनी ही पड़ेगी।

मोदी और शाह की जोड़ी ने तमिलनाडु को साधने के लिए रणनीतिक तौर पर खूब कोशिशें की हैं। संसद के नए भवन में तमिल राजदंड के प्रतीक सेंगोल की स्थापना हो या फिर वाराणसी में तमिल-काशी संगम का आयोजन हो, तमिल जनमानस तक मोदी और बीजेपी की बैठ बढ़ाने की कोशिश का ही प्रतीक है। अक्टूबर 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया था। उस वक्त जिनपिंग का मोदी ने तमिलनाडु के खूबसूरत पर्यटक स्थल महाबलिपुरम में स्वागत किया था। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल महाबलिपुरम तमिलनाडु के पल्लव राजवंश के दौरान विकसित भारतीय कला का प्रतीक है। इस मुलाकात को भी तमिलनाडु की जनता को साधने की बीजेपी और मोदी की कोशिश के रूप में देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी का अरियलूर जिले के गंगैकोंड चोलपुरम का दौरा हो या यहां के नजदीक स्थित बृहदीश्वर मंदिर में पूजा अर्चना हो, सबका संदेश एक ही है, तमिलनाडु के दिलों में अपनी पैठ बनाना। ध्यान देने की बात यह है कि तमिलनाडु का चोल राजवंश बहुत प्रभावी रहा है। ग्यारहवीं सदी से लेकर तेरहवीं सदी तक गंगैकोंड चोलपुरम-चोल वंश की राजधानी रहा।

सीपी राधाकृष्णन- तमिलनाडु में बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी के सांसद रहे सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में तमिल मोदी के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। इस नाते तमिलनाडु कह सकता है कि देश के शीर्ष पदों पर दो-दो मोदी हैं। राधाकृष्णन राज्य में पिछड़े वर्ग में शामिल गौंडर जाति से आते हैं। इस जाति का विस्तार विशेष रूप से तमिलनाडु के पश्चिमी इलाके में है। दिलचस्प यह है कि इस जाति के वोटर कन्नड़ ब्राह्मण महिला जे जयललिता की अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम के समर्थक माने जाते हैं। यह बात और है कि अन्नाद्रमुक की अगुआई कर रहे ई पलानिसामी और बीजेपी के फायरब्रांड नेता अन्नामलाई भी इसी बिरादरी के हैं। इस लिहाज से देखें तो सीपी राधाकृष्णन को बीजेपी ने शीर्ष पर बैठाकर गौंडर समुदाय को साधने की कोशिश की है। यह एक तरह से अन्नाद्रमुक को भी संकेत है। सीपी राधाकृष्णन के वैसे तो राज्य के तकरीबन हर दल के शीर्ष नेतृत्व से बेहतर संबंध है, लेकिन वे अन्नाद्रमुक के बेहद करीबी रहे हैं। 2010 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक ने उन्हें पार्टी में शामिल होने और चुनाव लड़ने का खुला आमंत्रण दिया था। अगर वे शामिल होते और चुनाव लड़ते तो तमिल सत्ता में उनकी हिस्सेदारी तय थी। लेकिन राधाकृष्णन ने अपनी प्रतिबद्धता नहीं तोड़ी। बहरहाल राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद अन्नाद्रमुक को एक तरह से साथ आने का भी संदेश है। क्योंकि बीजेपी को भी आभास है कि तमिलनाडु की राजनीति में शीर्ष स्थान पर अकेले पहुंचना फिलहाल संभव नहीं है।

आजादी के बाद से ही तमिलनाडु की राजनीति में पिछड़ा और दलित समुदाय का प्रभुत्व रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में अगड़ा समुदाय एक तरह से किनारे पर आजादी के बाद से ही है। चूंकि बीजेपी की राज्य में सवर्ण जातियों की उत्तर भारतीय पार्टी की छवि है। तमिलनाडु में बीजेपी के उभार की बड़ी बाधा यह वजह भी रही है। गौंडर समुदाय के राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनाकर बीजेपी ने एक तरह से अपनी वह छवि तोड़ने की कोशिश की है। बेशक गौंडर समुदाय बहुत बड़ा नहीं है। लेकिन उसकी शख्सियत को देश के दूसरे सर्वोच्च पद पर पहुंचाकर मोदी-शाह की जोड़ी ने एक तरह राज्य के पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को संकेत दिया है कि बीजेपी उनकी वैचारिकी और सोच का सम्मान करती है। वह सवर्ण नहीं, सर्व समाज की पार्टी है। निश्चित तौर पर आज भारतीय जनता पार्टी का उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत में प्रभाव है। पारंपरिक और प्रचलित राजनीतिक नजरिए के लिहाज से वह उपराष्ट्रपति के सम्मानित पद पर देश के इन इलाकों के अपने किसी प्रतिबद्ध और प्रतिष्ठित कार्यकर्ता को पहुंचा सकती थी। लेकिन उसने ऐसा न करके तमिलनाडु के अपने कार्यकर्ता पर विश्वास जताया। यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि केरल की पिछली विधानसभा चुनाव के दौरान सीपी राधाकृष्णन केरल बीजेपी के प्रभारी थे। राधाकृष्णन जिस तिरूपुर इलाके से आते हैं और जिस कोयंबटूर के सांसद रहे हैं, वह केरल का नजदीकी है। इस लिहाज से मान सकते हैं कि बीजेपी ने उनके जरिए भगवान के अपने देश यानी केरल को भी साधने की कोशिश की है।

संपादकीय

बढ़ती-घटती दोस्ती

भारत और अमेरिका के बीच ट्रैरिफ वॉर के चलते अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जल्द मिलने और ट्रेड़ बैरियर खत्म करने की बात की है। ट्रंप ने सोशल मीड़िया प्लेटफार्म ट्रुथ पर लिखा, यह ट्रेड़ बैरियर खत्म करने के लिए बातचीत जारी है, और मैं अपने अच्छे दोस्त मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। कुछ ही घंटों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत व अमेरिका अच्छे दोस्त व स्वाभाविक सहयोगी हैं। मैं भी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने का इंतजार कर रहा हूं। दोनों देशों के बीच रूस से तेल खरीद के मुद्दे को लेकर टसल का नतीजा था कि ट्रंप ने भारत पर 50प्र. टैरिफ जड़ते हुए अमेरिका की नाराजगी जताई थी। इस कारण भारत का करीब पिच्चासी हजार करोड़. रुपये का निर्यात प्रभावित हो रहा है जिसमें मुख्यतः दवाएं, आभूषण, कपड़े, पेट्रोलियम, टेलीकॉम ड़िवाइस शामिल हैं। भारत भी अमेरिका से पेट्रोलियम, अंतरिक्ष यानों के कलपुर्जे, विमान, हीरे व कोयला आदि का आयात करता है। टैरिफ दोनों देशों के बाजार को झटका देने वाला है। मगर इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उथल-पुथल स्थायी नहीं हो सकती। ट्रंप जुबान के पक्के नहीं हैं, यह अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानते हैं। उन्होंने रूस व चीन के राष्ट्रपति पुतिन व जिनपिंग के साथ मोदी को बीते हफ्ते देखने के बाद ट्रुथ पर पोस्ट किया था कि हमने भारत व रूस को चीन के हाथों खो दिया है। इसे देखते हुए आकलन लगाया गया कि ट्रंप इस तिकड़ी से घबरा रहे हैं। उनकी नरमी के पीछे अमेरिकी दिग्गजों का दबाव भी माना जा रहा है जिनके साथ बीते हफ्ते रात्रिभोज के दौरान ट्रंप की लंबी बातचीत हुई थी। दोनों देशों की तरफ से की गई द्विपक्षीय टिप्पणी तल्खी को मिटाने का संकेत है। रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति यूरोपीय संघ से अपील कर चुके हैं कि वह भारत और चीन पर सौ फीसद टैरिफ लगाए। विशेषज्ञों के अनुसार भारत-अमेरिका संबंध केवल टैरिफ के नजरिए से नहीं आंके जा सकते। इन संबंधों में बड़ी संख्या में प्रवासी भी हैं और प्रति वर्ष उच्च शिक्षा लेने जाने वाले छात्रों की भीड़. भी है। बेशक, यह आर्थिक झटका जोखिमपूर्ण है मगर मानव-श्रम, रोजगार, प्रतिभाओं और पुराने परिपक्व और बहुआयामी संबंधों का ख्याल रखते हुए खटास मिटाने में पहल करने के संकेत सकारात्मक साबित हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सदगुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो। क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा हैः गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे। दूसरे सभी लोग, बस एक ही चीज के लिए भीख नहीं माँगते, अपना भोजन भीख में नहीं माँगते, बाकी सभी चीजों के लिए भीख माँगते हैं। उनका पूरा जीवन ही भीख माँगना है। केवल भोजन अर्जित करते हैं। लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति, केवल भोजन के लिए भिक्षा माँगता है, अन्य सभी चीजें अपने भीतर से अर्जित करता है। जिस भी तरह से रहना तुम बेहतर मानते हो, उसी तरह से रहो।

नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर : नये भारत की नयी रफ्तार

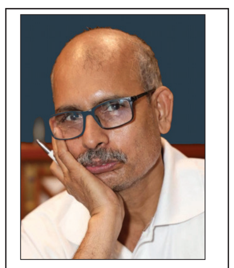
विनोद कुमार सिंह

नमो भारत दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर-अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है। नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है।यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय,तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का 'नये भारत' का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है।

भारत आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है,उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण हमें देश के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों में देखने को मिलता है। सड़कें, पुल, मेट्रो, हवाई अड्डे और अब रैपिड रेल-ये सब मिलकर 'नये भारत' की तस्वीर गढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में एक ऐतिहासिक परियोजना-नमो भारत दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिटसिस्टम(आरआरटीएस) कॉरिडोर-अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है।यह परियोजना केवल एक परिवहन सुविधा नहीं है,बल्कि भारत की बदलती सोच,आधुनिकता की दिशा में उठाए गए ठोस कदम और भविष्य की सतत (sustainable) विकास दृष्टि का प्रतीक है। दिल्ली- मेरठ की दूरी,अब मिनटों में दिल्ली और मेरठ के बीच लगभग 82 किलोमीटर का यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा विकसित किया गया है। इसे पूरी तरह आधुनिक तकनीक से बनाया गया है। इस रैपिड रेल की सबसे बड़ी विशेषता है इसकी अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा।जहाँ सड़क मार्ग से यह यात्रा 2 से 2.5 घंटे में पूरी होती थी, वहीं अब यह दूरी केवल 55 से 60 मिनट में पूरी हो जाएगी।यह समय बचत दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है। कॉरिडोर का लगभग 55 किलो मीटर लंबा हिस्सा पहले ही चालू कर दिया गया है। यह हिस्सा दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन से शुरू होकर मेरठ की सीमा पर स्थित मेरठ साउथ स्टेशन तक जाता है। शेष 27 किलोमीटर का हिस्सा - जिसमें दिल्ली में न्यू अशोक नगर से सराय खान तक और मेरठ में मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक का खंड शामिल है-उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल के अनुसार यह अंतिम खंड भी बहुत जल्द जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस परियोजना में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। यह निवेश केवल पटरियाँ बिछाने तक सीमित नहीं है,बल्कि इसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम,विद्युत आपूर्ति, अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष, यात्री सुविधाएँ, सुरक्षा इंतजाम और पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन शामिल हैं। ट्रेन के डिब्बों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इनमें वातानुकूलन, आराम दायक सीटें, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी,आपातकालीन बटन और दिव्यांगजन के लिए विशेष व्यवस्था मौजूद है।विगत जून माह में पूरे कॉरिडोर पर सफल ट्रायल रन किए गए।इन ट्रायल्स में निम्न पहलुओं की गहन जांच की गईः -गति और ब्रेकिंग सिस्टम, मोड़ पर स्थिरता आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता सिग्नलिंग और कंट्रोल सिस्टम, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षाइन सभी परीक्षणों के सफल होने के बाद यह प्रणाली वाणिज्यिक संचालन के लिए पूरी तरह तैयार मानी गई।इस परियोजना के शुरू होने से यात्रियों को होने वाले निम्न लाभ मिलेंगे।

1)समय की बचत -जहां पहले दिल्ली से मेरठ तक यात्रा में औसतन 2-2.5 घंटे लगते थे,अब यह यात्रा 55-60 मिनट में पूरी होगी। यह बचा हुआ समय लोग अपने काम,परिवार या विश्राम के लिए उपयोग कर सकेंगे।

2) धन की बचत -कार या बाइक से रोज सफर करने वालों का ईंधन खर्च घटेगा। वाहन की मरम्मत और रखरखाव की लागत भी कम होगी।

3) जाम से मुक्ति -अनुमान है कि इस परियोजना के पूरी तरह चालू होने के बाद प्रतिदिन एक लाख से अधिक कारें सड़क से हट जाएंगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर में जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी।

4)प्रदूषण पर नियंत्रण-वाहनों की संख्या घटने से वायु प्रदूषण में गिरावट आएगी।यह दिल्ली-एनसीआर के लिए एक बड़ी राहत होगी जो विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में गिना जाता है।

5) सुरक्षित और आरामदायक यात्रा वातानुकूलित डिब्बों,समय पर चलने वाली ट्रेन और उन्नत सुरक्षा इंतजामों के कारण यात्रा ज्यादा सुविधाजनक और भरोसेमंद होगी।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

व्यापारिक अवसरों में वृद्धि-दिल्ली और मेरठ के बीच माल और सेवाओं का आदान-प्रदान तेज होगा।

रियल एस्टेट में उछाल-मेरठ और आसपास के कस्बों में आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की मांग बढ़ेगी।रोजगार और शिक्षा में लाभ-मेरठ,गाजियाबाद जैसे शहरों के लोग दिल्ली में आसानी से काम और पढ़ाई के लिए आ-जा सकेंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच-दिल्ली के बड़े अस्पतालों तक पहुँचना आसान होगा,जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर मिल सकेंगी।

जनसंख्या का संतुलन-लोग दिल्ली से बाहर बसने के लिए प्रेरित होंगे, जिससे दिल्ली पर दबाव कम होगा।

पर्यावरण के लिए वरदान -बिजली से चलने वाली यह रैपिड रेल ऊर्जा दक्ष है। यह एक बार में बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा में परिवहन कर सकती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी और वायु गुणवत्ता सुधरेगी।

नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है। यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय,तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का 'नये भारत' का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है। एनसीआरटीसी भविष्य में दिल्ली-अलवर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर पर भी काम कर रहा है। इनके पूरा होने पर पूरा एनसीआर एक एकीकृत तेज रफ्तार रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

इतनी बड़ी परियोजना में स्वाभाविक रूप से कई चुनौतियाँ आईं, जैसे भूमि अधिग्रहण के दौरान स्थानीय विरोध, कोरोना महामारी के कारण निर्माण कार्य में देरी आदि। परियोजना में कई तकनीकी और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी बाधाएँ थी, लेकिन एनसीआर टी सी ने इन सभी चुनौतियों का सफल समाधान किया और परियोजना को समय पर लगभग पूरा कर लिया।नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर केवल एक रैपिड रेल लाइन नहीं है, यह भारत की प्रगति, उसकी सोच और उसके भविष्य का प्रतीक है। यह लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला प्रोजेक्ट है।जब यह कॉरिडोर पूरी तरह चालू होगा,तो हम देखेंगे कि कैसे एक आधुनिक, तेज और सुरक्षित परिवहन प्रणाली केवल यात्रा ही नहीं,बल्कि पूरा सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य बदल सकती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।)

मुद्दा : नौकरशाही की भूमिका

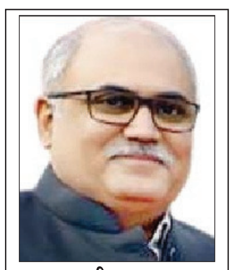
रजनीश कपूर

भारतीय नौकरशाही देश की शासन व्यवस्था की रीढ़ है। नौकरशाहों को अपने कार्यकाल के दौरान ऐसी गोपनीय जानकारी और दस्तावेज तक पहुंच प्राप्त होती है, जो देश की सुरक्षा, नीति निर्माण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से संबंधित होती हैं। ये दस्तावेज और जानकारी अक्सर संवेदनशील प्रकृति के होते हैं, जिनका सार्वजनिक खुलासा राष्ट्रीय हितोंङ्क कूटनीतिक संबंधों, या आंतरिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य उच्च पदों पर कार्यरत नौकरशाहों को जिम्मेदारी दी जाती है कि इस गोपनीयता का सम्मान करें और इसे अपने कार्यकाल के बाद भी बनाए रखें। हालांकि, कुछ सेवानिवृत्त नौकरशाह, विशेष रूप से असंतुष्ट या नाराज, अपने अनुभवों या जानकारी के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक करने का निर्णय लेते हैं। परिणामस्वरूप विवाद उत्पन्न होते हैं। सवाल उठता है कि क्या ऐसा करना नैतिक रूप से उचित है? क्या इसमें कोई अपवाद हो सकते हैं? उल्लेखनीय है कि भारतीय नौकरशाहों को अपने कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए गोपनीयता की शपथ लेनी पड़ती है, जो न केवल उनके कार्यकाल के दौरानङ्क बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी लागू रहती है। हालांकि, देखा गया है कि कुछ नौकरशाह, विशेष रूप से वे जो अपने कार्यकाल के दौरान किसी कारण से असंतुष्ट रहे हों, सेवानिवृत्ति के बाद अपनी आत्मकथाओं, साक्षात्कारों, या लेखों के माध्यम से ऐसी जानकारी साझा करते हैं, जो पहले गोपनीय मानी जाती थी। ये खुलासे अक्सर सनसनीखेज होते हैं, और राजनीतिक, सामाजिक, या प्रशासनिक विवादों को जन्म देते हैं।

यह एक जटिल सवाल है कि क्या सेवानिवृत्त नौकरशाहों का गोपनीय जानकारी साझा करना उचित है? नौकरशाहों का कर्त्तव्य है कि गोपनीयता की शपथ का पालन करें। इस शपथ का उल्लंघन न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। यदि नौकरशाह सेवानिवृत्ति के बाद संवेदनशील जानकारी साझा करने लगें तो इससे भविष्य में सरकार और नौकरशाहों के बीच विश्वास की कमी हो सकती है। ऐसे खुलासे अक्सर व्यक्तिगत नाराजगी या बदले की भावना से प्रेरित होते हैं जिससे उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठता है। यदि कोई नौकरशाह अपने कार्यकाल के दौरान किसी नीति या निर्णय से असहमत था, तो सेवानिवृत्ति के बाद उसका खुलासा करना व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने जैसा प्रतीत हो सकता है।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि यदि कोई नौकरशाह ऐसी जानकारी का खुलासा करता है जो सार्वजनिक हित में हो, जैसे कि भ्रष्टाचार, शक्ति का दुरु पयोग या मानवाधिकारों का उल्लंघन, तो इसे उचित ठहराया जा सकता है। जैसे कि यदि कोई नौकरशाह देखता है कि किसी नीति या निर्णय से देश को गंभीर नुकसान हुआ है और वह इसे सार्वजनिक करने का निर्णय लेता है ताकि भविष्य में सुधार हो सके तो इसे नैतिक रूप से उचित माना जा सकता है। ऐसे मामलों में, खुलासा करने का उद्देश्य व्यक्तिगत लाभ या बदला लेना नहीं, बल्कि समाज और देश के हित में होता है।

क्या हर परिस्थिति में गोपनीयता का पालन अनिवार्य है, या कुछ अपवाद भी हो सकते हैं? कुछ विशेष परिस्थितियों में नौकरशाहों के खुलासे को नैतिक रूप से उचित माना जा सकता है। कुछ मामलों में नौकरशाहों को कानूनी रूप से संरक्षित किया जाता है, यदि वे व्हिसलब्लोअर के रूप में कार्य करते हैं। भारत में व्हिसलब्लोअर्स प्रोटेक्शन एक्ट, 2014, भ्रष्टाचार या अनैतिक गतिविधियों को उजागर करने वालों को कुछ हद तक संरक्षण प्रदान करता है। हालांकि, इस कानून के तहत सुरक्षा सीमित है, और सेवानिवृत्त नौकरशाहों के लिए इसका उपयोग जटिल हो सकता है। कुछ मामलों में, सेवानिवृत्त नौकरशाह ऐतिहासिक घटनाओं या नीतियों के बारे में जानकारी साझा करते हैं, जो अब गोपनीय नहीं है, और जिनका खुलासा समाज के लिए शिक्षाप्रद हो सकता है। जैसे कि स्वतंत्रता के बाद की

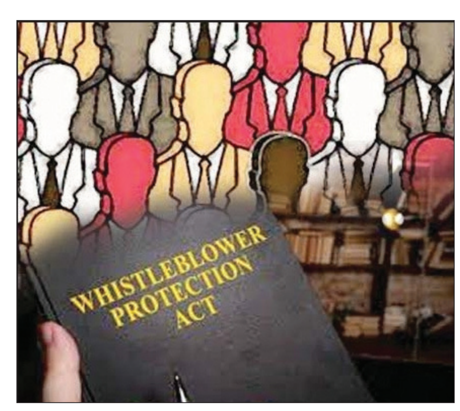

नीतियों या कूटनीतिक निर्णयों के बारे में जानकारी इतिहासकारों और नीति निमार्ताओं के लिए उपयोगी हो सकती है। इस मुद्दे को संतुलित करने के लिए, सरकार को व्हिसलब्लोअर संरक्षण को और मजबूत करना चाहिए ताकि नौकरशाह अपने कार्यकाल के दौरान ही गलत कार्यों को उजागर कर सकें। वो भी बिना किसी डर के। सेवानिवृत्त नौकरशाहों के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए कि किन परिस्थितियों में जानकारी साझा की जा सकती है। अंततः, नौकरशाहों को समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी देश और जनता के प्रति है, न कि व्यक्तिगत हितों या नाराजगी के लिए। गोपनीयता और पारदर्शिता के बीच संतुलन बनाए रखना ही एक मजबूत और विश्वसनीय प्रशासन की कुंजी है।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

बालेंद्र शाह ने बताया क्यों ठुकराया नेपाल के पीएम का पद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जेन-जेड प्रदर्शन के बाद अब सुशील कार्की को अंतरिम पीएम बनाया जाएगा। इसके बाद काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह का फेसबुक पोस्ट सामने आया है। उन्होंने अपने ट्वीट में ये भी बताया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद लेने के लिए हामी नहीं भरी थी। बालेंद्र शाह ने पोस्ट में लिखा, प्रिय जेन-जी और सभी नेपालियों से मेरा अनुरोध है कि देश इस समय अभूतपूर्व स्थिति से गुजर रहा है। आप अब एक सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कृपया इस समय घबराएं नहीं; धैर्य रखें। अब देश को एक अंतरिम सरकार मिलने वाली है, जो देश में नए चुनाव कराएगी। इस अंतरिम सरकार का काम चुनाव कराना और देश को एक नया जनादेश देना है। शाह ने आगे लिखा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की) को इस अंतरिम/चुनावी सरकार का नेतृत्व सौंपने के आपके प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता हूं। मैं आपकी समझ, बुद्धिमत्ता और एकता का तहे दिल से सम्मान करता हूं। इससे पता चलता है कि आप कितने परिपक्व हैं। मैं अपने उन दोस्तों से, जो इस समय नेतृत्व संभालने की जल्दी में हैं, यही कहना चाहता हूं कि देश को आपके जुनून, आपकी सोच और आपकी ईमानदारी की स्थायी रूप से जरूरत है, अस्थायी रूप से नहीं। इसके लिए चुनाव होंगे। कृपया जल्दबाजी न करें। माननीय राष्ट्रपति जी, जेन-जी की ओर से लाई गई ऐतिहासिक क्रांति की रक्षा के लिए, एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए और संसद को अविलंब भंग किया जाना चाहिए। बालेंद्र शाह ने परोक्ष रूप से फेसबुक पोस्ट में बता दिया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद को स्वीकार नहीं किया। दरअसल सुशील कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनी हैं। इस सरकार का काम होगा जल्द से जल्द चुनाव कराना और तब तक देश में शांति व्यवस्था बनाए रखना। बालेंद्र शाह चाहते हैं कि वह चुनाव जीतकर सत्ता पर काबिज हो, इससे जनता में उनकी पकड़ मजबूत बनी रहेगी।

इस्राइल बोला- यरूशलम हमले के आरोपियों के घर ढहाए जाएंगे

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने यरूशलम में बस स्टॉप पर हुए हमले के मामले में कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने हमले के दोनों आरोपियों, उनके रिश्तेदारों तथा कस्बे के रहने वाले अन्य लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। यही नहीं, हमलावरों के रिश्तेदारों व उनके गांवों के सैकड़ों लोगों का वर्क परमिट भी रद्द किया जाएगा। यरूशलम के बस स्टॉप पर सोमवार को बंदूकधारियों के हमले में छह लोग मारे गए थे, जबकि कई घायल हुए थे। दोनों बंदूकधारी मौके पर ही मारे गए थे। दोनों हमलावर इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के कतन्ना और कुबेइबा कस्बों के रहने वाले थे। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने एक बयान में कहा कि उन्होंने हमलावरों के परिवार के सदस्यों और दोनों कस्बों के बाशिंदों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। दोनों कस्बों में बिना परमिट के बने हर ढांचे को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अदालत ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत देते हुए उन्हें फिलहाल फेड गवर्नर पद पर बने रहने का निर्देश दिया है। लिसा कुक को ट्रंप ने बर्खास्त कर दिया था। एक संघीय अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। यह फैसला पारंपरिक रूप से स्वतंत्र रहने वाले फेडरल रिजर्व पर नियंत्रण स्थापित करने के ट्रंप प्रशासन के प्रयासों के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व, कीमतों को स्थिर रखने और रोजगार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अल्पकालिक ब्याज दरें निर्धारित करता है। ट्रंप ने 25 अगस्त को कुक को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल कुक पर आरोप लगा कि उन्होंने साल 2021 में खरीदी गई दों संपत्तियों के संबंध में धोखाधड़ी की थी। हालांकि उस वक्त लिसा कुक फेडरल रिजर्व गवर्नर नहीं थीं। कुक ने इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील की। अदालत में कुक के वकीलों ने तर्क दिया कि कुक को बर्खास्त करना गैरकानूनी था क्योंकि राष्ट्रपति फेड गवर्नरों को केवल किसी ठोस वजह से ही बर्खास्त कर सकते हैं। इन वजहों में पद पर रहते हुए अक्षमता, कर्तव्य की उपेक्षा या दुराचार जैसे आरोप शामिल हैं। लिसा कुक ने अदालत में कहा कि बर्खास्त किए जाने से पहले उन्हें सुनवाई और आरोपों का जवाब देने का मौका मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

पृथ्वी अकेली नहीं, मंगल ग्रह पर भी था जीवन? नासा के रोवर की खोज से हिले वैज्ञानिक

लंदन एजेंसी। लाल ग्रह मंगल पर जीवन की खोज लंबे समय से वैज्ञानिकों का सपना रही है। अब, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने एक ऐसी खोज की है जो इस सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। रोवर द्वारा एकत्रित एक चट्टान के नमूने में प्राचीन सूक्ष्मजीवों के संभावित जीवाश्म या जैविक संकेत मिले हैं, जो मंगल पर अरबों वर्ष पुराने जीवन की ओर इशारा करते हैं। अगर ये खोज सही साबित हो जाती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि पृथ्वी अकेली नहीं है जहां जीवन है। हालांकि, वैज्ञानिक स्पष्ट करते हैं कि यह अभी पुष्टि नहीं हुई है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले 'पर्सिवरेंस' द्वारा वहां एकत्र किए गए नमूनों का पृथ्वी की प्रयोगशालाओं में गहन विश्लेषण जरूरी है। नासा के वैज्ञानिकों ने बुधवार को इस खोज की घोषणा की, जो पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक शोध पत्र पर आधारित है। यह खोज मंगल के जीवन की तलाश में अब तक की सबसे मजबूत संभावना मानी जा रही है। नासा की साइंस मिशन डायरेक्टोरेट की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निक्की फॉक्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह हमारे अविश्वसनीय पर्सिवरेंस रोवर की खोज है, जो मंगल पर प्राचीन जीवन की खोज के सबसे करीब पहुंच गई है। वर्ष 2021 से मंगल ग्रह पर घूम रहा यह रोवर सीधे तौर पर जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके बजाय, यह चट्टानों

और नलियों में छेद करने के लिए एक ड्रिल लेकर चलता है ताकि अरबों साल पहले जीवन के लिए सबसे उपयुक्त माने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों को रखा जा सके। नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाने की प्रतीक्षा है। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो नासा द्वारा सस्ते, त्वरित विकल्पों की तलाश के कारण रोक दी गई है। दो वैज्ञानिकों एसईटीआई संस्थान के जेनिस बिशप और मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय के मारियो पेरेंटे ने इसे एक रोमांचक खोज बताते हुए कहा कि इसके लिए गैर-जैविक प्रक्रियाएं जिम्मेदार हो सकती हैं। स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय के प्रमुख शोधकर्ता जोएल ह्यूरोविट्ज़ ने कहा, यही कारण है कि हम यह नहीं कह सकते कि यह जीवन का सकारात्मक प्रमाण है।

चेयावा फॉल्स चट्टान और उसके रहस्यमयी धब्बे : यह खोज तब हुई, जब पर्सिवरेंस रोवर मंगल के जेरो क्रेटर में एक प्राचीन सूखी नदी घाटी का पता लगा रहा था। क्रेटर मंगल ग्रह के उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, यह कभी एक विशाल झील था जहां नदियां बहती थीं। रोवर ने यहां एक लाल रंग की चट्टान को पाया, जिसका नाम चेयावा फॉल्स रखा गया। इस चट्टान पर अनियमित तेंदुए के धब्बे और छोटे-छोटे पॉपी सीड्स जैसे निशान दिखाई दिए, जो मिलीमीटर आकार के हैं। परिणाम चौंकाने वाले थे- चट्टान में कार्बनिक कार्बन (जीवन का मूलभूत ब्लॉक), आयरन फॉस्फेट और आयरन सल्फाइड से भरपूर खनिज पाए गए। पृथ्वी पर, ये रासायनिक यौगिक तब बनते हैं जब सूक्ष्मजीव जैविक पदार्थों को तोड़ते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये धब्बे प्राचीन माइक्रोबियल गतिविधियों के उप-उत्पाद हो सकते हैं, जो अरबों वर्ष पहले मंगल के गर्म और नम वातावरण में फले-फूले होंगे। जब हम पृथ्वी पर ऐसी विशेषताओं को देखते हैं, तो ये अक्सर सूक्ष्मजीवों के चयापचय का परिणाम होते हैं जो जैविक पदार्थों का सेवन करते हैं। यह चट्टान मंगल पर जीवन की संभावना के लिए सबसे आकर्षक उम्मीदवार है।

मंगल की सतह पर जीवन की तलाश : पर्सिवरेंस रोवर फरवरी 2021 में जेरो क्रेटर में उतरा था। इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन जीवन के संकेत ढूंढना और नमूने इकट्ठा करना है। रोवर ने अब तक 30 से अधिक नमूने एकत्र किए हैं, जो टाइटेनियम ट्यूबों में बंद हैं। ये नमूने पृथ्वी पर लौटाए जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन नासा का सैंपल रिटर्न मिशन अभी अनिश्चित है। वाइट हाउस के बजट कटौती प्रस्ताव के कारण, एजेंसी सस्ते और तेज विकल्प तलाश रही है। रोवर ने जेरो क्रेटर की खोज में ब्राइट एंजेल नामक संरचना का अध्ययन किया, जो नेरेटवा वैली की एक प्राचीन नदी घाटी है। यहां पानी की मौजूदगी के प्रमाण मिले, जो जीवन के लिए आदर्श वातावरण दर्शाते हैं। रोवर के उपकरणों ने मौसम की जानकारी भी एकत्र की है, जो भविष्य के मानव मिशनों के लिए उपयोगी होगी।

ट्रंप की गलतियों से 20 साल पीछे जा सकते हैं भारत-अमेरिका के रिश्ते, यूएस सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों और कूटनीतिक गलतियों ने भारत और अमेरिका के बीच 25 साल की मेहनत से बने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है। एक प्रमुख डेमोक्रेट सांसद और कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने चेतावनी दी है कि अगर ये हालात नहीं सुधरे, तो दोनों देशों के बीच की साझेदारी को गहरा नुकसान हो सकता है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल बुलाई गई, जिसमें भारत-अमेरिका रिश्तों की अहमियत को बचाने की आवाज उठी। कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया। इसमें पूर्व अमेरिकी राजदूत रिच वर्मा और एरिक गार्सेटी के साथ-साथ उद्योगपति विनोद खोसला और भारतीय मूल के टेक लीडर्स शामिल हुए। यह कॉल इस बात का सबूत है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय में इस रिश्ते को लेकर कितनी बेचैनी है।

रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी : रो खन्ना ने साफ कहा, मैं ये कॉल तब तक न बुलाता, जब तक बात गंभीर न होती। हमें इस रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी है। खन्ना ने पहले भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो में भारत-अमेरिका रिश्तों में आ रही गिरावट पर चिंता जताई थी। उनकी इस पहल से साफ है कि वो इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। इस कॉल में शामिल पूर्व राजदूतों ने भी हालात की गंभीरता को रेखांकित किया। रिच वर्मा ने कहा कि पिछले दो महीनों में ट्रंप की नीतियों ने 25 साल की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया।

बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र : उन्होंने 2000 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र किया, जब अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान नीति को अलग-अलग करने का फैसला किया था।

मेक्सिको में गैस टैंकर में जोरदार धमाका, तीन की मौत और 70 घायल; 18 वाहन सड़क पर खाक

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको सिटी से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां पर एक प्रमुख राजमार्ग पर एक गैस टैंकर में अचानक ब्लास्ट हो गया। इस धमाके के कारण लोगों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इस घटना में 70 से अधिक घायल हुए हैं। मेक्सिको सिटी की मेयर ने इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। 18 वाहन जलकर हुए खाक बता दें कि मेक्सिको सिटी की मेयर क्लारा ब्रुगाडा ने इस घटना को इमरजेंसी के तौर पर बताया। उन्होंने बताया कि टैंकर में हुए विस्फोट के कारण आसपास मौजूद 18 वाहन जल गए। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से घायल 19 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। सिटी मेयर का कहना है कि इस मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दी गई है। हालांकि, शुरुआती स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि हाईवे पर ट्रक के पलटने के बाद विस्फोट हुआ।

काश पटेल ने ट्रंप के आगे घुटने टेक दिए, तीन बर्खास्त एफबीआई अधिकारियों ने दायर किया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक मुकदमा दायर करते हुए एफबीआई निदेशक काश पटेल और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी पर आरोप लगाया कि उन्हें पिछले महीने गलत राजनीतिक कारणों से बर्खास्त किया गया। मुकदमे में दावा किया गया है कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रतिशोध अभियान का हिस्सा थी, जिसमें ट्रंप के प्रति पर्याप्त राजनीतिक वफादारी न दिखाने वाले अधिकारियों को निशाना बनाया गया। मुकदमा दायर करने वालों में ब्रायन ड्रिस्कॉल, स्टीव जेनसन और स्पेंसर इवांस शामिल हैं। ये तीनों उन पांच अधिकारियों में से हैं जिन्हें पिछले महीने सेवा से हटाया गया। शिकायत में कहा गया है कि एफबीआई निदेशक काश पटेल

ने खुद स्वीकार किया था कि एजेंटों को उनके द्वारा की गई जांच के आधार पर हटाना संभवतः अवैध है, लेकिन ट्रंप प्रशासन और न्याय विभाग का दबाव इतना अधिक था कि वे रोक नहीं सके। पटेल ने कथित तौर पर ड्रिस्कॉल से कहा था, एफबीआई ने राष्ट्रपति को जेल भेजने की कोशिश की थी और वह इसे भूले नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पटेल ने शपथ लेने के तहत वादा किया था कि सभी एफबीआई कर्मचारियों को राजनीतिक प्रतिशोध से बचाया जाएगा, लेकिन वास्तविकता में उन्होंने ट्रंप प्रशासन के दबाव में झुकते हुए संविधान और संघीय कानूनों का उल्लंघन किया। ड्रिस्कॉल ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में एक महीने के लिए कार्यवाहक निदेशक रहे। उनको कथित तौर पर एक सैनिक और सम्मानित एजेंट को बर्खास्त करने से इनकार करने के लिए निशाना बनाया गया। जेन्सन को काश पटेल ने ही वाशिंगटन फील्ड कार्यालय का प्रमुख नियुक्त किया था, लेकिन जनवरी 6 हमले से जुड़े मामलों में उनकी भूमिका के कारण उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। मुकदमे में कहा गया है कि पूर्व एजेंट डैन बोंगिनो और अन्य ट्रंप समर्थकों ने सोशल मीडिया पर जेन्सन के खिलाफ अभियान चलाया, जिसके बाद पटेल ने उन्हें कार्य प्राथमिकताओं में देरी का बहाना बनाकर बर्खास्त कर दिया। इवांस को कोविड-19 महामारी के दौरान एफबीआई के मानव संसाधन विभाग में वैक्सीन छूट अनुरोधों की समीक्षा करने के लिए निशाना बनाया गया, जहां एक पूर्व एजेंट ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ शिकायतें कीं और पटेल तक पहुंच बनाए रखी। मुकदमे में ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे स्टेफन मिलर (मुख्य घरेलू नीति सलाहकार) और पूर्व कार्यवाहक उप-महान्यायवादी एमिल बोवे का भी जिक्र है, जिन्होंने कथित तौर पर ट्रंप-विरोधी जांचों में शामिल एजेंटों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। वकीलों का कहना है कि इस बर्खास्तगी ने न केवल अधिकारियों के करियर पर चोट पहुंचाई है, बल्कि उनके भविष्य के रोजगार के अवसर भी सीमित कर दिए हैं।

गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे, चार्ली किर्क की हत्या पर ट्रंप का फूटा गुस्सा; किसे ठहराया हमले का जिम्मेदार?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने यूटा वैली विश्वविद्यालय में अपने सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या पर गहरा दुख और गुस्सा जताया। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि उनका प्रशासन इस अत्याचार और अन्य प्रकार की राजनीति में शामिल हर एक शख्स को न्याय के कठघरे में पहुंचाएगा। चार्ली किर्क की हत्या पर क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक वीडियो पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सालों से, कट्टरपंथी वामपंथी चार्ली जैसे अद्भुत अमेरिकियों की तुलना नाज़ियों और दुनिया के सबसे बुरे सामूहिक हत्यारों और

अपराधियों से करते रहे हैं। इस वीडियो संदेश में उन्होंने किर्क की हत्या को जघन्य और अमेरिका के लिए एक काला क्षण बताया।

ट्रंप ने इस हत्या के लिए किसे ठहराया जिम्मेदार : अपने वीडियो संदेश में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल बटलर, पेंसिल्वेनिया में मेरे जीवन पर हुए हमले से लेकर आईसीई एजेंटों पर हमले, न्यूयॉर्क की सड़कों पर एक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी की नृशंस हत्या, और सदन के बहुमत नेता स्टीव स्कैलिस और तीन अन्य की गोली मारकर हत्या तक। कट्टरपंथी वामपंथी राजनीतिक हिंसा ने बहुत से निर्दोष लोगों को चोट पहुंचाई है और बहुत से लोगों की जान ली है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि कट्टरपंथी वामपंथियों की बयानजाबी अमरिका में आतंकवादक के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इसको तुरंत रोकना होगा।

कानून के कठघरे में लाए जाएंगे के सभी आरोपी : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा प्रशासन उन सभी लोगों को ढूंढ निकालेगा जिन्होंने इस अत्याचार और अन्य राजनीतिक हिंसा में योगदान दिया है, जिनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो इसे वित्तपोषित और समर्थित करते हैं, साथ ही वे लोग भी जो हमारे न्यायाधीशों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और हमारे देश में व्यवस्था बनाए रखने वाले अन्य सभी लोगों के पीछे पड़े हैं।

पार्टनर के लिए छोटी होने की चाहत, हाइट कम करने को महिलाएं करवा रही हैं सर्जरी

इस्तांबुल , एजेंसी। अब तक आपने पुरुषों के लेग-लेंथनिंग सर्जरी (ऊंचाई बढ़ाने) की खबरें खूब सुनी होंगी, लेकिन तुर्की में अब महिलाओं के बीच ठीक उलटा चलन सामने आया है। लिंब-शॉर्टनिंग सर्जरी यानी जान-बूझकर कद कम करवाना। क्या है वजह? प्यार और रिलेशनशिप में रहने वाली लड़कियों और महिलाओं को ज्यादा लंबी दिखने में झिझक होने लगी है। इसलिए वे ऐसा करवा रही हैं। डॉक्टर जांघ या पिंडली की हड्डी को काटकर उसका कुछ हिस्सा निकाल देते हैं। बची हुई हड्डी को स्टील रॉड से जोड़ा जाता है। जांघ की लंबाई अधिकतम 5.5 सेंटीमीटर और पिंडली की लंबाई लगभग 3 सेंटीमीटर तक कम की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक महिला ने अपना कद 172 सेमी (5 फिट पौने 8 इंच) से घटाकर 167.9 सेमी (5 फिट 6 इंच) करवा लिया। इस्तांबुल की कई क्लीनिक इस सर्जरी को लक्जरी पैकेजमें बेच रही हैं। इसमें अस्पताल में भर्ती, शहर की सैर, रेस्तरां डिनर और यहां तक कि बोट राइड भी शामिल हैं। लेकिन सर्जरी के बाद की हकीकत बेहद दर्दनाक होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महीनों तक रिकवरी में लग जाती हैं। कई बार व्हीलचेयर पर रहना पड़ता है। हफ्ते में 4-5 दिन फिजियोथेरेपी करवानी पड़ती है। इसके कई गंभीर खतरे भी हैं। जैसे कि नसों को नुकसान, हड्डियों में इंफेक्शन, मांसपेशियों की कमजोरी और कभी-कभी टूटी हड्डी का न जुड़ पाना भी होता है।

क्यों चाहती हैं महिलाएं छोटा कद : इस्तांबुल में इसे हाइट पॉलिटिक्स कहा जाता है। ज्यादातर पुरुष छोटी कद की महिला साथी पसंद करते हैं, जबकि महिलाएं लंबे पुरुषों को प्राथमिकता देती हैं। ऐसे में अपेक्षाकृत लंबी महिलाएं डेटिंग गैप महसूस करती हैं और कद घटाने तक के कदम उठा रही हैं। आपको यह भी बता दें कि एक शोध में लंबे कद की महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस और कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम अधिक पाया गया है।

अगला नंबर आपका, छोड़ने वाला नहीं इजरायल; डर और बौखलाहट में हिजबुल्ला ने खाड़ी देशों को चेताया

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के नेता ने बुधवार को कहा कि कतर पर इजरायल का हमला खाड़ी देशों के लिए एक चेतावनी है कि अगर क्षेत्र में चमरपंथी समूहों की हार हुई तो भविष्य में उन्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। कतर की राजधानी दोहा में फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के राजनीतिक नेतृत्व पर इजरायल के हमले के बाद हिज्बुल्ला के नेता नईम कासिम ने यह टिप्पणी की है। कतर की सरकार गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने में एक मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रही है। हमास ने कहा है कि इजराइली हमले में उसके पांच सदस्यों की मौत हुई है। जबकि कतर के एक सुरक्षा अधिकारी की भी जान चली गई है। कासिम ने कहा, हम कतर के साथ हैं जिस पर आक्रमण हुआ है और हम फलस्तीनी प्रतिरोध का भी समर्थन करते हैं।

ग्रेटर इजरायल स्थापित करने की कोशिश : उन्होंने कहा कि यह हमला मध्य

एशिया के एक बड़े हिस्से पर ग्रेटर इजरायल स्थापित करने के इजरायल के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने इजरायल से सामान्य संबंध रखने वाले बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के देशों की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर प्रतिरोध करने वालों को दुश्मन हरा देता है तो अगला नंबर आपका होगा।

दोहा में हमास के ठिकानों पर हमले : बता दें कि मंगलवार को इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। माना जा रहा है कि इजरायल का यह हवाई हमला हमास को बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत करने के लिए मजबूर करने में कारगर साबित हो सकता है। दोहा में इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के हमलों ने आतंकवादी समूह हमास के उन नेतृत्व को खत्म कर दिया है जिसने 7 अक्टूबर 2023 को हुए नरसंहार की योजना बनायी थी और जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जीवित बचे एकमात्र हमास नेता खालिद मशाल हैं क्योंकि वह दोहा परिसर में मौजूद नहीं थे जहां हमला हुआ था।

हमास आतंकियों को बंगले और पैसे दे रहा है कतर : नेतन्याहू ने कहा कि 11 सितंबर के हमले के तुरंत बाद अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया था। इसमें कहा गया था कि कोई भी आतंकियों को शरण न दे और वे जहां भी होंगे, वहीं पर मारा जाएगा। इजरायली पीएम ने कहा कि हम भी उसी नीति पर काम कर रहे हैं। हमास के आतंकी जहां भी होंगे, हम उन्हें मार गिराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कतर की ओर से हमास के आतंकियों को पाला जा रहा है। उनके लोगों को बंगले दिए जा रहे हैं और पैसे दिए जा रहे हैं। इसी रकम से वे इजरायल के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं।

'लादेन को मारने पर करते थे अमेरिका की तारीफ, हम पर क्यों भड़के' : इजरायल के नेता ने कहा, हम वही कर रहे हैं, जो अमेरिका ने किया था। जैसे उन्होंने अफगानिस्तान में घुसकर अलकायदा के आतंकी मारे थे और पाकिस्तान में बिन लादेन को ढेर किया था। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि जिन देशों ने लादेन को मारे जाने पर अमेरिका की सराहना की थी, वे हमारे ऐक्शन पर निंदा कर रहे हैं। बता दें कि दोहा में हमले से कतर समेत तमाम मुस्लिम देश भड़के हुए हैं। कतर का कहना है कि हमारी राजधानी में हमला करना संप्रभुता के खिलाफ है।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2585

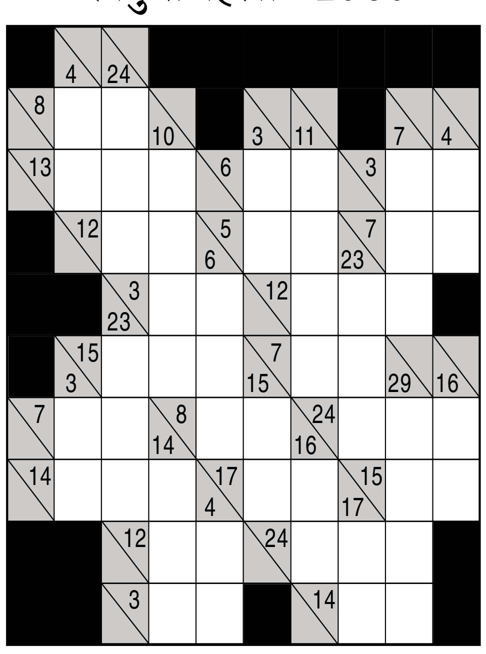

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

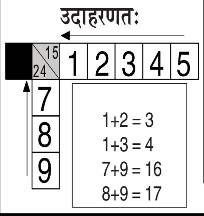

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2584का हल

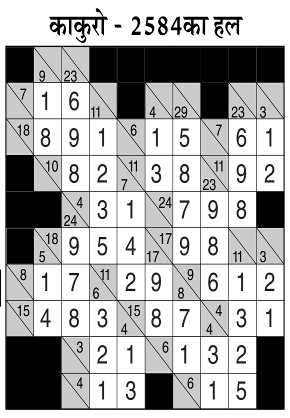

लॉफिंग ज़ोन

एक मुकदमे की सुनवाई चल रही थी. गवाही के लिए एक बूढ़ी महिला को बुलाया गया. सरकारी वकील ने बुढ़िया से पूछा, 'दादी मां, क्या आप मुझे जानती है?'

'हां, हां. बेटा मै तो तुझे बचपन से जानती हूं पर तुमने मुझे बहुत निराश किया है. तुम झूठ बोलते हो, अपनी बीवी को पीटते हो और लोगों के बारे में पीठ पीछे बाते करते हो. तुम खुद को तीसमारखां समझते हो, लेकिन तुम्हें पता नही है कि तुम किसी लायक नही हो.' बुढिया ने जवाब दिया. सरकारी वकील सन्न रह गया. हिम्मत बटोरकर उसने पूछा, 'दादी मां, क्या आप दूसरे वकील को भी जानती हैं?'

'हां, हां. बेटा मैं तो उसकी आया रही हूं. वह भी बिल्कुल तुम्हारे जैसा है. वह बहुत आलसी भी है और शराब का कीड़ा है. दुनिया में किसी से उसकी निभ नहीं सकती.' बुढ़िया ने जवाब दिया.

अदालत सन्न रह गई. जज ने तुरंत हथौडा पीटा, दोनों वकीलों को अपने पास बुलाया और बेहद कड़ी आवाज में फुसफुसाकर कहा, 'अगर तुममें से किसी ने भी बुढ़िया से यह पूछा कि क्या वह मुझे जानती है तो मै तुम्हें अदालत की अवमानना करने के जुर्म में जेल भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2585

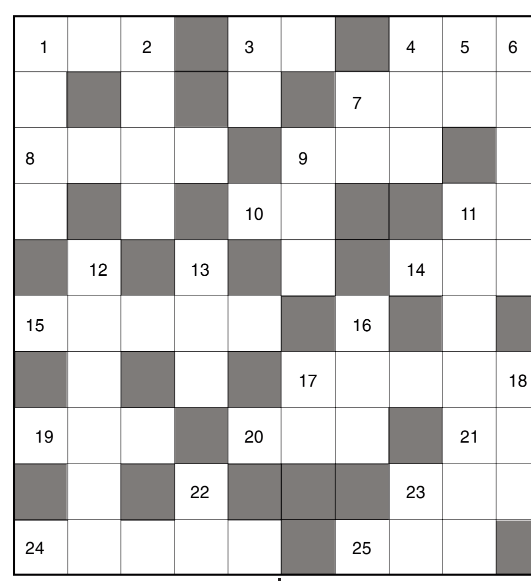

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2584

सूडोकु -2585

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2584 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 2585

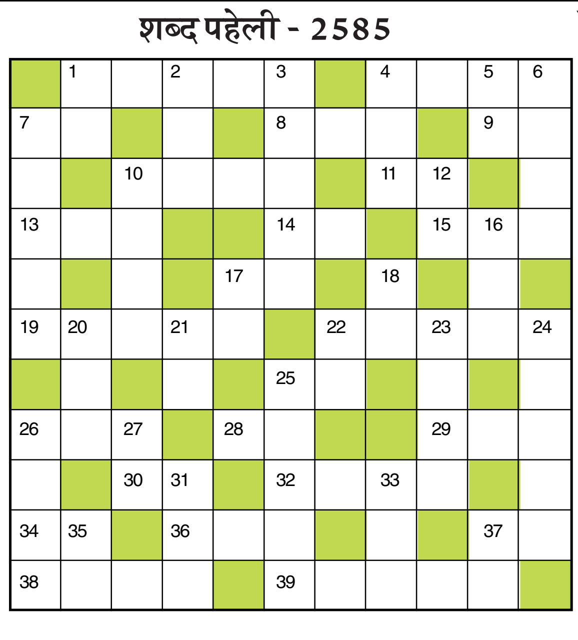

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2584 का हल

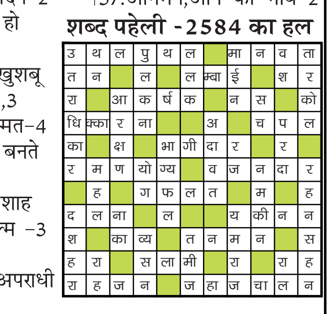

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहाः गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अपनी जड़ों को न जानने के कारण हमने उस पर अभिमान करना समाप्त कर दिया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान भवन में आयोजित संस्कृति मंत्रालय के तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन 'ज्ञान भारतम' की औपचारिक शुरुआत के मौके पर गजेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के समय में नेशनल मैन्युस्क्रिप्ट मिशन प्रारंभ हुआ था। उसमें कुछ कैटेलॉगिंग भी हुआ, कुछ काम भी हुआ, कुछ आइडेंटिफिकेशन के लिए भी हमने काम किया। लेकिन कालांतर में देश में जो व्यवस्थाएं आईं, उसमें यह काम पूरी तरह रुक गया। उसे फिर से नए सिरे शुरू करने की ऐतिहासिक पहल हुई है। उन्होंने कहा कि पांडुलिपियों में जो ज्ञान संरक्षित है, उस ज्ञान की समृद्धि को जब देश की आने वाली पीढ़ियां और वर्तमान पीढ़ी के लोग जानेंगे, तभी उस पर गर्व कर सकते हैं। हजारों वर्ष पहले हमारे ऋषियों मनीषियों ने उन सब विषयों पर चर्चा करके, अपने अपने अनुभव से, अपनी अनुभूति से ऐसे ग्रंथों का सृजन किया, जो आज भी विश्व के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने तब थे, जब उनकी रचना की गई थी।

आंध्र प्रदेश सरकार की एक विशेष उड़ान में 144 यात्री काठमांडू से विशाखापत्तनम पहुंचे

विशाखापत्तनम। नेपाल में फंसे आंध्र प्रदेश के लोगों को सुरक्षित राज्य में लाने के लिए मंत्री नारा लोकेश ने समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने सचिवालय स्थित आरटीजीएस केंद्र से साथी मंत्रियों वंगलपुडी अनिता और कंदुला दुर्गेश और अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। लोकेश ने समय-समय पर स्थिति की निगरानी की और उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मंत्री नारा लोकेश की पहल पर प्रदेश सरकार की एक विशेष उड़ान से 144 लोग नेपाल के काठमांडू हवाई अड्डे से सीधे विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पहुंचेइनमें 104 लोग विशाखापत्तनम और 40 लोग तिरुपति पहुंचेंगे। सरकार ने आंध्र प्रदेश के निवासियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। इनमें से 105 उत्तरांध्र के और 40 चित्तूर एवं कडप्पा के संयुक्त ज़िलों के हैं। उन्हें विशेष बसों और कारों से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। विशाखापत्तनम और तिरुपति हवाई अड्डों पर विधायक और अधिकारी राज्य के लोगों का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। इनमें विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर सांसद भरत, विधायक पल्ला श्रीनिवास राव, वेलागापुडी रामकृष्ण बाबू, अतिथि गजपति राव, वामसी कृष्ण श्रीनिवास, विष्णु कुमार राजू, कोल्ला ललिता कुमारी, कलेक्टर एम.एन. एपी, हरेंधीरा प्रसाद, पुलिस आयुक्त शंखब्रत बागची और कई अन्य अधिकारी शामिल रहे।

अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, तीन ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर ग्रेनेड हमले की जांच के दौरान तीन हैंड ग्रेनेड और एक पिस्तौल बरामद की है। एनआईए के अनुसार आरोपित शरणजीत कुमार उर्फ सनीकी निशानदेही पर पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला के गांव भामड़ी से तीन ग्रेनेड मिले। वहीं, जांचकर्ताओं ने एक 30 बोर की पिस्तौल भी जब्त की, जो शरणजीत को विदेश में बैठे उसके हैंडलरों ने दी थी। बरामद हथियार और विस्फोटक की तकनीकी और फोरेंसिक जांच की जा रही है। शरणजीत को एनआईए ने पिछले शुक्रवार को बिहार के गया से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला कि वह मंदिर पर हुए हमले की साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था। हमले को बाइक सवारगुरसिदक सिंह और विशाल गिलने अंजाम दिया था, जिन्हें विदेशी हैंडलरों से निर्देश मिल रहे थे।जांच में सामने आया है कि शरणजीत ने 1 मार्च को चार ग्रेनेड हासिल किए थे। इनमें से एक ग्रेनेड हमलावरों को 13 मार्च को सौंपा, जिसके बाद 15 मार्च 2025 को हमला हुआ।एनआईए की अब तक की जांच में पता चला है कि यूरोप, अमेरिका और कनाडा में बैठे आतंकी हैंडलर इस हमले के पीछे थे। ये भारत में मौजूद अपने सहयोगियों को हथियार, धन, लॉजिस्टिक मदद और निशाने की जानकारी मुहैया कराते थे। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने फरार आरोpitx को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 11.79 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी बिरंची नारायण दास को गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 1 जनवरी 2017 को दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने नोटबंदी के दौरान फर्जी बैंक खातों के ज़रिए लेन-देन कर सरकार को 11.79 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। इसके लिए उसने झूठी पहचान से बैंक खाता भी खोला था।दिसंबर 2019 में आरोपी को भगोड़ा घोषित करते हुए उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। वह लगातार समन और गैर-जमानती वारंट की अनदेखी करता रहा और अपनी पहचान छिपाने के लिए बार-बार ठिकाना बदलता रहा। सीबीआई ने बताया कि उन्नत तकनीकी उपकरणों और विभिन्न डेटाबेस के विश्लेषण के साथ-साथ व्यापक फील्डवर्क के जरिए आरोपी का वर्तमान ठिकाना पता लगाया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे 11 सितंबर को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़, दो नक्सली ढेर, हथियार और विस्फोटक बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। जबकि, एक राइफल सहित अन्य हथियार और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने गुरुवार की रात से ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे दक्षिण-पश्चिमी बीजापुर के घने जंगलों में संयुक्त टीम ने माओवादियों को घेर लिया। जवाबी कार्रवाई में माओवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। लगभग दो घंटे चली इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने क्षेत्र पर

पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने सर्च के दौरान दो माओवादियों के शव बरामद किए। इनके पास से एक .303 राइफल, एक एसएलआर, कुछ देसी हथियार और भारी मात्रा में आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) मिले।इसके अलावा, दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे चावल, दवाइयां और प्रचार सामग्री भी बरामद हुई। पुलिस को शक है कि मारे गए माओवादी स्थानीय दस्ते के सदस्य हो सकते हैं। लेकिन, उनकी पहचान अभी जारी है। यह घटना बीजापुर के उन इलाकों में हुई, जहां माओवादी लंबे समय से सक्रिय हैं। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया, ऑपरेशन सफल रहा है। लेकिन, अभी खतरा बरकरार है, इसी कारण सर्च जारी रखी गई है।उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन में शामिल बलों की संख्या, सटीक स्थान जैसी संवेदनशील जानकारियां अभी साझा नहीं की जा सकतीं, ताकि जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित रहे। किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। बता दें कि बीजापुर छत्तीसगढ़ का वह जिला है, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख है।

भारत एक सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक स्वास्थ्य अनुसंधान इकोसिस्टम बना रहाः अनुप्रिया पटेल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रत्येक प्रयोगशाला, प्रत्येक नवाचार और प्रत्येक सहयोग 'विकसित भारत' के विजन में योगदान दे रहा है। भारत एक सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक स्वास्थ्य अनुसंधान इकोसिस्टम बना रहा है। दिल्ली में नेशनल वायरस रिसर्च एवं डायग्नॉस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर की 165 वीआरडीएल्स से आए वैज्ञानिक इस दो दिवसीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद इन प्रयोगशालाओं ने देश की सुरक्षा में प्रहरी के रूप में कार्य किया है। वायरस की सीक्वेंसिंग और लगभग 1,700 डायग्नॉस्टिक उत्पादों के वैलिडेशन में इनकी भूमिका अहम रही। अनुप्रिया पटेल ने कहा किउन्होंने जानकारी दी कि अब 16 वीआरडीएल्स में उच्च जोखिम वाले रोगजनकों के अध्ययन के लिए बायो-सेफ्टी लेवल-3 की सुविधा उपलब्ध है। निपाह, जीका और क्यासनूर फॉरेस्ट डिजीज जैसे संक्रमणों की शुरुआती पहचान में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), देश की एकमात्र बीएसएल-4 प्रयोगशाला, का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत जबलपुर, डिब्रूगढ़, बैंगलुरु और जम्मू में चार नए क्षेत्रीय एनआईवी स्थापित किए जा रहे हैं।

एआई वीडियो विवाद पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा बोले- 'ये कांग्रेस की निराशा है'

एजेंसी

लखनऊ । प्रधानमंत्री मोदी को लेकर बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एआई वीडियो पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस वीडियो को कांग्रेस की हताशा बताया है। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने बिहार कांग्रेस के एआई वीडियो पर सवाल उठाए। बातचीत में उन्होंने कहा, यह वीडियो उनकी निराशा को दर्शाता है। मुझे लगता है कि यह कदम उनकी हार की आशंका से उपजा आक्रोश है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह से राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की गैरमौजूदगी को लेकर भी उन्होंने सवाल खड़े किए। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, राहुल गांधी के पास मलेशिया, इटली और स्विट्जरलैंड जाने का समय है, लेकिन जब राष्ट्रपति ने उन्हें एक संवैधानिक समारोह में आमंत्रित किया, तो वे शामिल नहीं हुए। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोहों में भी भाग नहीं लिया। वे संविधान को अपनी जेब में रखने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि वे उसमें विश्वास नहीं करते। वे संवैधानिक संस्थाओं या परंपराओं का कोई सम्मान नहीं करते। बता दें कि बिहार कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी को लेकर एक एआई वीडियो शेयर किया है। भाजपा

मुझे लगता है कि वे मनमाने व्यक्ति हैं और राजनीति के लिए ऐसा शख्स सही नहीं होता है। दिनेश शर्मा ने कर्नाटक सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कर्नाटक में बहुत कुछ बदल रहा है। ऐसा लग रहा है कि वहां की कांग्रेस सरकार धार्मिक अनुष्ठानों को भी बंद कर सकती है। वे भारतीय संस्कृति का जितना हो सके उतना अपमान कर रहे हैं। उन्होंने धर्म के आधार पर आरक्षण भी दिया है, जबकि बाबासाहेब ने कभी धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं दिया। ने इस वीडियो पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे महिलाओं और गरीबों का अपमान करार दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा, मैं तो इतना ही कहूंगा कि राहुल गांधी बहुत नीचे गिर गए हैं। जैसे उन्हें अपनी मां का ख्याल नहीं है, वैसे ही वह किसी और की मां का सम्मान कैसे कर सकते हैं? प्रधानमंत्री के खिलाफ एआई वीडियो बनाने के मामले में उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

उत्तराखंड : काशीपुर में मंदिर भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मजार ध्वस्त

एजेंसी

देहरादून। राज्य की धामी सरकार की ओर से अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर लगातार अभियान जारी है। प्रशासन ने शुक्रवार तड़के जनपद उधमसिंहनगर के काशीपुर तहसील के भूमि अभिलेखों में दर्ज मंदिर वाले स्थान पर कब्जा कर अवैध रूप से बनाई गई मजार को ध्वस्त कर दिया। अब तक राज्य में 553 अवैध मजार संरचनाओं को ध्वस्त किया गया है।

जनपद के काशीपुर तहसील क्षेत्र में ग्राम कचनाल गुसाई में बनी अवैध मजार के संचालक को 27 अगस्त को प्रशासन ने एक शिकायत के आधार पर नोटिस जारी कर भूमि और निर्माण संबंधी दस्तावेज दिखाने के लिए 15 दिन का समय दिया था। अवधि पूर्ण होने के बावजूद संचालक ने नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। प्रशासन ने कई बार मौके पर फोर्स के साथ जाकर स्थिति का जायजा भी लिया। इस दौरान कोई भी इस बारे में चर्चा करने के लिए नहीं मिला। काशीपुर में स्थानीय और वरिष्ठ लोगों की शिकायत थी कि पहले यहां ग्राम देवता का मंदिर हुआ करता था जिसमें किसी ने बाद में

अवैध मजार का रूप दे दिया।मेयर दीपक बाली ने भी इस विषय का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन से वार्ता की थी और जनभावनाओं से अवगत कराया था। आज प्रशासन ने उक्त धार्मिक संरचना को एसडीएम अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन ने बुल्डोजर के साथ की गई इस कारवाई के बाद उक्त मलबा सम्मान पूर्वक हटा दिया। अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने बताया कि अवैध रूप से निर्मित उक्त संरचना को विधि सम्मत रूप से हटा दिया गया है इसमें किसी की ओर से विरासत सामने नहीं आया। उल्लेखनीय है कि धामी सरकार का अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी है। आज ध्वस्त की गई संरचना मंदिर भूमि पर अवैध रूप से बनाई हुई थी जिसका ब्यौरा राजस्व अभिलेखों में भी दर्ज रहा है। उत्तराखंड में अभी तक ऐसी 553 अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया जा चुका है।

लखनऊ सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, 19 घायल

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में काकोरी थाना क्षेत्र में रात कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस दुर्घटना ग्रस्त हो गई। हादसे में बस में सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी पाकर मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब, लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर, जिलाधिकारी विशाख जी समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि हरदोई से यात्रियों को लेकर कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस (यूपी 78 एल एन 1340) लखनऊ आ रही हैं। गुरुवार रात को बेता नाला पुल टिकैतगंज के पास बेकाबू होकर खाई में पलट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर, ट्रामा सेंटर पहुंचकर

घायलों का हालचाल लेने के बाद जिलाधिकारी विशाख जी ने मरीजों को बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि रोडवेज बस हरदोई से लखनऊ आ रही थी। एक राहगीर को बचाने के चक्कर में बेकाबू होकर पलट गई हैं। दुर्घटना में पांच लोगों की जान गई हैं और 19 लोग घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान पीलीभीत जनपद का रहने वाला बाबूराम, मथुरा का नरदेव, बदायूं का संजीव, लखनऊ के काकोरी का दिलशाद की पहचान हो गई है। एक अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त की जा रही हैं। घायलों के इरशाद,अनुराग, अरविन्द अवस्थी, संजय, राजेश मौर्या, बसन्त देवी, संजीव प्रकाश, अरुण कुमार, भरत कुमार, दिनेश , शुभाजीत मुखर्जी, सुहैल अहमद, दुर्गेश, राकेश, अविरल वर्मा, अनूप, अनुजराज , चालक अनिल कुमार और परिचालक मोहम्मद रेहान को इलाज के लिए अस्पताल भेजा हैं। डीएम ने बताया कि घायलों को पहले सीएचसी काकोरी और मलिहाबाद भेज गया। इनमें गंभीर आठ लोगों को केजीएमसी ट्रामा सेंटर लाया गया। एक का इलाज बलरामपुर अस्पताल में चल रहा।

कल्याण में 7 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण स्टेशन के पास पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन की टीम इनसे गहन पूछताछ कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस उपनिरीक्षक स्वप्निल भुजबल ने बताया कि उनकी टीम ने गश्त के दौरान छह बांग्लादेशी महिलाओं को रेलवे स्टेशन के पास घुमते हुए हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान, सभी महिलाओं ने बांग्लादेशी नागरिक होने की बात स्वीकार की और भारत में रहने का कोई प्रमाणपत्र नहीं दिखा पाए। उनके सामान की तलाशी में बांग्लादेशी पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र और व्हाट्सएप तथा आईएमओ जैसे ऐप्स वाले मोबाइल फोन मिले, जिनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कॉल करने के लिए किया जाता था। इसके बाद इन सभी छह महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इन छह महिलाओं की पहचान कमालगंज जिले की शिपा बलुन पठान (27), पिराजपुर की शर्मिन मोनिरुल इस्लाम (20), ढाका के जिंजीरा डिवीजन की रीमा सागर अहमद (29), नंदगंज के कंचन जिले की सुमाया अब्दुल कासिम (20), सदर जिले की पूर्णिमा मोहम्मद सुलेमान अख्तर (19) और ढाका के गाजीपुर की ज़ोया जैस्मीन (21) के रूप में की गई है। इसके बाद पुलिस की टीम ने कल्याण स्टेशन के पास एक बांग्लादेशी रॉकी रहीम बादशाह को गिरफ्तार किया। रॉकी रहीम पर इन सभी छह महिलाओं को भारत लाने का संदेह है।

उत्तराखंड को हर संभव मदद देंगे मोदी, धामी की मजबूत पहल का रिजल्ट आया सामने

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के आपदा प्रभावितों के दर्द को महसूस करते हुए न सिर्फ पैकेज स्वीकृति किया बल्कि हर नागरिक को सुरक्षा का भरोसा दिया। धामी की प्रधानमंत्री से निकटता का लाभ उत्तराखंड को निश्चित मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड को 12 सौ करोड़ रुपये का तात्कालिक राहत पैकेज स्वीकृत किया है। अब राज्य सरकार के अलावा मृतक परिजनों व घायलों को अलग से राहत राशि मिलेगी। मानसून में उत्तराखंड बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं से हर साल प्रभावित होता है और इससे राज्य के विकास और जनजीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। चुनौतियों के बीच भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देशभर में आपदा प्रबंधन का नया मॉडल तैयार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सार्वजनिक मंचों से 'देवभूमि' के प्रति अपने विशेष लगाव को जता चुके हैं। केदारनाथ पुनर्निर्माण से लेकर हालिया आपदा तक हर संकट में उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की और लगातार मुख्यमंत्री धामी से संवाद बनाए रखा। राज्य सरकार को हर

संभव मदद देने की उनकी प्रतिबद्धता ने उत्तराखंड को मजबूत सहारा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखंड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करना था, लेकिन खराब मौसम के कारण वे हवाई सर्वेक्षण नहीं कर सके। उन्होंने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण योजनाओं की समीक्षा की। इससे पहले उन्होंने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर ही आपदा प्रभावितों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकार उनके साथ खड़ी हैं। प्रभावितों को हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि धराली में सबकुछ गंवाने वालों के पुनर्वास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी, जरूरत पड़ने पर नियमों में भी संशोधन किया जाएगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल से पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत की मुलाकात

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशन में पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट को देशभर में सराहा गया है। 22 अप्रेल 2025 से देश में प्रथम बार नवाचार के रूप में 1962-मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट कॉल सेंटर के साथ संचालित व्हाट्सएप चैटबॉट '1962-एमवीयू राजस्थान' में वीडियो काल द्वारा केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री श्री एसपी सिंह बघेल ने टेली कंसलटेंसी सेवा संबंधी जानकारी प्राप्त की। 08 सितंबर-2025 को केंद्रीय राज्यमंत्री बघेल द्वारा आकस्मिक रूप से एमवीयू राजस्थान चैटबॉट पर संपर्क किया। उन्होंने वीडियो कॉल द्वारा टेली कंसलटेंसी सेवा संबंधी जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय राज्यमंत्री बघेल ने पशुपालन विभाग राजस्थान के इस नवाचार की सराहना करते हुए उन्होंने इसे अन्य राज्यों में विस्तारित करने योग्य बताया।

किसानों को पर्याप्त खाद की व्यवस्था कराने में नहीं छोड़ी जाएगी कोई कसरः शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैहर जिले के कृषि प्रक्षेत्र गहबरा को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की गतिविधियों से जोडकर यहां के किसानों को उन्नत तकनीकों एवं कृषि क्षेत्र के विस्तार का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को पर्याप्त खाद की उचित व्यवस्था कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मैहर जिले के कृषि प्रक्षेत्र गहबरा में कृषक संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैहर जिला गठन के साथ ही मां शारदा लोक के निर्माण की नीव भी पड़ी है। मैहर जिले का तेज गति से विकास होगा और यहां किसानों के लिए कृषि प्रक्षेत्र गहबरा को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से जोड़कर उन्नति तकनीकों का लाभ दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की सेवा भगवान की पूजा है। केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से नवरात्रि शुरू हो रही है। कृषि उपकरणों एवं अन्य संसाधनों पर 12 प्रतिशत की

जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अब ट्रैक्टर पर 43 से 63 हजार रुपये तक की कीमत कम हुई है। थ्रेसर के दाम पांच हजार रुपये और हार्वेस्टर की कीमतें दो लाख 35 हजार रुपये तक कम हुई है। इसके अलावा मोटर साइकिल, साइकिल, किताबें, कपडे सभी सस्ते होंगे तो महंगाई तेजी से घटेगी। दूध के उत्पाद पनीर, घी पर भी जीएसटी समाप्त होगा तो किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने किसानों से कहा कि अपना देश आत्मनिर्भर बने और लोगों को रोजगार मिले इसके लिए अपनी रोजमर्रा जरूरतों का समान अपने देश में ही बनी हुई खरीदे। उन्होंने स्वदेशी वस्तुयें खरीदने का संकल्प भी किसानों को दिलाया। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग का मंत्री होने के नाते ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और गरीबों का कल्याण और उनके लिए पक्के आवास, लाडली बहनों को लखपति दीदी बनाने का कार्य भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आजीविका मिशन के माध्यम से समूह की हर गरीब दीदी को लखपति बनाने के प्रयास चल रहे हैं।

उन्होंने खाद की समस्या पर किसानों को आश्वास्त करते हुए कहा कि खाद की उचित व्यवस्था कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। राज्य शासन और रसायन मंत्रालय के समन्वय से सुचारू व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल बारिश अच्छी होने से धान का रकबा बढा है और पिछली साल की तुलना में इस साल सवा गुनी मात्रा में खाद आपूर्ति की जा चुकी है। उन्होंने किसानों से कहा कि धैर्य रखे किसानों को लिए पर्याप्त उर्वरक की व्यवस्था की जायेगी।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम ने काशी में देखी गंगा आरती, अभिभूत

एजेंसी

वाराणसी। तीन दिवसीय काशी दौरे पर आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम ने गुरुवार शाम विश्वप्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की भव्य आरती में सहभागिता की। अपनी पत्नी वीना रामगुलाम के साथ आरती में शामिल हुए प्रधानमंत्री भावविभोर नजर आए। उन्होंने सपत्नी गंगा आरती भी किया तथा मस्तक पर चंदन टीका भी लगवाई। आरती के दौरान वे मंत्रोच्चार, शंखनाद और डमरू की गूंज के बीच हाथ जोड़कर श्रद्धाभाव से मां गंगा की आराधना करते दिखाई दिए। इस विशेष अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना भी उनके साथ मौजूद रहे। गंगा सेवा निधि द्वारा आयोजित इस विशेष महाआरती को और भव्य बनाने के लिए घाट पर विशेष सजावट की गई थी। गंगा में आई बाढ़ के चलते आरती कार्यक्रम घाट की छत पर आयोजित किया गया, जिसे देखने के लिए प्रधानमंत्री क्रूज के छत पर लगाई गई कुर्सियों पर बैठे। आरती से पूर्व प्रधानमंत्री रामगुलाम रविदास घाट से लक्जरी विवेकानंद क्रूज पर सवार होकर दशाश्वमेध घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना के साथ गंगा के किनारे बसे प्राचीन भवनों, घाटों और नैसर्गिक सुंदरता का अवलोकन किया। रविदास घाट पर पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने पारंपरिक अंदाज में अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। क्रूज पर सवार होने से पहले प्रधानमंत्री ने श्रद्धा भाव से मां गंगा को प्रणाम किया। गंगा आरती के दौरान वे बार-बार मंत्रमुग्ध होकर आरती में लीन दिखाई दिए। आरती स्थल को फूलों के वंदनवार और दीपों की रोशनी से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण अलौकिक और आध्यात्मिक हो उठा। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने न सिर्फ गंगा आरती का आध्यात्मिक रसास्वादन किया, बल्कि सनातन परंपरा के पंचमहाभूत - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश - के प्रतीकों को भी समझने का प्रयास किया। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच संपन्न हुए इस कार्यक्रम के उपरांत प्रधानमंत्री नमोघाट से सड़क मार्ग से नदेसर स्थित ताज होटल लौटे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया भी किया।

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि मास्टर ब्लास्टर को रोजर बिन्नी की जगह BCCI अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ रिपोर्ट और अफवाहें फैल रही हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।'

BCCI अध्यक्ष का पद फिलहाल खाली है, क्योंकि रोजर बिन्नी को इस साल की शुरुआत में 70 साल की उम्र पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। बोर्ड के संविधान के अनुसार कोई भी पदाधिकारी 70 की उम्र के बाद पद पर नहीं रह सकता। इस बीच उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। पदाधिकारियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाली BCCI की वार्षिक आम बैठक में होंगे और ऐसी अटकलें हैं कि सर्वसम्मति से इस पद के लिए तेंदुलकर से संपर्क किया जा सकता है।

तेंदुलकर के BCCI अध्यक्ष बनने की खबर उस समय और अधिक चर्चा में आई जब एक मीडिया हाउस ने दावा किया गया है कि अपने करियर के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रसिद्ध एक दिग्गज भारतीय क्रिकेटर पर भी इस शीर्ष पद के लिए विचार किया जा रहा है। पूर्व क्रिकेटरों द्वारा BCCIअध्यक्ष पद संभालने का चलन 2019 में शुरू हुआ, जब सौरव गांगुली ने यह पद संभाला। बाद में भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बिन्नी ने उनकी जगह ली।

गौरतलब है कि तेंदुलकर ने कभी कोई प्रशासनिक पद नहीं संभाला है और BCCI अध्यक्ष बनने के लिए किसी राज्य क्रिकेट संघ का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। BCCI

संविधान के अनुसार प्रत्येक पूर्व भारतीय खिलाड़ी स्वतः ही अपने संबंधित राज्य संघ का सदस्य बन जाता है। हालांकि, BCCI में किसी भी पदाधिकारी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए उस राज्य संघ से औपचारिक नामांकन आवश्यक है।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

दुबई (एजेंसी)। यहां खेले जा रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक दर्शकों की कमी देखी गयी है। यहां तक कि रविवार को होने वाले भारत और पाकिस्तान मैच के लिए भी टिकटों की मांग नहीं हैं। पहले जहां टिकटों की भारी मांग रहती थी और मोटी कीमत पर भी लोग इन्हें खरीदने के लिए तैयार रहते थे। वहीं इस बार आधी टिकटें भी नहीं बिकी है। इससे लगता है कि अब भारत-पाक मैच का आकर्षण पहले जैसा नहीं रहा। या दर्शक इस बार पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर रहे हों। रविवार को दोनो ही टीमों के बीच दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ये मैच है पर अभी तक 50 फीसदी टिकट नहीं बिके हैं।

ये पहली बार ऐसा है, जब दोनो- टीमों के बीच मैच के टिकट मैच से पहले तक उपलब्ध रहने वाले हैं। इन टीमों के बीच मैच में प्रशंसकों के बीच टिकटों को लेकर मारामारी मची रहती थी पर इस बार ऐसा नहीं है। इसका कारण है कि करीब 50 फीसदी टिकट अभी भी नहीं बिके हैं। इसका बड़ा कारण ये हो सकता है कि भारतीय प्रशंसक इस मैच का बहिष्कार कर रहे हों और वे क्रिकेट जगत को दिखाना चाहते हैं कि वे पाक के साथ किसी भी स्तर पर क्रिकेट देखना पसंद नहीं करेंगे।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से ही प्रशंसक पाक से किसी प्रकार का संबंध नहीं चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इस बात से नाराज थे कि भारत सरकार और बीसीसीआई ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार नहीं किया। यही नाराजगी अब टिकट खिड़की पर दिख रही है। जिस मैच के लिए ब्लैक में टिकट मिलते थे, उस मैच के लिए टिकट बिक नहीं पा रहे। इससे पहले भारतीय पूर्व क्रिकेटरों ने ने लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान का बहिषकार किया था। टिकट कम बिक्री का एक कारण ये भी माना जा रहा है कि

पाकिस्तान की टीम अब पहले जैसी नहीं रही और ये मैच एकतरफा होने लगे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने पिछले 5 मैच आसानी से जीते हैं। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान की टीम भारत को टक्कर नहीं दे पाती।

ब्रेट ली की सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम में विराट, रोहित सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ये सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम बनायी है। इसमें पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने भारत के विराट कोहली, रोहित शर्मा, महेन्द्र सिंह धोनी, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को शामिल किया है पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को जगह नहीं दी है। ब्रेट ली ने भारतीय टीम के पांच खिलाड़ियों जबकि पाकिस्तान के केवल दो खिलाड़ियों मोहम्मद रिजवान और हारिस रउफ को इस टीम में शामिल किया है।

रोहित और विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में ये दोनो ही एशिया कप 2025 के लिए टीम में नहीं हैं। वहीं रिजवान और बाबर खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर हैं। ली की बनायी टीम में धोनी और भारतीय टीम का हिस्सा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी शामिल हैं।

टीम में यूएई के पूर्व स्पिनर अमजद जावेद, श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, यूएई के नवीद और पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है।

ब्रेट ली की सर्वकालिक एशिया कप टी20 टीम

विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद रिजवान, बाबर हयात, एमएस धोनी, हार्दिक पंड्या, वानिंदु हसरंगा, राशिद खान, अमजद जावेद, मोहम्मद नवीद, हारिस रऊफ, जसप्रीत बुमराह।

एशिया कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का कहना है कि वर्तमान हालातों में पाकिस्तान से क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिये। हरभजर ने कहा कि जब तक पाक से संबंध तनावपूर्ण हैं तब तक न तो खेल होना चाहिये और न ही व्यापार। हरभजन ने कहा कि जब तब दोनों देशों के बीच संबंध नहीं सुधर जाते तब तक भारत और पाकिस्?तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जानी चाहिए। भारत और पाक टीम एशिया कप में रविवार को आमने-सामने होंगी। पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए हरभजन सहित कई प्रशंसकों का मानना है कि पाक के साथ खेल नहीं होना चाहिये। उनका कहना है कि पूर्व क्रिकेटरों ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप्स ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ दोनो ही मुकाबलों का बहिष्कार किया था। हरभजन के अनुसार हर किसी की सोच अलग होती है पर मेरा मानना है कि जब तक दोनों देशों के बीच संबंध सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार दोनों नहीं होना चाहिए हालांकि अगर सरकार कहती है कि मैच होना चाहिए तो फिर यह खेला जाना चाहिए। मगर दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने चाहिए।

वहीं हरभजन ने भारतीय क्रिकेट टीम की क्षमताओं को लेकर कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाहर होने के बाद भी टीम मजबूत है।उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, अगर कोई भारतीय टीम को हरा सकता है, तो वो खुद टीम इंडिया है। यह इतनी मजबूत टीम है। हमारी क्रिकेट अलग स्तर की है। भले ही विराट और रोहित संन्यास ले चुके हैं, लेकिन टीम काफी मजबूत है।

हरभजन के अनुसार भारतीय टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में जीतेगी।

भारत ने पहले महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत 11 से 25 नवंबर तक ऐतिहासिक रूप से पहली बार दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें भाग लेंगी। मैच नई दिल्ली और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। शुरुआत में काठमांडू को तीसरे मेजबान शहर के रूप में चुना गया था, जहां पाकिस्तान से जुड़े मैच होने थे, हालाँकि, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक वैकल्पिक स्थल पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विश्व कप में 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच होंगे। 56 खिलाड़ियों की राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज, उसके बाद कठोर प्रशिक्षण और चयन शिविरों के बाद दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए अंतिम 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की गई है, जो विश्व मंच पर अपनी प्रतिभा, लचीलापन और जुझारूपन दिखाने के लिए तैयार है।

टीम सूची

बी1 श्रेणी : सिमू दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी टुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी : अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदाह (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश), पारबती मांडी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी : दीपिका टीसी (कर्नाटक - कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस कदम (महाराष्ट्र - उप कप्तान), काव्या एनआर (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)

समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड की क्रिकेट शाखा, द क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) इस ऐतिहासिक विश्व कप का गौरवशाली आयोजक है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों, विशेषकर महिलाओं के लिए समान मंच बनाने में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। CABI के अध्यक्ष महंतेश जी किवादासन्नावर ने कहा, 'यह विश्व कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह साहस, कौशल और समावेशिता का उत्सव है। भारत में इसकी मेजबानी करना गर्व की बात है और मुझे विश्वास है कि हमारी लड़कियां इस कसौटी पर खरा उतरेंगी, लाखों लोगों को प्रेरित करेंगी और देश को गौरवान्वित करेंगी।' इससे पहले भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने 2023 IBSA विश्व खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था, जहां दृष्टिबाधित क्रिकेट ने अपनी शुरुआत की।

विश्व चैंपियनशिप में आमने–सामने होंगे नीरज और अरशद

टोक्यो (ईएमएस) । 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से 19 सदस्यीय टीम भाग लेगी जबकि पाकिस्तान की ओर से केवल नदीम ही उतरेंगे । भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से ही ये पहली बार होगा जब नीरज और नदीम के बीच शीर्ष पर पहुंचने को लेकर प्रतिद्वंद्विता होगी । नीजर से टोक्यो जबकि नदीम ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था । वहीं नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन इवेंट के लिए नदीम को पहले आमंत्रण भेजा गया था पर दोनो देशों के बीच तनाव के बीच ही नदीम ने इसमें शामिल होने से ये कहकर इंकार कर दिया था कि इस दौरान उनक ट्रेनिंग कार्यक्रम है । विश्वचैंपियनशिप की शुरुआत शनिवार को होगी और 18 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा ।

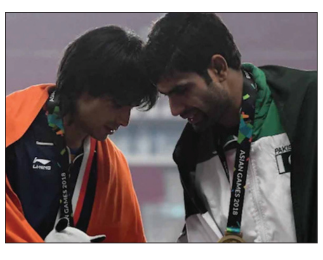

टी20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं चहल कुलदीप दूसरे नंबर पर पहुंचे

मुम्बई । भारत के लिए अभी तक टी20 में सबसे अधिक विकेट तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है । अर्शदीप ने अभी तक 99 विकेट लिए हैं । वहीं लेग युजवेंद्र चहल सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं । उनके नाम 96 विकेट हैं । स्पिनरों की बात करें तो चहल पहले नंबर पर हैं । वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे स्पिनर कुलदीप यादव हैं । उनके नाम 41 मैचों में 73 विकेट हैं । वहीं इसके बाद आर अश्विन और अक्षर पटेल का नंबर आता है । अश्विन ने 65 मैचों में 72 विकेट लिए हैं । वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर हैं । वहीं अक्षर पटेल के भी इतने ही विकेट हो गये हैं हालांकि उन्होंने अश्विन से अधिक विकेट लिए है । अक्षर पटेल ने 72 मैचों में 72 विकेट हासिल कर लिए हैं । वे इस सूची में चौथे नंबर पर हैं । वहीं स्पिनर रवि बिश्नोई पांचवें नंबर पर है, उन्होंने 42 मैचों में 61 विकेट लिए हैं ।

एशिया कप 2025 : श्रीलंका पर मनोवैज्ञानिक बढ़त मजबूत करने

अबु धाबी (एजेंसी)। बंगलादेश शनिवार को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 टी-20 के पांचवें मुकाबले में अपने पहले मैच में मिली जीत की महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक बढ़त को मजबूत करने और श्रीलंका के खिलाफ टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने के लिए उतरेगा।

पिछले महीनों के आंकड़ों के अनुसार बंगलादेश का पलड़ा भारी है क्योंकि उसने जुलाई 2025 में श्रीलंका को टी-20 सीरीज में 2-1 से हराया था और उनकी मौजूदा लय उन्हें एक प्रतिस्पर्धी टीम बनाती है। बंगलादेश ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ शानदार शुरुआत की है। इस मैच में बंगलादेश ने लिटन दास की 39 गेंदों पर 59 रनों की आक्रामक पारी की बदौलत बंगलादेश ने हांगकांग के खिलाफ 144 रनों के लक्ष्य का 18 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया।

बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज तनजीद हसन और परवेज हुसैन इमोन, मध्यक्रम के बल्लेबाज तौहीद हृदय और जैकर अली के साथ मिलकर एक संतुलित बल्लेबाजी क्रम प्रदान करते हैं जो प्रभावी ढंग से पारी को आगे बढ़ाने और समाप्त करने में सक्षम है। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाए तो तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान का तेज गेंदबाजी आक्रमण शानदार फॉर्म में है। स्पिनर महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन अबु धाबी की परिस्थितियों के अनुकूल हैं। संभावित बंगलादेश एकादश- परवेज हुसैन इमोन, तनजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदय, शमीम हुसैन, जैकर अली, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तनजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान। वहीं अगर श्रीलंका की बात की जाये तो उसने अपने पिछले पांच टी-20 मैचों में से केवल दो में जीत हासिल करते हुए, अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। बंगलादेश से सीरीज हार और जिम्बाब्वे से मिली करारी हार ने एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत में टीम पर दबाव बढ़ा दिया है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और कुसल परेरा के साथ मिलकर पारी को स्थिर करने की उम्मीद है, जबकि कामिल मिशारा और चरित असालंका पारी के अंत में तेजी ला सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण की बात की जाए तो वनिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज और चरित असालंका की अगुवाई में श्रीलंका का स्पिन विभाग अबु धाबी की पिच पर महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, जो बीच के ओवरों में स्पिनरों के लिए अनुकूल है। दुष्मंथा चमीरा तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, हालांकि हालात में स्पिनरों का पलड़ा भारी लग सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार शेख जायद स्टेडियम की पिच संतुलित है जिस पर बल्लेबाज शुरुआत में खुलकर खेल सकते हैं, जबकि स्पिनर बीच के ओवरों में सटीकता का फायदा उठाकर नियंत्रण बना सकते हैं। इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ऐतिहासिक रूप से फायदा मिलता रहा है। पिछले 10 टी20 मैचों में से आठ लक्ष्य का पीछा कर जीते गए है। इसलिए टॉस जीतने वाले कप्तान के पहले क्षेत्ररक्षण करने की संभावना है। 170 के आसपास के स्कोर से एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला होने की उम्मीद है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश = तंजीद हसन, परवेज़ हुसैन इमोन, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, तंज़ीम हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान

श्रीलंका =पथुम निसंका, कुसल मेंडिस (विकेट कीपर), कुसल परेरा, कामिल मिशारा, कामिंदु मेंडिस, चरित असालंका (कप्तान), दासुन शनाका, महेश दीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज/मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा।

संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची साइना नेहवाल

नई दिल्ली । अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची हैं । साइना के साथ इस दौरान उनकी मां और बहन भी थीं । साइना ने कहा कि कई बार जब उन्हें किसी इवेंट में जाना होता है तो वह तनाव में आ जाती। जिससे वह मुक्त होना चाहती हैं । इसपर प्रेमानंद जी महाराज ने उनकी शंकाओं का समाधान किया । साइना की प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन करते समय की जो वीडियो आई है इसमें वह महाराज जी के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हुई हैं और अपनी परेशानी उन्हें बता रही हैं । साइना के साथ उनकी मां उषा नेहवाल और उनकी बहन भी दिखाई दे रही हैं । साइना ने प्रेमानंद महाराज से पूछा, ', मुझे मंदिर जाना बहुत पसंद है और मैं काफी मंत्र भी जपती हूं पर जब भी मुझे कुछ लोग इवेंट्स में बुलाते हैं, तो उस टाइम का न सोचकर मैं थोड़ा तनाव में आ जाती हूं कि इस कार्यक्रम का क्या होगा ।' साइना के सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा, 'अज्ञान की वृद्धि जब तक नष्ट नहीं होगी तब तक वह चिंता बनी रहती है । वहीं वर्तमान के समय को यदि हम भगवान के नाम को जपने में लगा दें तो हमारा भूत और भविष्य दोनों ठीक हो जाएगा ।' संत ने कहा कि जब हमारी बुद्धि खराब हो जाती है तो नकारात्मकता अधिक फैलने लगती है और जब बुद्धि ज्यादा नकारात्मक हो जाती है तब हम अवसाद में पहुंच जाते हैं । वहीं अगर हमारी बुद्धि सकारात्मक होती है तो हम समस्या के साथ भी खुश रहते हैं ।' हाल में साइना निजी जीवन को लेकर परेशान रही हैं । कुछ समय पहले ही उनका बैडमिंटन स्टार पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की बात कही थी हालांकि बाद में फिर दोनो एकसाथ आ गये । दोनों ने अपने रिश्ते को एक ओर मौका दिया । साइना ने पति कश्यप के साथ तस्वीर शेयर करके जानकारी दी । प्रेमानंद जी महाराज ने आगे कहा कि तनाव नाम जप से आएगा । अगर हम राधा राधा राधा कृष्ण कृष्ण राम राम जो नाम प्रिय है वह नाम जप करें और पवित्र भोजन पावें । तो हमारे अंदर जो चिंता है, जो बेचैनी है यह फिर हमारे अंदर नहीं रहेगी. हर समय प्रसन्न रहेंगे. देखो जो भगवान के भक्तजन होते हैं, वे कैसी भी स्थिति को प्रसन्न रहते हैं, क्योंकि उनकी नकारात्मकता समाप्त हो जाती है । इसलिए नियमित तौर पर जाप करें । साइना से पहले क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी संत की शरण में पहुंचे थे ।

'वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं' : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अक्सर भावनाएं हावी हो जाती हैं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि इसी कमी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण मैच गंवाने पड़े हैं। राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज्यादा समय से स्थगित है जिससे उनके मुकाबले आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं तक ही सीमित हैं। पिछले 10 सालों में यह प्रतिद्वंद्विता काफी हद तक एकतरफा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं।

लतीफ ने कहा, 'हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इसी वजह से पाकिस्तान ज्यादातर हार जाता है।' पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दूसरी ओर, भारत पिच और मैच की स्थिति के अनुसार खेलता है और इसीलिए वे सफल होते हैं।'

दोनों देश रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मैच में एक-दूसरे के खिलाफ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे। लतीफ का मानना है कि हार्दिक पांड्या के फिनिशिंग कौशल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन द्वारा प्रदान किया गया संतुलन और जसप्रीत बुमराह की बेजोड़ सटीकता के साथ भारत की संयम बनाए रखने की क्षमता, उन्हें इस समय एक पूर्ण टीम बनाती है।

लतीफ ने कहा, 'हार्दिक पांड्या एक खतरनाक खिलाड़ी हैं। मध्यक्रम के खिलाड़ी या नीचे आने वाले खिलाड़ी खेल को बदल सकते हैं। पांड्या ने ऐसा एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया है, जो अद्भुत है और इसीलिए उन्हें एक्स-फैक्टर कहा जाता है। वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, गेंदबाजी में बुमराह एक बड़ी संपत्ति हैं। कुल मिलाकर, यह एक बहुत अच्छी टीम है।'

लतीफ के लिए बुमराह अभी भी वह गेंदबाज हैं जो मुकाबलों को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक गेंदबाजी की बात है, सटीकता ज्यादा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीयों का धैर्य और कौशल खेल के दौरान बेहतर प्रदर्शन करता है।' मेलबर्न में 2022 के टी20 विश्व कप में विराट कोहली के नाबाद 82 रनों ने भारत को मुश्किल से बाहर निकालकर अंतिम गेंद पर चार विकेट से जीत दिलाई। एक साल बाद एशिया कप में भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को 228 रनों से हरा दिया, लेकिन उनका सुपर 4 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका में 2024 के टी20 विश्व कप में बुमराह के तीन विकेटों ने छह रनों से जीत सुनिश्चित की, क्योंकि भारत सिर्फ 119 रनों का बचाव कर पाया।

लतीफ ने कहा, 'पाकिस्तान पर पिछले 30 सालों से दबाव है। इसलिए शायद भारत इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा।' हालांकि उन्होंने भारत की एक संभावित कमजोरी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'भारत में एकमात्र कमी यह है कि उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। वे जरूर अभ्यास मैच खेल रहे होंगे या अभ्यास कर रहे होंगे। लेकिन उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। यह एक नुकसानदेह स्थिति हो सकती है।'

इस बीच पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में मुश्किल स्पिन पिचों पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलकर आया है, और लतीफ का मानना ??है कि यह अनुभव उन्हें जल्दी से अनुकूलन करने में मदद कर सकता है। नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन एक ऐसा मुख्य समूह भी है जिसने इस दशक की शुरुआत में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वही है। मैं कह सकता हूं कि तीन नए खिलाड़ी हैं। सलमान अली आगा, जो हाल ही में आए हैं। सैम अयूब का 2024 में पदार्पण। हसन नवाज। बाकी खिलाड़ी 2021, 2018 और 2016 के हैं। लतीफ ने कहा, 'हमारे पास एक नया कप्तान भी है और आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल है।'

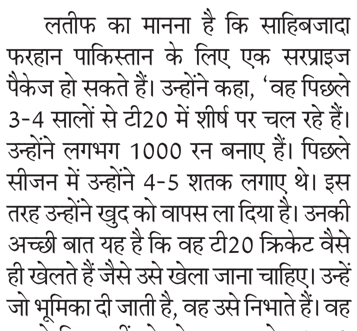

लतीफ का मानना है कि साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के लिए एक सरप्राइज पैकेज हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह पिछले 3-4 सालों से टी20 में शीर्ष पर चल रहे हैं। उन्होंने लगभग 1000 रन बनाए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 4-5 शतक लगाए थे। इस तरह उन्होंने खुद को वापस ला दिया है। उनकी अच्छी बात यह है कि वह टी20 क्रिकेट वैसे ही खेलते हैं जैसे उसे खेला जाना चाहिए। उन्हें जो भूमिका दी जाती है, वह उसे निभाते हैं। वह अपने लिए नहीं खेलते। वह पहले 10-12 ओवरों में गति पकड़ने की कोशिश करते हैं और यही उनकी सफलता का मंत्र रहा है।'

नवंबर में चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप

चेन्नई । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अनुसार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएंगा । इसमें 28 नवंबर को जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच खेला जाएगा । मेजबान भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 नवंबर को ही चिली के खिलाफ खेलेगी । उसके बाद उसे 29 नवंबर को पाकिस्तान से खेलना है । भारतीय टीम अपना अंतिम लीग मैच 2 दिसंबर को मदुरै में स्विट्जरलैंड से खेलेगी । पहली बार हो रहे इस विश्व कप में दुनिया भर की 24 टीमें भाग लेंगी । इसमें छह टीमों को चार–चार के छह समूहों में विभाजित किया गया था और भारत को ग्रुप–बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था । एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा कि जूनियर विश्व कप का शुभारंभ इस प्रतिष्ठित आयोजन की हमारी यात्रा में एक और रोमांचक बनाता है । एफआईएच के इतिहास में पहली बार, जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल रहेंगी । इससे उभरती हुई प्रतिभाओं को आगे आने की प्रेरणा मिलेगी । यह न केवल हॉकी के वैश्विक विकास और समावेशिता को बताता है, बल्कि उभरते हॉकी देशों को शीर्ष स्थापित टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी प्रदान करता है । टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भी शामिल किया गया है हालांकि अभी तक पाक हॉकी संघ ने इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की है ।

रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ नए सफर की शुरुआत कर रही हैं कुब्रा सैत

बोल्ड चॉइसेज़ और बेबाक अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत, जिन्होंने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है, अब एक बिल्कुल नए सफर की शुरुआत कर रही हैं—अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ। अपनी अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी और वर्सटिलिटी के लिए मशहूर एक्ट्रेस अब ऐसे मंच पर खुद को आज़मा रही हैं जहाँ अनप्रिडिक्टेबिलिटी ही असली नियम है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने इस सफर के मायने बताए। अपनी ईमानदारी और गहराई से भरे अंदाज़ में उन्होंने कहा—मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है। मेरी ज़िंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूँ तो कभी मेहनतकश इंसान। मैं एक भरोसेमंद, ज़िम्मेदार इंसान हूँ। चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ, मैं वफ़ादार रहूँगी। और हम ज़रूर उठेंगे।

उनका यह बयान बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी उम्मीद उनके फैंस उनसे करते हैं—हिम्मत, यक़ीन और अटूट जज़्बा। यह राइज़ एंड फॉल के फॉर्मेट को भी बखूबी दर्शाता है, जहाँ कंटेस्टेंट्स को ऊँचाइयों और गहराइयों से गुज़रते हुए, लॉयल्टी, स्ट्रैटेजी और एडैप्टेबिलिटी की असली परीक्षा देनी पड़ती है। कुब्रा के लिए, जो हमेशा खुद को नए रूप में ढालने के लिए जानी जाती हैं, यह मौका है स्क्रिप्ट्स और किरदारों को पीछे छोड़कर खुद को असली और अनफ़िल्टर्ड रूप में पेश करने का। उनके शब्द यह जताते हैं कि वह केवल सर्वाइव ही नहीं करना चाहतीं, बल्कि मुश्किलों के बावजूद मजबूती से खड़ी होकर जीतना चाहती हैं। राइज़ एंड फॉल के साथ, कुब्रा अपने शानदार करियर में एक और अध्याय जोड़ रही हैं। फिल्मों और वेब-शोज़ में अपने स्टैंडआउट परफ़ॉर्मेंस की तरह ही अब वह रियलिटी शो की अनिश्चित दुनिया में भी उतनी ही ऊर्जा के साथ कदम रख रही हैं। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ द ट्रायल्स सीज़न 2 में और वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आएंगी।

'एक चतुर नार' में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी। फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने खास बातचीत में बताया कि वो हमेशा से ही कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कॉमेडी कूट-कूटकर भरी हुई है। दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कॉमेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कॉमेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी।

शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कॉमेडी करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है। एक चतुर नार की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है। इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है। फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।

जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज, कोर्टरूम ड्रामा में भिड़ेंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने इस ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में एक बार फिर कोर्टरूम ड्रामा, सामाजिक मुद्दे, और हास्य का मेल देखने को मिलेगा। इस बार कहानी और भी गंभीर और संवेदनशील विषय को उठाती नजर आती है, जिसमें दो जॉली, अक्षय कुमार और अरशद वारसी, आमने-सामने हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर और भावनात्मक डायलॉग से होती है, मेरे दादा को परदादा से और मुझे पिता से जो विरासत में मिली, वही सौंपना चाहता था मैं अपने बेटे को। इस वॉयसओवर के साथ दंगों, पुलिस के लाठीचार्ज और सामाजिक उथल-पुथल के दृश्य सामने आते हैं। इसी दौरान एक महिला स्वर्गीय राजाराम सोलंकी की मूर्ति के पैरों से लिपटी दिखाई देती है। इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री होती है, जो स्कूटर चलाते नजर आते हैं। वह पैसों के बदले में अपने असिस्टेंट से कहते हैं, कोई जॉली बोले तो उसे मेरे पास ही लेकर आना। अक्षय कुमार के साथ हुमा कुरैशी भी नजर आई हैं, जिनकी शराब पीने की आदत से अक्षय परेशान दिखाई देते हैं। वहीं, अरशद वारसी एक बार फिर वकील के किरदार में हैं, जो खुद को बेहद बिजी बताते हैं, लेकिन असल में उनके पास कोई काम नहीं होता। ट्रेलर में अक्षय और अरशद एक ही क्लाइंट को लेकर भिड़ते भी दिखते हैं। अरशद अक्षय को क्लाइंट चोर तक कह देते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ जाती है।

फिल्म की कहानी में एक जमीन विवाद को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है, जिसमें खेतान साहब, जिनका किरदार गजराज राव निभा रहे हैं, एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देते हैं। अक्षय कुमार खेतान साहब से मिलने के लिए किसी से गुजारिश करते हैं, जो कहता है कि उन्हें खुद मिलने में एक साल और नाम याद कराने में दो साल लगे। लेकिन, चौंकाने वाला मोड़ तब आता है, जब खेतान साहब खुद अक्षय से मिलने पहुंचते हैं। इस केस को लेकर अक्षय और अरशद एक बार फिर आमने-सामने आते हैं। कोर्टरूम में दोनों वकीलों के बीच की बहस, रणनीति और नोकझोंक कहानी को दिलचस्प मोड़ देती है। ट्रेलर में अमृता राव की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर से साफ है कि जॉली एलएलबी 3 कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से सवाल उठाएगी। जॉली एलएलबी 3 19 सितबंर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षरा सिंह ने जिंदगी के नाम दिया बड़ा संदेश

अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसने न सिर्फ उनके फैंस का दिल छू लिया, बल्कि उनके कैप्शन ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में अक्षरा ने कैप्शन में अपने जज्बात लिखे। तस्वीर में अक्षरा सिंह एक खूबसूरत सूट में नजर आ रही हैं जो उनकी सादगी और खूबसूरती को और निखार रहा है। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास की एक अलग चमक है। अपने जज्बातों को जाहिर करते हुए अक्षरा ने लिखा, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी, शिकवे नहीं, बस सब्र से अपने जज्बातों को छुपाऊंगी। इस कैप्शन में अक्षरा ने न सिर्फ अपने जज्बात जाहिर किए हैं, बल्कि एक संदेश भी दिया है कि चाहे हालात कैसे भी हों, खुद को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, साथ न दो तुम अगर, तो भी न डगमगाऊंगी, कांटों की राहों पर चलकर भी, अपने हौसलों को सजाऊंगी। दिल टूटे तो क्या हुआ, सांसों का सफर अब भी बाकी है, जिंदगी की किताब में कुछ नए पन्ने लिखने की झांकी है, हर दर्द को रोशनी में बदलकर खुद को ही अपनाऊंगी, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी।

आलिया ने जाहिर की कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश

आलिया भट्ट की जिंदगी मां बनने के बाद काफी बदल गई है, इस बात का असर उनकी फिल्मों की च्वाइस पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। ऐसा वह अपनी बेटी के लिए करना चाहती हैं। बातचीत में आलिया भट्ट ने अपने फ्यूचर फिल्म प्रोजेक्ट का जिक्र किया है। आलिया चाहती हैं कि वह ऐसी फिल्म करना चाहती है, जिसे बेटी राहा देख सके। आलिया एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश रखती हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अब तक खुद कॉमेडी नहीं की है, इसलिए इस जॉनर की फिल्म करना चाहती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो मुझे इंस्पायर करे।' आलिया भट्ट आगे कहती हैं, 'कुछ एक्साइटिंग चीजें मेरे पास आई हैं, अभी इनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं। बस मैं सही डायरेक्शन में आगे बढ़ना चाहती हूं।'

इस साल एक्शन फिल्म में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर आलिया इन दिनों काफी मेहनत कर रही हैं।

रंग के कारण खूब मिले रिजेक्शन

एक्ट्रेस मंजरी पुपला कभी एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने का सपना देखती थीं। लेकिन एक्टिंग के लिए पैशन ने उन्हें थिएटर, टीवी और सिनेमा की दुनिया से जोड़ा। साल 2015 में मराठी टीवी सीरियल दिल दोस्ती दुनियादारी से एक्टिंग डेब्यू किया। वह 2017 में टीवी रियलिटी शो सबसे बड़ा कलाकार में एक्टिंग गुरु बनकर पहुंचीं। करियर के शुरुआती दौर में अपने अपने डार्क कॉम्प्लेक्शन के कारण कई रिजेक्शन मिले।

आज मंजरी पुपला सिनेमा से लेकर ओटीटी की दुनिया में जाना-पहचाना नाम हैं। हमने उन्हें वेब सीरीज शहर लखोट और दहाड़, जबकि बड़े पर्दे पर सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और धड़क 2 में देखा-सराहा है। बातचीत में मंजरी ने अपने करियर, संघर्ष और सिनेमाई सफर पर बड़ी बेबाकी से बात रखी है।

कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी

मंजरी बताती हैं कि वह हमेशा से अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थीं। वह कहती हैं, मैं तो एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। मैं कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी। मगर जब मैंने मराठी एक्ट्रेस वीणा जामकर को स्टेज पर देखा, तो मैं मंत्रमुग्ध हो गई। उसी पल मैंने तय किया कि मैं अब एयरोस्पेस इंजिनियर नहीं, बल्कि एक अभिनेत्री बनूंगी। मैं बहुत ही इंट्रोवर्ट लड़की हुआ करती थी। मैंने कभी कैमरा फेस किया ही नहीं था, मगर सेंट जेवियर्स कॉलेज के मेरे प्रोफेसर ने मेरा पहला फोटोशूट किया और एक जौहरी की तरह मुझे तराशा, एक?ट्रेस और मॉडल के रूप में। फिर नाटक, ओटीटी और फिल्मों में अभिनय का सिलसिला शुरू हुआ।

डार्क कॉम्प्लेक्शन के कारण नकारी गई

कई दूसरी लड़कियों की तरह मंजरी भी सेल्फ डाउट्स से गुजरी हैं। वह कहती हैं, मैं हमेशा सोचती थी कि मैं एक बार को नाटक में तो काम कर लूंगी, मगर शायद कैमरा फेस न कर पाऊं। अपने स्किन कलर को लेकर मैं बहुत हीन भावना की शिकार थी। मेरे लिए सुंदरता का मतलब गोरा रंग था। स्किन वाइटनिंग क्रीम्स ने बचपन से हमारी यही कंडीशनिंग कर रखी है। जबकि अपने घर में ऐसी कोई बात कभी सुनने नहीं मिली, मगर कंडीशनिंग ने मेरे दिमाग में बैठा दिया था कि सांवले रंग के कारण मैं कैमरे का सामना नहीं कर सकती। डार्क कॉम्प्लेक्शन के कारण ऑडिशन में भी दिक्कत आती थी। जब भी अपमार्केट या अर्बन किरदार की बात होती, गोरे रंग की डिमांड की जाती थी। अपने सांवले रंग के कारण मैं उस तरह के रोल्स के लिए ऑडिशन दे ही नहीं सकती थी। तभी मैंने तय किया कि मैं अपने कॉम्प्लेक्शन के कारण किसी रोल के लिए चुनी जाऊं, तो वो अहम हो। कई बार ये भी हुआ कि लीड रोल के ऑडिशन के लिए गई, मगर ऑफर हुआ हाउस हेल्प का रोल। कई साल तक ये सिलसिला चला, मगर ओटीटी के आने के बाद कई रियलिस्टिक किरदारों के चलते बदलाव आया है।

इंटीमेट सीन्स में विजय वर्मा और रीमा कागती ने सेफ फील करवाया

बतौर एक्ट्रेस मंजरी खुद को लकी मानती हैं कि उन्हें रीमा कागती (दहाड़, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव) और शाजिया इकबाल (धड़क 2) का साथ मिला। वह कहती हैं, दहाड़ में सेट पर रीमा कागती ने काफी सेफ फील करवाया। मैं पर्दे पर पहली बार अंतरंग दृश्य कर रही थी और ये सीन्स लॉकडाउन से पहले शूट किए थे, तो उस वक्त तक सेट पर इंटीमेसी डायरेक्टर इंट्रोड्यूज नहीं हुए थे, मैं बहुत डरी हुई थी। मगर रीमा ही नहीं, बल्कि मेरे को-एक्टर विजय वर्मा ने भी मेरा काफी खयाल रखा और उन इंटीमेट सीन्स में मुझे जरा भी असहजता महसूस नहीं हुई। साफ-सुथरे और प्रोफेशनल तरीके से वो सीन्स शूट हुए। फीमेल डायरेक्टर होने का ये फायदा तो होता है कि आप खुद को सेफ जोन में फील करते हैं।

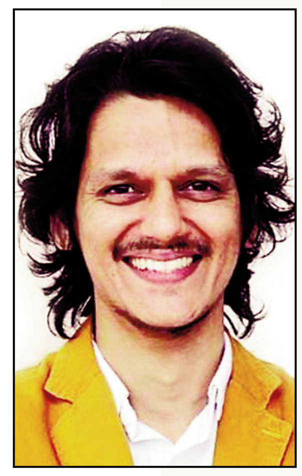

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

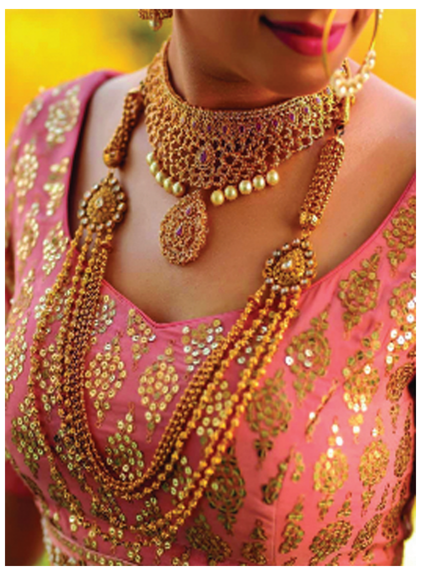

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑरड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।